▸▸ वर्ष 72 ▸▸ अंक 245 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 03 जून, 2025
▸▸ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ■■ ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"आशावाद वह आस्था है जो उपलब्धि की ओर ले जाती है। आशा और आत्मविश्वास के बिना कुछ भी संभव नहीं है।
–हेलेन केलर

आईपीएल समापन की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर'

अहमदाबाद, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस बार समापन समारोह की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखी गई है, जो भारत की हालिया सैन्य कार्रवाई को सलाम करती है। इसमें भारतीय सेना के साहस और देशभक्ति की झलक दिखाई जाएगी। 1.32 लाख दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में 80,000 से ज्यादा टिकट पहले ही ऑनलाइन बिक चुके हैं, जबकि बाकी टिकटों की भारी मांग बनी हुई है। आयोजकों ने बताया कि टिकटों की बिक्री ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फाइनल को लेकर देशभर में उत्साह है। खासकर अहमदाबाद आने वाली फ्लाइट्स के किराये में जबरदस्त उछाल देखा गया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता से अहमदाबाद की फ्लाइट्स का किराया 25,000 रुपए तक पहुंच गया है, जो सामान्य से तीन गुना ज्यादा है। समापन समारोह में में सेना के बैंड, बॉलीवुड कलाकारों और देशभक्ति पर आधारित विशेष प्रस्तुतियों का समावेश होगा। गुजरात पुलिस और सुरक्षाबल स्टेडियम के भीतर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर चुके हैं। ड्रोन से निगरानी, फेस रिकग्निशन सिस्टम और ट्रैफिक कंट्रोल की भी व्यापक व्यवस्था की गई है।

इस बार आईपीएल को मिलेगा नया विजेता

फाइनल मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें विराट कोहली और श्रेयस अय्यर पर होंगी। दोनों में से कोई भी टीम जीतती है, तो आईपीएल को नया विजेता मिलना तय है, क्योंकि अभी तक पंजाब और बेंगलुरु ने ट्रॉफी पर कब्जा नहीं जमाया है। विराट अपने 18 साल लंबे आईपीएल करियर में पहली बार ट्रॉफी जीतने की दहलीज पर हैं। कोहली चौथी बार फाइनल खेल रहे हैं, और यह आईपीएल में उनका अंतिम मैच हो सकता है। वहीं, श्रेयस अय्यर ने लगातार दूसरे साल अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया है। पिछले साल वे कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ खिताब जीत चुके हैं। यह आईपीएल इतिहास में पहली बार है जब किसी कप्तान ने तीन अलग-अलग टीमों के साथ फाइनल खेला है।

जेईई एडवांस्ड 2025: बुरहानपुर के माजिद ने हासिल की तीसरी रैंक

कोटा के रजित गुप्ता बने ऑल इंडिया टॉपर, सक्षम जिंदल ने ने हासिल की ऑल इंडिया में दूसरी रैंक, जबलपुर के देव के कैमिस्ट्री में परफेक्ट 100 अंक

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए आयोजित जेईई एडवांस्ड 2025 का रिजल्ट सोमवार को जारी किया गया। कोटा के छात्र रजित गुप्ता ने इस बार ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल कर पूरे देश में टॉप किया है। दूसरा स्थान सक्षम जिंदल ने हासिल किया है। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के माजिद मुजाहिद हुसैन ने इस परीक्षा में ऑल इंडिया में तीसरी रैंक हासिल की है। माजिद मध्यप्रदेश के टॉपर रहे हैं।

भोपाल के हमजा की रैंक 1595

भोपाल के मोहम्मद हमजा ने इस साल जेईई एडवांस्ड में 1595वीं रैंक प्राप्त की है। पिछली बार उनकी रैंक 17 हजार के करीब थी। हमजा ने बताया कि पिछले वर्ष जेईई मेन के बाद स्वास्थ्य बिगड़ने से वे एडवांस्ड की तैयारी नहीं कर पाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने पहले से बेहतर किया है।

उपलब्धि का श्रेय मां-पिता और संस्थान को

राजित गुप्ता ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता और कोचिंग संस्थान को दिया। उन्होंने कहा यह अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। मेरे माता-पिता और कोचिंग इंस्टीट्यूट ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैंने बस अपनी तरफ से पूरी मेहनत की और कोशिश की कि कुछ भी अधूरा न रह जाए।

माजिद ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा रखते हैं, तो मानसिक दबाव से मुक्त होकर बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

मध्य प्रदेश से जबलपुर के देव कौरव ने ऑल इंडिया रैंक 159 हासिल की है। उन्होंने कैमिस्ट्री में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं। इस साल इस परीक्षा का आयोजन आईआईटी कानपुर ने किया था।

▸▸ कटऑफ में 30 फीसदी की गिरावट: इस बार की कटऑफ में करीब 30 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। पिछले साल की कटऑफ 109 थी, वहीं इस बार यह घटकर महज 76 रह गई है। इस साल जेईई एडवांस्ड की परीक्षा 18 मई को देशभर के 224 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में हुई थी। इस बार कुल 1.87 लाख से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया था।

▸▸ छह चरणों में होगी काउंसलिंग: रिजल्ट जारी होने के साथ ही अब जेईई काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। यह प्रक्रिया 3 जून से 28 जुलाई तक छह चरणों में चलेगी। काउंसलिंग के जरिए छात्रों को देशभर के 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 आईआईआईटी और 47 अन्य सरकारी संस्थानों में दाखिला मिलेगा। काउंसलिंग के पहले चरण की सीट अलॉटमेंट लिस्ट 14 जून को आएगी।

▸▸ भरी जाएंगी 17740 आईआईटी सीट: जेईई एडवान्सस परीक्षा के जरिये देश भर के आईआईटी की कुल 17,740 सीटों के लिए दावेदारी तय होगी।

पूर्वोत्तर में बाढ़ के कारण हालात गंभीर, अगले दो दिन भारी बारिश की आशंका, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

सिक्किम में भूस्खलन से आर्मी कैंप तबाह 3 जवानों की मौत, 6 लापता, तलाश जारी

गंगटोक, जेएनएन। सिक्किम के छतेन में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ जिससे एक आर्मी कैंप तबाह हो गया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और छह जवान लापता हैं। रक्षा अधिकारियों के अनुसार बचाव दल लापता कर्मियों की तलाश में लगा हुआ है। वहीं मणिपुर में बाढ़ से 3365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं जिसके चलते 31 राहत शिविर खोले गए हैं। मंगन जिले के जिला अधिकारी अनंत जैन ने बताया कि लाचुंग में फंसे 1000 से अधिक पर्यटकों को सोमवार को सुरक्षित निकाला गया। असम में भी बाढ़ के कारण स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। राज्य के कई हिस्सों में जलस्तर बढ़ता जा रहा है और भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इससे हालात और बिगड़ने की आशंका है।

राज्य के 15 जिलों में लगभग चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित जिला कछार है, जहां एक लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद श्रीभूमि में 85,000 और नागांव में 62,000 लोग बाढ़ की चपेट में हैं। इस समय राज्य के 764 गांव पानी में डूबे हुए हैं और 3,524.38 हेक्टेयर कृषि भूमि बर्बाद हो चुकी है।

असम के 15 जिलों में 4 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित, 764 गांव पानी में डूबे

दो और लोगों की मौत

असम के कछार और श्रीभूमि जिलों में दो और लोगों की बाढ़ के कारण मौत हो गई, जिससे इस वर्ष बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की कुल संख्या 10 हो गई है।

- **राहत कार्य और सहायता वितरण जारी:** प्रशासन ने 12 जिलों में 155 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र संचालित किए हैं, जिनमें इस समय 10,272 विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं।
- **नदियों का बढ़ता खतरा:** असम की प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। ब्रह्मपुत्र डिब्रगढ़ और निमाटीघाट में, उसकी सहायक नदी धनसिरी नुमालीगढ़ में और कोपिली नदी कांपुर में खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं।

पश्चिमी विक्षोभ से चल रही चक्रवाती हवाएं: पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और जम्मू के आसपास चक्रवाती हवाओं के रूप में सक्रिय है। साथ ही हरियाणा व पूर्वी बिहार में भी चक्रवाती सर्कुलेशन बना है। इससे बारिश का दौर जारी रहेगा।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश: आईएमडी ने पूर्वोत्तर राज्यों जैसे नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके बाद बारिश की तीव्रता कम हो सकती है। बंगाल में भारी बारिश दर्ज की गई है।

उत्तर पश्चिम में तीन दिनों तक मध्यम बारिश की संभावना

वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में 2 और 3 जून को कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

पचमढ़ी में कैबिनेट की बैठक आज

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्यप्रदेश कैबिनेट एक बार फिर राजधानी से दूर पचमढ़ी में बैठक करने जा रही है। इस बैठक में मंत्रिपरिषद कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाएगी।

उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान ग्रामीण परिवहन योजना को भी हरी झंडी मिल सकती है। यह बैठक पचमढ़ी राजभवन में होगी। मंगलवार को डॉ. मोहन यादव कैबिनेट बैठक के अलावा पर्यटन और अन्य विभागों से जुड़े कुल 33.88 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे।

गौरतलब है कि इंदौर के राजवाड़ा में 20 मई को कैबिनेट की बैठक की गई थी। वह बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित थी। इसी तरह 3 जून को पचमढ़ी में होने वाली कैबिनेट की बैठक राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित होगी। वर्ष 2022 में भी पचमढ़ी में शिवराज सिंह कैबिनेट की बैठक हुई थी।

1 हजार से ज्यादा जवान तैनात: कैबिनेट बैठक में भाग लेने के लिए कई मंत्री सोमवार को ही देर शाम पचमढ़ी पहुंच गए हैं। कैबिनेट की बैठक को देखते हुए पचमढ़ी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। लगभग 1 हजार से ज्यादा पुलिस जवानों और अधिकारियों की तैनाती की गई है। साडिया से पचमढ़ी तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी। इस दौरान कैबिनेट मंत्रियों की आवाजाही के लिए निर्धारित रूट्स पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

हासन ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

चेन्नई, जेएनएन। दक्षिण भारतीय अभिनेता कमल हासन के तमिल-कन्नड़ भाषा पर दिए गए बयान का असर उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' पर पड़ रहा है। यह 5 जून 2025 को रिलीज होने वाली है। इसे कर्नाटक में बैन करने की मांग की जा रही है।

इस बीच कमल हासन ने कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने फिल्म की रिलीज और स्क्रीनिंग सुनियिश्चत करने के निर्देश मांगे हैं और सुरक्षा की भी मांग की है। असल में, उन्होंने विवाद के बाद माफी मांगने से इनकार कर दिया था और कहा कि उन्होंने ये सब प्यार में बोला। कमल हासन को कर्नाटक में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। 24 मई को चेन्नई में 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च पर बोलते हुए उन्होंने कहा था, 'कन्नड़ तमिल से पैदा हुई है।' ठग लाइफ 5 जून को रिलीज होने वाली है।

राहुल गांधी आज भोपाल में, करेंगे तीन बैठकें

विशेष संवाददाता भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 3 जून को भोपाल प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे। साथ ही

विधायक और राज्यसभा सांसदों से सीधे संवाद भी करेंगे। अपने लगभग 7 घंटे के प्रवास के दौरान राहुल गांधी प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में तीन बैठकें करेंगे। सबसे पहले वह राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को संबोधित करेंगे और एआईसीसी की ओर से नियुक्ति पर्यवेक्षकों के साथ संवाद होगा। इसके बाद विधायक दल और राज्यसभा सांसदों के साथ अलग-अलग बैठक कर आगामी रोडमैप पर चर्चा करेंगे। यहां से राहुल रवीन्द्र भवन पहुंचेंगे। जहां संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे। यहां कांग्रेस के मौजूदा जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी और नवनियुक्त पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी 4 जून को चंडीगढ़ में और 6 जून को बिहार जाएंगे।

11 दिन से गुमशुदा कपल, हनीमून मनाने गया था शिलांग

इंदौर के कारोबारी का शव मिला, पत्नी अब भी 'लापता'

जागरण, इंदौर। शिलांग में हनीमून मनाने गए इंदौर के कपल को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने खाई में सर्चिंग के दौरान गुमशुदा कारोबारी राजा रघुवंशी का शव बरामद किया है। हालांकि, पत्नी का अभी भी पता नहीं चला है। यह कपल 11 दिन से लापता था। इंदौर में भाई सूरज रघुवंशी ने शव की पुष्टि की है। हाथ पर राजा लिखा देखने के बाद शव की पहचान हुई।

बता दें कि इंदौर के दंपती राजा और सोनम रघुवंशी हनीमून मनाने मेघालय गए थे। यहां दोनों ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम से लापता हो गए थे। तब से अलग-अलग 6 टीमें सर्चिंग में जुटी हैं। दरअसल जिस जगह से दोनों लापता हुए थे, वह गहरी खाई और ऊंची पहाड़ी वाला इलाका है। मौसम पल-पल बदल रहा है। यहां बारिश हो रही है, जो बहुत कम रुकती है। फिसलन भी ज्यादा है। ड्रोन की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया

जा रहा है। कई बार कोहरे में ड्रोन नहीं उड़ पाता है। मौके पर डॉग भी मौजूद हैं। ऐसे में सर्च ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन भी टीम के साथ मौजूद हैं। राजा के शव की पहचान भाई विपिन ने की है, जहां स्कूटर मिली थी, वहां से करीब 20 से 25 किमी दूर राजा का शव मिला है। वहीं सोनम की अभी तलाश की जा रही है। हालांकि, अभी यह खुलासा नहीं हुआ है कि राजा की मौत कैसे हुई और वह यहां तक कैसे पहुंचा।

गूगल रूट लिया, कार पेड़ से टकराई, 1 की मौत

जागरण, उज्जैन। महाकाल दर्शन कर उज्जैन से दिल्ली लौट रहे पांच दोस्त हादसे का शिकार हो गए। इनकी कार तेज गति में पेड़ से जा टकराई। हादसे में एक युवक की मौत हुई है। चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवारों ने गूगल मैप पर दिल्ली की लोकेशन डाली थी। इसके बाद हाईवे छोड़कर गूगल के बताए रूट पर आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में घट्टिया थाना क्षेत्र के मालीखेड़ी के पास हादसा हो गया। कार की गति इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद उसके परखच्चे उड़ गए। दिल्ली निवासी पांच युवक अर्टिगा कार से उज्जैन आए थे। सोमवार सुबह इन्होंने भस्म आरती में भाग लिया। काल भैरव दर्शन के बाद रवाना हो गए। वापसी में गूगल मैप की सहायता ली गई, लेकिन लोकेशन ने उन्हें कोटा हाईवे छोड़कर मालीखेड़ी गांव की ओर मोड़ने का संकेत दिया, जैसे ही कार मालीखेड़ी गांव के पास एक मोड़ पर पहुंची, तेज रफ्तार के कारण पहले वह पुलिस बेरिकेडिंग से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा भिड़ी।

देह व्यापार के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

असम की महिला को बंधक बनाकर अपने होटल में चला रहा था सैक्स रैकेट

जागरण, जबलपुर। सोमवार को असम की एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने देह व्यापार के आरोप में भाजपा नेता को गिरफ्तार किया है। मंडल अध्यक्ष रहे भाजपा नेता और उसके साथी के खिलाफ असम की महिला ने देह व्यापार में धकेलने और धमकाने की शिकायत की है। यह महिला काम की तलाश में जबलपुर आई थी। पुलिस भाजपा नेता के साथी की तलाश कर रही है। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल चौरसिया जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र में स्थित अपने होटल 'अतिथि' में सैक्स रैकेट चला रहा था। पुलिस ने रविवार रात छापामार कर अतुल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक असम निवासी युवती तीन साल पहले नौकरी की तलाश में जबलपुर आई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अतुल और शीतल से हुई। दोनों ने पहले उसे होटल में रुकवाया और फिर मोटी कमाई का झांसा देकर देह व्यापार में धकेल दिया। 'अतिथि' होटल में आने वाले पुरुषों को दोनों आरोपी सीधे उसके कमरे में भेज देते

थे। हर ग्राहक से आरोपी 2 से 5 हजार रुपए वसूलते थे और युवती को बहुत कम राशि देते थे। विरोध करने और ज्यादा पैसे मांगने पर पहले तो दोनों आरोपी बहला-फुसलाकर चुप करा देते थे। बाद में वे सीधी धमकी देने लगे।

चार महीने पहले यह महिला इनके चंगुल से भाग निकलने में कामयाब रही, लेकिन पिछले दिनों उसने अपने पैसे मांगे तो दोनों आरोपी फिर उसे धमकी देने लगे। इससे घबरा कर महिला पुलिस थाने पहुंच गई। दोनों के पूरा गोरखधंधा पुलिस को बता दिया। पुलिस होटल पर कार्रवाई के लिए कलेक्टर को पत्र भेजने की तैयारी कर रही है।

बड़ा नेटवर्क तलाश रही पुलिस

भाजपा नेता को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस को देह व्यापार का बड़ा नेटवर्क हाथ में आने की उम्मीद बंध गई है। इसे लेकर पुलिस ने भाजपा नेता के होटल के गेस्ट एंट्री रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और आरोपियों के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाल रही है। पुलिस इस मामले में लंबे समय से काम कर रहे किसी संगठित सेक्स से तार जोड़कर भी पड़ताल कर रही है। पुलिस को शुरूआती जांच में इस होटल में असल के अलावा कोलकाता, सिक्किम और छत्तीसगढ़ के शहरों की लड़कियों के आने की जानकारी मिली है। अब इन लड़कियों की तलाश भी पुलिस कर सकती है।

सीडब्ल्यूयूआर 2025 | वैश्विक शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ा भारत, टॉप 400 रैंकिंग में एक भी संस्थान नहीं

वैश्विक रैंकिंग में शामिल हुए भारत के 68 शिक्षा संस्थान

नई दिल्ली, जेएनएन। सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स (सीडब्ल्यूयूआर) की ओर से सोमवार को जारी ग्लोबल 2000 यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में भारत के कुल 68 उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थान मिला है। इसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद ने भारतीय संस्थानों में सबसे ऊंचा स्थान पाया है। हालांकि यह संस्थान पिछले साल की तुलना में 18 स्थान नीचे खिसक कर 428वें स्थान पर पहुंच गया है, फिर भी वैश्विक स्तर पर रोजगारपरकता में इसकी रैंकिंग 11वीं बनी हुई है।

आईआईएम अहमदाबाद अब भी भारतीय संस्थानों में सबसे आगे है, फिर भी यह 18 पायदान गिरकर 428वें स्थान पर आ गया है। गुणवत्ता शिक्षा में इसकी रैंकिंग घटी है। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) 521वें स्थान पर है (20 स्थान नीचे), जबकि आईआईटी मद्रास ने 21 स्थान की छलांग लगाकर 561वां स्थान प्राप्त किया है। आईआईटी बॉम्बे (562) और आईआईटी दिल्ली (582) भी टॉप 600 में हैं। हालांकि अधिकांश अमेरिकी संस्थान भी रैंकिंग में गिरावट का सामना कर रहे हैं।

हार्वर्ड फिर अव्वल

लगातार 14वें साल हार्वर्ड यूनिवर्सिटी विश्व की नंबर एक यूनिवर्सिटी बनी हुई है। उसके बाद एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), स्टैनफोर्ड, कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड शीर्ष 5 में शामिल हैं। अमेरिका की प्रिंसटन, कोलंबिया, येल, पेनसिल्वेनिया और शिकागो यूनिवर्सिटी भी टॉप 10 में बनी हुई हैं। एक अहम बदलाव यह है कि चीन ने इस वर्ष अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक संस्थानों (346) को इस सूची में स्थान दिलाया है, जो पिछले वर्ष 324 थे। सीडब्ल्यूयूआर प्रतिष्ठित सलाहकारी संस्था है जो सरकारों और शिक्षण संस्थानों को शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध क्षमता सुधारने के लिए रणनीतिक परामर्श देती है। 2025 की रैंकिंग के लिए संस्था ने 21,462 यूनिवर्सिटियों के 74 मिलियन डेटा पॉइंट्स का विश्लेषण किया है।

भारत के 39 संस्थानों की रैंक सुधरी

सीडब्ल्यूयूआर ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि 'भारत लगातार उच्च शिक्षा में अपने वैश्विक प्रभाव को मजबूत कर रहा है। इस साल भारत के 39 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में सुधार हुआ है, जबकि 29 की रैंकिंग गिरी है।' इस प्रगति का प्रमुख कारण शोध प्रदर्शन में सुधार है। कुल 37 भारतीय संस्थानों ने इस क्षेत्र में उन्नति दिखाई है।

भारत के शीर्ष 10 संस्थान

रैंक	संस्थान	रैंकिंग
1	आईआईएम अहमदाबाद	428
2	आईआईएससी बैंगलोर	521
3	आईआईटी मद्रास	561
4	आईआईटी बॉम्बे	562
5	आईआईटी दिल्ली	582
6	दिल्ली विश्वविद्यालय	636
7	टाटा इंस्टीट्यूट	644
8	आईआईटी खड़गपुर	689
9	एएसआईआर	736
10	होमी भाभा इंस्टीट्यूट	820

भारत के 68 संस्थानों का रैंकिंग में शामिल होना इस बात का संकेत है कि देश वैश्विक शिक्षा प्रणाली में मजबूती से उभर रहा है।
– **नदीम महास्सेन**, अध्यक्ष, सीडब्ल्यूयूआर

तब पूरा जयपुर आपका हो जाएगा: सुप्रीम कोर्ट

जयपुर, जेएनएन। जयपुर राजघराने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया है। असल में, याचिकाकर्ताओं के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने दलील दी कि यह मामला संविधान के अनुच्छेद 362 और 363 में पूर्व शासकों और रजवाड़ों के विशेषाधिकार से जुड़ा है। यह एक संधि है जिसमें संघ तो पक्ष भी नहीं था, यह तो जयपुर और बीकानेर आदि के शासकों के बीच हुई थी।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा तो आप आपस में ऐसा करते हैं, बिना भारत संघ को पक्ष बनाए? आप कैसे विलय करते हैं? फिर तो पूरा जयपुर आपका हो जाएगा। ऐसे तो राजस्थान का हर शासक सभी सरकारी संपत्तियों पर अपना दावा करेगा! तो फिर ये रियासतें कहेंगी कि सारी संपत्तियां उनकी ही हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर आप कहते हैं कि भारत संघ इस कॉन्ट्रैक्ट का पक्षकार नहीं था तो अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा।

मैहर में सांसद ने सुनी आमजनों की फरियाद

संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

जागरण, सतना। संसदीय कार्यालय मैहर में सोमवार को सतना सांसद आमजनों से मिलने वा उनकी समस्याओं का निराकरण करने जनता दरबार लगाया था जहां मैहर जिले के वो लोग सांसद गणेश सिंह से मिलने पहुंचे जो सरकारी दफ्तरों की सीढ़ियां चढ़.उतर कर परेशान हो चुके हैं और निराश होकर रह जाते हैं। सांसद से आस लगाकर अपनी फरियाद लेकर पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सांसद ने सुना और जिस विभाग का कार्य था उसके विभाग प्रमुख को निर्देश दिए कि संबंधित जनों का परेशान न किया जाए जो शासन के नियम में है उसके अनुसार कार्रवाई कर त्वरित निराकरण कराया जाए। सांसद ने कई मामलों में खुद ही फोन कर अधिकारियों को जानकारी दी और बताया कि आवेदक मिलने आएगा तो उसका काम सात दिनों में कर संसदीय कार्यालय को सूचित किया जाय। सीएसपी ने दिया भरोसा पुलिस विभाग से लेकर भी कई मामले सांसद के सामने आए, जिसमें पीड़ितों को प्रताड़ित करने के आरोप रहेए मौके पर मैहर के नवागत सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे लिहाजा सांसद श्री सिंह ने सीएसपी को निराकरण के लिए कहा तो सीएसपी ने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि वो मामले की जांच कराकर न्याय दिलाने का काम करेंगे। जमीनी विवाद और सीमांकन नामांकन न होने के कई मामलों में एसडीएम व तहसीलदारों को भी सांसद ने तलब किया है।

स्व सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं पिंगला साकेत

सतना। सतना जिले के रामपुर बाघेलान विकासखण्ड के ग्राम मलगांव की पिंगला साकेत स्व सहायता समूह से जुडकर लखपति दीदी बन चुकी है। पिंगला ने अपने सेटरिंग व्यवसाय के जरिये पति को भी रोजगार पर लगा रखा है। पिंगला ने बताया कि कम उम्र में शादी हो गई थी। लेकिन कुछ बडा करने की सोच उनके मन में बनी हुई थी। लेकिन आर्थिक तंगी और संसाधन की कमी के कारण अपने सपनों को ऊंची उडान नहीं दे पा रही थी। पिंगला साकेत ने बताया कि इस दौरान आजीविका मिशन से स्व सहायता समूह के बारे में जानकारी मिली और वह समूह से जुड गई। इसके बाद इन्हें स्व-सहायता समूह के 13 सूत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। तीन माह बाद समूह को चक्रिय राशि जारी की गई एवं छः माह बाद समुदायिक निवेश राशि जारी की गई। समूह को बैंक लिंकेज के माध्यम से ऋण प्रदाय कराया गया। जिससे पिंगला ने भी समूह से कम ब्याज में 50 हजार रुपये ऋण लिया व अपने पति के साथ मिलकर शटरिंग कार्य को करने का साहसिक कदम उठाया। शटरिंग का कार्य धीरे-धीरे बढने लगा व आय में भी वृद्धि होने लगी। इसके साथ-साथ पिंगला स्कूलों में वितरित होने वाले गणवेश की सिलाई का भी कार्य कर रही थी। वर्तमान में पिंगला साकेत अपने व्यवसाय से प्रति माह 20 से 25 हजार रुपये कमा रही है। इससे उनके पति को स्थायी रोजगार मिल गया और बेटी सोनम भी अपनी शिक्षा-दीक्षा पूर्ण कर आजीविका मिशन अंतर्गत पशु सखी का कार्य कर रही है।

साइकिल से देशाटन कर दे रहे शिव बाबा का संदेश

जागरण, सतना। भारत को विश्व गुरु बनाने में भारत देश का एक.एक नागरिक लगा हुआ है मगर अपनी लगन और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रेरणा से प्रेरित होकर 60 साल की उम्र में मुजफ्फर नगर बिहार से दिग्विजय शाही ने साइकिल से भारत देश के साथ नेपाल माउंटआबू की यात्रा करते हुए जगह.जगह शिव बाबा की प्रदर्शनी लगाकर काम क्रोधलोभ मोह अहंकार पर विजय हासिल कर विश्व कल्याण के लिए कार्य करने के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है साथ ही उन्होंने कहा कि हमें दूसरे को सुधारने की जरूरत नहीं हैएहम अपने आप को सुधार कर भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं और यह कोई मुश्किल कार्य नहीं है उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में संचालित ईश्वरी विद्यालय में ज्ञान लेकर यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है और अपने जीवन को सफ्ल मान रहे हैं।

नियम विरुद्ध भुगतान से जुड़े मामले में आरटीआई एक्टिविस्ट ने मांगी थी जानकारी

जागरण, सतना। नागौद विकासखंड के संकुल केंद्र शिवराजपुर के प्राचार्य मनमानी पर उतारू हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। कोई भी जानकारी देने के लिए नियमतः अवधि तय की गई हैए लेकिन यहां कोई समय सीमा तय नहीं है। प्राचार्य विजय कोल के द्वारा वरिष्ठ अधिकारी के मार्गदर्शन के नाम पर चार बिंदुओं की दो आरटीआई की जानकारी पिछले 47 दिन बीतने के बाद भी नहीं दी गई। जबकि 16 अप्रैल को सूचना के अधिकार का आवेदन संकुल कार्यालय में जमा किया गया था। आईटीआई कार्यकर्ता प्रदीप मिश्रा ने 16 अप्रैल 2025 को सम्पूर्ण केंद्र शिवराजपुर में आवेदन किया था और जानकारी मांगी थी कि संकुल प्राचार्य द्वारा किए गए सभी प्रकार के भुगतानों की सत्यापित प्रतिलिपि बिल वाउचर सहित प्रदान की जाए ।तथा दूसरे बिंदु में उन्होंने प्राचार्य के द्वारा स्वीकृत कराए गए अवकाशों के संबंध में जानकारी चाही थी। इन जानकारियों को उपलब्ध कराने में प्राचार्य पता नहीं क्यों घबरा रहे हैं और वह किसी प्रकार से वक्त जाया कर आरटीआई कार्यकर्ता को जानकारी देने से बच रहे हैं। निर्धारित अभिव्यता के बाद जब आरटीआई कार्यकर्ता ने प्राचार्य से मिलकर जानकारी देने को कहा तो उन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि वरिष्ठ कार्यालय से मार्गदर्शन मिलने के बाद जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

क्या कहता है नियम : आरटीआई ;सूचना का अधिकारद्ध अधिनियम के तहतए लोक सूचना अधिकारी को आरटीआई आवेदन की प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर सूचना प्रदान करनी होती है। यदि जानकारी किसी व्यक्ति के जीवन या स्वतंत्रता से संबंधित हैए तो यह जानकारी 48 घंटों के भीतर देनी होती है। यदि पीआईओ को जानकारी प्रदान करने में 30 दिनों से अधिक समय की आवश्यकता होती है तो वह 30 दिनों के भीतर एक कारण बता सकता है और 15 दिनों का अतिरिक्त समय ले सकता है। लेकिन यहां न तो कारण बताया गया और न कोई पत्राचार किया गया।

पैथालॉजी में कुछ महीनों से नहीं हो रही जांच, खुद बीमार

जागरण, उचेहरा। सरकार द्वारा आम जनो को निः शुल्क सुविधा देने के लिए सतत प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक सेंट्रल पैथालाजी लैब इन दिनो खुद बीमार चल रहा है इसके कारण नकरीब दर्जन भर जांच इस लैब में महीने भर से नही हो पा रही इसकी थोड़ा वजह भी जान लीजिये प्रबन्धन और लैब संचालक के बीच सही कम्युनिकेशन का न होना जिससेजरुरत मंद मरीजो को बाहर के जांच कराने मजबूर होना पड़ रहा है। हासिल जानकारी अनुसार हॉस्पिटल कैम्पस में चल रही सेन्ट्रल पैथालाजी लैंब का संचालन जो हो रहा है उसका पूरा देख रेख एजांच ठेके में किसी एजेंसी के द्वारा किया जा रहा है वही लैब टेक्नीशियन से मिली जानकारी अनुसार लैब में जो एसी लगा है उसकी देख रेख एमरमत शासन द्वारा करानी है एकाबीलेगौर हैं कि महीने भर से एसी बिगड़े होने के कारण करीब दर्जन भर सेअधिक जांच नही हो पा रही जिसके कारण प्रतिदिन कितने मरिजों को कुछ जांचों को बाहर के पैथालाजी से कराने जाने से मरीजो को मोटी रकम खर्च करनी पड़ रही है इस कारण से सरकार की इस योजना में पानी फ़िर रहा है समय पर जरुरतमंदो को लाभ नही मिल पा रहा ।मौके पर तरंग हॉउस के राम टहल ने बताया कि जब वह कुछ जरुरी जांच इस कराने इस पैथालॉजी में गये तो इन्हें सीधे कह दिया गया कि यहां का एसी खराब है इसलिए कुछ जांचों में मसीन को एक निश्चित तापमान की जरूरत होती है इसलिए कुछ जांच नही हो पाएंगी ए उसी समय उदेश ताम्रकार भी कुछ जांच कराने लैब गये तो उनको भी यही जबाब मिला अब यहां एक सवाल यह है कि ब्लाक के इकलौते अस्पताल का जब खुद यह लैब महीनों से बीमार है तो इसका आखिर इलाज़ कब तक मे और कहां ।

इनका कहना : इस सम्बंध में लैब टेक्नीसीयन **नरेंद्र सिंह** का कहना है कि लैब में जो एसी लगा है वह काफ़ी समय से बिगड़ा हैं इसके सुधरवाने के लिए एसी के मिस्त्री को बोल दिया गया है ।
वही सवाल के जबाब में बी एम डॉ ए के राय ने कहा कि लैब टेक्नीसियन द्वारा लिखित रुप से न ही मौखिक रूप से हमे कोई जानकारी नही दी ए आज जानकारी मिली है जल्द ही बिगड़े एसी को सुधरवाने प्रयास किया जाएगा जिससे मरीजो की आवश्यक जांच हो सके ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषक संगोष्ठी सम्पन्न

सतना। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मैहर जिले के ग्राम पंचायत सोनवारी, डेलहा एवं हरदासपुर में सोमवार को किसान संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक, उपसंचालक पशुपालन, कृषि, उद्यान, फ़सल बीमा के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को मिट्टी नमूना, नरवाई प्रबंधन से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में ड्रोन का प्रदर्शन किसानों के समक्ष खेत में किया गया।

आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर रेडी टू इट का वितरण

जागरण, सतना। ग्रीष्मकाल में आंगनवाडी केन्द्रों में नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले 3 से 6 वर्ष एवं आंगनवाडी के अन्य हितग्राहियों के लिए 1 से 15 जून तक अवकाश संबंधी निर्देश जारी किये गये है। इस दौरान आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा घर-घर जाकर 12 दिन का पूरक पोषण आहार रेडी टू इट वितरित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मैहर राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि केन्द्र में दर्ज 3-6 वर्ष के बच्चे को 12 दिन के लिए 1800 ग्राम, 6 माह से 5 वर्ष के सैम बच्चों को 12 दिन के लिए 1140 ग्राम, 6 माह 3 वर्ष के बच्चों के लिए 2 दिन 300 ग्राम तथा गर्भवती/धात्री माताओं को 2 दिन के लिए 328 ग्राम रेडी टू इट की मात्रा वितरित की जा रही है।

डॉ रश्मि सिंह के मुख्यातिथ्य में हुआ फाइनल मुकाबला

जागरण, नागौद । झिंगोदर करीमाटी मे बिरसा मुंडा क्रिकेट मैच के फ़ाइनल मुकाबला की मुख्यातिथि डॉण् रश्मि सिंह रही फ़इनल मुकाबला मेजबान टीम झिंगोदर और नचने टीम के बीच खेला गया जिसमे नचने टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 142 रनो का लक्ष्य झिंगोदर टीम को दिया। झिंगोदर टीम अपने लक्ष्य का पीछा करते करते आल आउट हो गई नचने टीम ने जबरजस्त पारी का प्रदर्शन करते हुए मेजवान टीम झिंगोदर को पराजित कर दिया द्य मुख्यातिथि डॉण् रश्मि सिंह ने फ़इनल मैच को सम्बोधित करते उन्होंने नशे को विनाश की जड़ बताते हुए सभी से एकजुट होकर गांव सहित पूरे भारत देश को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। और साथ में कहा कि किसी भी खेल को सहिष्णुता धैर्य और साहस के साथ खेलना चाहिए। इससे सामूहिक सद्भावना के साथ आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है। अंत में मुख्य अतिथि के द्वारा विजेता टीम के खिलाड़ी को ष्मैन ऑफ द मैचष् पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से मनीष पाठक,अनुराग सिंह, राजललन कोल, छेदी कोल , ध्रुव करण, राहुल, भागचंद, गोलू, भरतलाल, शिवकुमार, रामकिशोर, हेतलाल, लवकुश, बिटलू, देवलाल, बाली आदि उपस्थित रहे।

विट्स के छात्रों का एनपीटीईएल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

जागरण, सतना। विट्स महाविद्यालय सदैव ही उत्कृष्ट शिक्षा के प्रति कटिबद्ध रहा है। निरंतर ही महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कीर्तिमान स्थापित करते रहे हैं। कम्प्यूटर साईंस डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ के पी त्रिपाठी ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नालॉजी एनहांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) द्वारा आयोजित परीक्षा में जनवरी-जून 2025 सत्र में कम्प्यूटर साईंस एण्ड इंजीनियरिंग संकाय के छात्रों अमन त्रिपाठी ने फ़ंडामेंटल्स ऑफ ऑब्जेक्ट ओरिऐंटेड प्रोग्रामिंग में 94 परसेंट के साथ टॉपर 1 केटेगरी, भूमि अग्रवाल 81 परसेंट, अभय तिवारी 70 परसेंट, अंकित पाल, क्लाउड कम्प्यूटिंग में 65 परसेंट, मुस्कान जैसवाल 68 परसेंट, राकेश रैकवार, प्रोग्रामिंग इन जावा में 72 परसेंट, दीक्षा सिंह क्रिप्टोग्रैफी एण्ड नेटवर्क सिक्योरिटी में 63 परसेंट, आरजू सिंह सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में 62 परसेंट, रिद्धिमा सिंह परिहार डेटा साईंस फॉर इंजीनियर्स में 60 परसेंट, अंजली मिश्रा 63 परसेंट, काजल सिंह, कम्पाइलर डिजाइन में 60 परसेंट, श्रेया शाह, 75 परसेंट के साथ इलाइट केटेगरी में रहे। इसी क्रम में जुलाई-दिसम्बर 2024 सत्र में आयोजित परीक्षा में कम्प्यूटर साईंस एण्ड इंजीनियरिंग संकाय के 30 छात्रों ने ऑपरेटिंग सिस्टम फ़ण्डामेंटल, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा स्ट्रक्चर एण्ड एलगोरिथम्स, गूगल क्लाउड कम्प्यूटिंग फ़ाउडेशन, प्रोग्रामिंग इन जावा, प्रोग्रामिंग इन मार्डन सी प्लस प्लस, थ्योरी ऑफ कम्प्यूटर साईंस, सायबर सीक्यूरिटी एण्ड प्राइवेसी जैसे विषयों पर सर्टीफ़िकेशन कोर्सेस पूर्ण किया जिसमें आदर्श सिंह बघेल व भूमि अग्रवाल नेशनल टॉपर 1 परसेंट केटेगरी, रानी सोनी नेशनल टॉपर 2 परसेंट केटेगरी, सृष्टि त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, नितीश शर्मा, आकांक्षा मिश्रा, मनीषा शुक्ला नेशनल टॉपर 5 परसेंट केटेगरी पर रहे।

गुड़ पानी सेवा के 1 माह पूरा होने पर प्याऊ में राहगीरों को पिलाया गया जलजीरा

जागरण, सतना। त्रिमूर्ति सेवा समिति पीएम आवास कालोनी उतैली द्वारा स्मार्ट सिटी चौराहे में संचालित गुड.पानी सेवा के 1 माह पूरा होने के उपलक्ष्य में रविवार को वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता.राजेंद्र कुशवाहा की उपस्थिति में राहगीरों को गुड़ और ठंडा पानी के साथ.साथ जल.जीरा का निःशुल्क वितरण किया गया। तपती धूप में मैहर बाईपास से गुजरने वाली बसए ट्रकए ऑटो रिक्शा, कार और दुपहिया गाड़ियों में सवार बड़ी संख्या में लोगों ने अपना वाहन रोककर प्याऊ में शुद्ध देशी मसाले से निर्मित जल.जीरा और गुड.पानी दोनों का जमकर लुफ्त उठाया। सभी ने सार्वजनिक सहयोग से त्रिमूर्ति सेवा समिति द्वारा संचालित प्याऊ की सेवा. भावना और जल.जीरा के स्वाद की सराहना की। इस मौके पर प्रेम नारायण शुक्ला,बाबूलाल मिश्रा,समिति के अध्यक्ष रामनयन सिंह, उपाध्यक्ष अरुणेंद्र गुप्ता,सचिव उमेश द्विवेदी, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी, सह सचिव आर डी सेन,महामंत्री अरुण महतो,राजनारायण शुक्ला,रामनरेश शर्मा, शिवराज दहिया,मोहम्मद साजिद, संजीव सिंह,पवन सिंह परिहार,प्रदीप श्रीवास्तव, लक्ष्मी सोनी,दीपू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कालोनी वासी उपस्थित रहे।

नदियों के तट पर आयोजित उत्सव राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हैं : दधीचि

जागरण, रीवा। पवित्र नदियों के तट पर आयोजित होने वाले मेले व महोत्सव हमारे मेल मिलाप का माध्यम तो होते ही हैं, साथ ही ये हमारी सामाजिक व राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत करते हैं, यह बात सनातन धर्म सभा,जम्मू कश्मीर के प्रांतीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जम्मू कश्मीर प्रान्त के पूर्व प्रान्त कार्यवाह पुरुषोत्तम दधीचि ने भारतीय सिन्धु सभा द्वारा आयोजित सिन्धु दर्शन यात्रा 2025 के शुभारंभ अवसर पर कही। जम्मू के गुम्मट चौक से यात्रियों को रवाना करने से पूर्व उन्होंने विधिवत पूजन अर्चन किया और नारियल फोड़कर यात्रियों व आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं जो इस पवित्र यात्रा में सहभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर भारतीय सिन्धु सभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश वाधवानी ने कहा कि यह यात्रा राष्ट्रीय गौरव तथा स्वाभिमान का प्रतीक है और जिस पवित्र उद्देश्य के साथ इसे आरंभ किया गया था, उस उद्देश्य की पूर्ति में यह वर्ष-प्रतिवर्ष निरन्तर सफल हो रही है। राष्ट्रीय संयोजक सुरेन्द्र लछवानी ने बताया यात्रा के शुभारंभ पर यात्रियों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत तथा भारत माता की जय के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। यात्रा का समापन 12 जून को होगा, इसके पूर्व 6 जून को लेह-लद्दाख स्थित पवित्र सिन्धु तट पर मुख्य आयोजन होगा। इस दौरान भारतीय सिन्धु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश लखवानी, सिन्धु दर्शन यात्रा विभाग के राष्ट्रीय संयोजक सुरेन्द्र लछवानी, भारतीय सिन्धु सभा मध्यप्रदेश की युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज पंजवानी, महाराष्ट्र के प्रदेश मंत्री दिनेश दोदानी, कांति पटेल,नमोश तलरेजा, कैलाश खत्री,राजू बालानी, मूलचंद बसंतानी, कमलेश सचदेव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

परीक्षा के लिए लगेंगी विशेष कक्षाएं

जागरण, रीवा। शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसके लिए संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल को पत्र लिखकर निर्देश जारी किए गए हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत उत्तीर्ण विद्यार्थियों की द्वितीय बोर्ड परीक्षा 17 जून से प्रारंभ होगी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ-साथ श्रेणी सुधार के लिए विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किए जा रहे हैं। ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध कराई गई। अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। इसी के साथ प्राचार्य विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा कर उनके कठिन बिन्दुओं के संबंध में विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनाएंगे। 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए शालाओं में प्रातः 10.30 बजे से कक्षाएं संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जाएगी।

सुदीप पाण्डेय बने मप्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष

रीवा। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ संभाग इकाई रीवा का निर्वाचन द वण्डर पब्लिक स्कूल में निर्वाचन अधिकारी राजीव शर्मा पर्यवेक्षक, गणेश शंकर गर्ग, संभागीय संयोजक रामकृष्ण तिवारी, प्रान्तीय प्रमुख संस्कृत प्रकोष्ठ डॉ.कौशलेन्द्र मणि त्रिपाठी, संभागीय संगठन मंत्री रमेश शर्मा एवं जिला संगठन मंत्री रीवा विजय कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सभी पदो के लिए एक-एक ही नामांकन फार्म प्राप्त होने से सभी पदों में निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष सुदीप कुमार पाण्डेय रीवा, सचिव देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा मऊगंज, कोषाध्यक्ष अर्जुन सिंह सीधी, उपाध्यक्ष जय सिंह मैहर, सह सचिव श्री कुमार बंसल सिंगरौली, कार्यकारणी सदस्य में दिलीप कुमार साकेत रीवा, एवं मनोनीत सदस्य के रूप में सविता मिश्रा रीवा, निर्मला गोटिया निर्वाचित घोषित किये गये।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी गई जानकारी

जागरण, सतना। खरीफ सीजन को दृष्टिगत रखते हुये कृषक हितार्थ योजनाओं, सामयिक तकनीकी जानकारी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, धान की सीधी बुवाई, प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना में अऋणी कृषकों को जोड़ने, प्राकृतिक खेती, फ़सल विविधीकरण, कृषि मशीनरी एवं ड्रोन का जीवंत प्रदर्शन, उद्यानिकी, पशुपालन विभाग की जानकारी दी गई। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के पांचवे दिन सोमवार को प्रत्येक विकासखण्ड के 03-03 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम अनुसार जनप्रतिनिधियों, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों, कृषि एवं एलाइड विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक की उपस्थिति में आयोजन किया। जिसमें सोहावल विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मदनी, पोडी, रायपुर, विकासखण्ड रामपुर बाघेलान के ग्राम पंचायत लौलाछ, ठठौरा, गोलहटा, विकासखण्ड मझगवां के ग्राम पंचायत झरी, नकैला, साडा, विकासखण्ड नागौद के ग्राम पंचायत उमरिहा, जसो, खमरेही, विकासखण्ड उचेहरा के ग्राम पंचायत बडखुरा, बाबूपुर, अतरहार, विकासखण्ड अमरपाटन के ग्राम पंचायत मुकुन्दपुर, धोबहट, आमीन ग्राम पंचायत, विकासखण्ड मैहर के ग्राम पंचायत सोनवारी, हरदासपुर, डेल्हा, विकासखण्ड रामनगर के मिरगौती, हरदुआ, चंदवार ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

सतना। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (नगरीय) सतना राहुल सिलाडिया द्वारा आदेशानुसार नीमी स्थित नहर में डूबने से मृत्यु होने पर 2 व्यक्तियों पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेशानुसार निवासी पुष्टौंधी रावेन्द्र सिंह के पिता अनुराग सिंह एवं निवासी मुख्त्यारगंज सतना अरूण कुमार पाण्डेय के पिता विकास पाण्डेय की नीमी स्थित नहर में डूबने से मृत्यु होने पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कार्यालय प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय रामपुर बाघेलान जिला सतना म.प्र.

क्रमांक /209 सतना दिनांक 02. 06. 2025

क्रीड़ा सामग्री क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रण

शासन से प्राप्त बजट से महाविद्यालय में क्रीडा सामग्री क्रय करने हेतु भाव पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा सील बंद लिफ़फे में पंजीकृत डाक से या स्वयं उपस्थित होकर दिनांक 17.06. 2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में समय 05: 00 बजे तक जमा करें अथवा पहुँच जाना चाहिये। इच्छुक निविदाकर्ता निविदा की विस्तृत शर्त, नियम तथा सामग्री से संबंधित जानकारी अंतिम दिवस से पूर्व किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय से अथवा महाविद्यालय की मेल आईवी hegcbhasast@mp.gov.in पद पर अनुरोध कर प्राप्त कर सकते हैं।

(डी.पी. तिवारी) प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय रामपुर बाघेलान जिला सतना (म0प्र0)

1857 की क्रांति की मशाल जलाने वाले सतपुड़ा के पराक्रमी सपूत भभूत सिंह

के अमर बलिदान और शौर्य को समर्पित उनकी कर्मस्थली में

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

3 जून, 2025 | अपराह्न 2:00 बजे | राजभवन, पचमढ़ी

"पचमढ़ी नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध और प्रदेश का सर्वाधिक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल होने के साथ अतीत में आदिवासी समाज के बलिदान की दृष्टि से एक प्रमुख स्थल रहा है। तात्या टोपे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राजा भभूत सिंह ने आज़ादी की जंग में वीरता का प्रदर्शन किया। भभूत सिंह में शिवाजी महाराज की छवि दिखायी देती थी। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए पचमढ़ी में मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक का आयोजन राजा भभूत सिंह के गौरवशाली योगदान को जनमानस के समक्ष लाने का प्रयास है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जनजातीय संस्कृति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश

- प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा नियम लागू
- जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए धरती-आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक उत्थान एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को मिल रही है गति
- जनजातीय बहुल दूरस्थ क्षेत्रों के 21 जिलों में पीएम जन-मन योजना अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से सीधे जनजातीय ग्रामों तक पहुंच रहा राशन। स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिल रहा रोज़गार
- विशेष पिछड़ी जनजाति युवाओं को सेना, अर्द्ध-सैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन का गठन
- तेंदूपत्ता संग्रहण का पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर ₹ 4000 प्रति बोरा किया गया
- शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025 D-11036/25 मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

तीन करोड़ के गांजा जब्ती मामले में 10 दिन बाद मिली पुलिस को सफलता

जागरण, गोहपारू

विगत दिनों गोहपारू समीपवर्ती थाना जयसिंहनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम गिरुई खुर्द के जंगल से लगे खेत पर 19 मई 2025 को जब्त कर तीन करोड़ क़ीमत के लगभग का गांजा जब्त कर पुलिस ने आरोपित पुलिस पकड़ से बाहर थे। जब्ती के 11 दिन बाद पुलिस ने दो आरोपियों के पकड़ने में सफलता पाई है, जिनमें गोल्हई उर्फ कन्हैयालाल गुप्ता निवासी ब्योहारी एवं राजेश तिवारी उर्फ राजू निवासी टिहकी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस के बताए अनुसार कि दो आरोपी जों गांजा तस्करी कर रहे थे व जिस खेत में गांजा गिराया गया था वह आरोपित राजेश तिवारी का होना बताया गया है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 19 मई को थाना जयसिंहनगर में सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गिरुई खुर्द के जंगल से लगे एक खेत में बनी झोपड़ी के सामने सफेद रंग की कई बोरियों में गांजा छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां सफेद रंग की बोरियों में संदिग्ध लावारिस हालत में मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने प्रारम्भिक जांच में 121 बोरियों में 38 क्विंटल 26 किलो 100 ग्राम के लगभग गांजा प्राप्त हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत तीन करोड़ छः लाख आठ हजार के लगभग की आंकी गई।जिस पर जयसिंहनगर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध अपराध कायम कर धारा एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और लगातार 10 दिन जांच कर रही। विवेचना के दौरान जिले में सक्रिय गांजा तस्करो की पूछताछ करने के साथ संदेहियों को चिन्हित कर उनकी भूमिका का बारीकी से जांच की गई।दो दर्जन से अधिक संदेहियों से पूछताछ की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में मिले तत्थो के आधार पर आरोपी गोल्हई उर्फ कन्हैयालाल गुप्ता निवासी ब्योहारी एवं राजेश तिवारी उर्फ राजू निवासी टिहकी को गिरफ्तार किया गया। आरोपित से अवैध गांजा के संबंध में पुलिस ने पूछताछ कर रही है। यदि संलिप्त होंगे तो उन्हें भी गिरफ्तार कर कार्यवाही की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एसडीओपी ब्यौहारी रबि प्रकाश कोल निरीक्षक राजकुमार मिश्रा सीधी निरीक्षक अजय कुमार बैंगा थाना प्रभारी जयसिंहनगर सउनि महेश झा देवलोंद आरक्षक सुजीत सिंह जयसिंहनगर एवं आरक्षक चित्रांशु ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई। पुलिस के बताए अनुसार आरोपित राजेश तिवारी को तपोवन ढाबा से पकड़ा है और गोल्हई उर्फ कन्हैयालाल गुप्ता की गिरफ्तारी जयसिंहनगर से हुई है। पुलिस ने पूछताछ में बताया कि गांजा ट्रक में लाया गया था और यहां अलग अलग स्थानों में भेजने की तैयारी थी, लेकिन पुलिस ने पुराने रिकार्ड के आधार पर पुलिस इन तक पहुंचीं और राज खुल गया। हालांकि अभी भी इस मामले में कई आरोपित के मिलने की संभावनाएं हैं। पुलिस ने बताया कि आगे के जांच तथ्यों के आधार पर कार्यवाही की जाएंगी।

सेहरा बंधन से पहले दूल्हे की सड़क हादसे में मौत

ट्रक की टक्कर से हुई मौत, एक घायल

जागरण, रीवा। बारात तैयार थी। बस दूल्हे का इंतजार था। दूल्हा सजकर घर और सेहरा बांध कर बारात चले लेकिन ऐसा नहीं हो पाए बारात रवानगी से पहले दूल्हे की सड़क दुर्घटना में मौत की समाचार आ गई। जहां शहनाई बज रही थी वहां चीख पुकार मच गई। यह वाक्या जिले के गढ़ थाना के कटरा बाजार के पास का सामने आया है जिसमें सेहरा बंधने से पहले दूल्हे की मौत हो गई। बताया गया है कि दूल्हा व एक अन्य युवक कटरा बाजार से बाइक से वापस लौट रहे, जिन्हें ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हे की की मौत हो गई जबकि एक घायल हुआ। जिसका उपचार संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बाइक सवार दूल्हा अपने एक साथी के साथ कटरा बाजार से कपड़े में प्रेस कराकर वापस लौट रहा था, जैसे वह वह तुलसी नगर के पास पहुंचा पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना दोपहर लगभग 3.30 बजे की बताई गई है। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार रजनीश साकेत पिता जगदीश साकेत 22 वर्ष निवासी कलवारी सड़क पर दूर जा गिरा। सूचना के बाद मौके पर पहुंची डायल 100 पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत रजनीश को मृत घोषित कर दिया। विवाह की तैयारियों के बीच दूल्हे रजनीश की मौत के बाद शादी का घर देखते ही देखते शोक स्थल में तब्दील हो गया। इस सड़क हादसे में सुरेश साकेत पिता मोतीलाल साकेत 20 वर्ष को गंभीर चोट आई है, जिसे संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत भी नाजुक बनी हुई है। गढ़ पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है, साथ दुर्घटना कारित करने वाले ट्रक को जब्त कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

एंबुलेंस नहीं पहुंची तो देवदूत बनकर सामने आईं रीवा की बेटियां

घायल महिला और उसके दमाद को पहुंचाया अस्पताल

जागरण, रीवा। शहर में बोदाबाग हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास रविवार को एक अज्ञात बाइक ने दूसरी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार एक महिला व युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां से गुजर रही दो लड़कियों की नजर घायलों पर गई और उन्होंने तत्काल 108 एंबुलेंस को फोन किया। लेकिन जब एंबुलेंस आने में देरी हुई तो वे घायलों को ऑटो में बैठाकर उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले गईं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बाइक से सास और दामाद बोदाबाग से चिरहुला कॉलोनी जा रहे थे। तभी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मोड़ पर जैसे ही पहुंचे उन्हें अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सास और दामाद सड़क पर गिर गए। घटना में बाइक सवार प्रकाश शुक्ला का पैर फैक्चर हो गया और महिला शशि अग्निहोत्री को गंभीर चोट पहुंची । घटना के बाद आसपास कोई भी व्यक्ति मदद के लिए नहीं आया लेकिन वहां से गुजर रहीं दो बेटियां देवदूत बनकर पहुंची और 108 को फोन लगाया। जब एंबुलेंस नहीं आई तो मदद के लिए आई शिखा सिंह ने घायलों को ऑटो से संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया और उनके परिजनों को सूचना दी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग क्र. 01 रीवा

दूरभाष (फोन) 07662–297030

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 02/2025–26

क्रमांक 245 /ग्रा.यां.से./2025 — रीवा, दिनांक 28.05.2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से Cover-3 (तीन लिफाफा पद्वति) राशि रू. 50 लाख से अधिक एवं Cover-2 (दो लिफाफा पद्वति) राशि रू. 50 लाख तक के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी. नम्बर	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	निर्माण कार्यो की अनुमानित लागत (लाख)	रिमार्क
1	संभाग क्र. 01 रीवा	2025_RES_427387	अतिरिक्त कक्ष हाई स्कूल सिलपरा का बैलेन्स वर्क	01	9.06	प्रथम
2	संभाग क्र. 01 रीवा	2025_RES_427388	अतिरिक्त कक्ष हाई स्कूल मझियार का बैलेन्स वर्क	01	6.53	प्रथम
			कुल योग :-		15.59	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 30.05.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 06.06.2025 समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। रूपये 50.00 लाख के अन्दर तक के कार्य की निविदा कवर "अ" (Cover-1), एवं "स" (Cover-3) तथा रूपये 50.00 लाख एवं अधिक तक के कार्य की निविदा कवर "अ" (Cover-1), "ब" (Cover-2) एवं "स" (Cover-3) ऑनलाइन ही जमा/अपलोड (Submit) करने होगें। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाए केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र विड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग क्र. 01 रीवा

जी–13755/25

दो बाइकों में आमने-सामने जोरदार टक्कर, 4 घायल

रीवा। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के रामनई के समीप रविवार दोपहर दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में चार घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक एक बाइक में दो लोग सवार थे जबकि दूसरी बाइक में तीन लोग थे, जैसे ही रामनई के समीप दोनों बाइक सवार पहुंचे उनमें सीधी टक्कर हो गई। घायलों में सुभाष कुशवाहा निवासी अमरपाटन जिला मैहर, पंकज कुशवाह निवासी रामपुर नैकिन जिला सीधी, सत्यम सोधिया निवासी रायपुर कर्चुलियान और मोहन विश्वकर्मा निवासी रतहरा शामिल हैं। बताया गया है कि रामनई के समीप क्रॉसिंग के पास यह घटना हुई है।

5 जून को सीएम का सम्मान करेगा लिपिक कर्मचारी संघ

रीवा। आगामी 5 जून को मध्यप्रदेश प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ उज्जैन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का सम्मान करेगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए संघ के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष संतोष तिवारी ने बताया कि सीएम के सम्मान समारोह में प्रदेश के हर जिले से लिपिक शामिल होंगे, जो अपनी लंबित मांगों के समर्थन में एकजुट होकर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण कराते हुए सम्मान समारोह में सहभागिता निभायेंगे। यह कार्यक्रम संघ के संगठन के संरक्षक एमपी द्विवेदी के मार्गदर्शन में चलेगा। जिसमें सहयोगी भूमिका में राकेश हजारी, प्रदेशाध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष संतोष शुक्ला, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष संजय दुबे, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष संतोष तिवारी। प्रांतीय कोषाध्यक्ष किशन सिंह चौहान, प्रांतीय प्रवक्ता अरुण शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों की रहेगी।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)

भवन हस्तानान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बोदाबाग हाउसिंग बोर्ड कालोनी रीवा में आवंटित एल.आई.जी. भवन क्र. 99 के मूल आवंटी श्री ददन सिंह बघेल पित्ता श्री रामप्रताप सिंह, पता 777 वार्ड नं. 07 बोदा मार्ग सिविल लाइन्स रीवा, तहसील हुजूर नगर जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा उक्त आवंटित एल.आई.जी. भवन क्र. 99 हाउसिंग बोर्ड बोदाबाग कालोनी रीवा का हस्तानान्तरण श्रीमती दुर्गा सिंह पति श्री पुष्पेन्द्र सिंह, निवासी– प्लाट नं. 160 स्कीम नं. 14 घड़ी चौक के पास विजय नगर जबलपुर, जिला जबलपुर (म.प्र.) के नाम करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 02.06.2025 को आवेदन पत्र संयुक्त शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया हैं। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो अथवा उक्त भवन को मूल आवंटी द्वारा किसी व्यक्ति अथवा संस्था को रहन दान विक्रय आदि किया गया हो तो समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रमाण के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा निर्धारण तिथि व्यतीत हो जाने के बाद कोई आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं होगा एवं भवन का हस्तान्तरण श्रीमती दुर्गा सिंह पति श्री पुष्पेन्द्र सिंह के नाम पर कर दिया जावेगा।

(दीपेश रत्नाकर)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एंव अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म0प्र0)

RN- 82615

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)

भवन हस्तानान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बोदाबाग हाउसिंग बोर्ड कालोनी रीवा में एफ ब्लाक में आवंटित भवन क्र. 09 के मूल आवंटी श्री नन्दलाल तिवारी पिता स्व. श्री चन्द्रशेखर तिवारी, पता ग्राम छोटी कुइंया खुर्द, पोस्ट बडी कुइंया कला, तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा उक्त आवंटित भवन क्र. एफ – 09 हाउसिंग बोर्ड बोदाबाग कालोनी रीवा का हस्तानान्तरण श्री अब्दुल नजीब खॉन पिता श्री अब्दुल मुजीब खॉन, निवासी – ए/ब्लाक– भवन क्र. 08 हाउसिंग बोर्ड बोदाबाग कालोनी रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) के नाम करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 30.05.2025 को आवेदन पत्र संयुक्त शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया हैं। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो अथवा उक्त भवन को मूल आवंटी द्वारा किसी व्यक्ति अथवा संस्था को रहन दान विक्रय आदि किया गया हो तो समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रमाण के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा निर्धारण तिथि व्यतीत हो जाने के बाद कोई आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं होगा एवं भवन का हस्तान्तरण श्री अब्दुल नजीब खॉन पिता श्री अब्दुल मुजीब खॉन के नाम पर कर दिया जावेगा।

(दीपेश रत्नाकर)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एंव अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म0प्र0)

RN- 82616

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी(म0प्र0)

सम्राट चौराहा के पास, ई–मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822–292508

निविदा सू0क0 03/नि.प्र./व.ले.लि./का0य0/लो0स्वा0यां0वि0/25–26 सीधी दिनांक 28.05.2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलााईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12.06.2025 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 14.06.2025 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- **Providing a complete utility vehicle for handpump maintanance (per thousand number of handpump)** विकासखण्ड सिहावल के ग्रामों में स्थापित निम्नानुसार स्थापित हैण्डपम्पों का संधारण कार्य की निविदा ।

S. N.	Tender ID	Block and HP No	Mo of Hand Pump	PAC(Rs. in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1	EE_PHED_427196_1	सिहावल सोननदी के उत्तरी भाग अमिलिया के उत्तर	1450	15.51	31020	2000	III Call
2	EE_PHED_427198_1	सिहावल सोननदी के उत्तरी भाग अमिलिया के दक्षिण	1350	14.44	28880	2000	III Call

कार्यापालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

जी–13724/25

गुमशुदा की तलाश

नाम चम्पा बंशल पिता सुमेश्वर बंशल उम्र 35 वर्ष हुलिया रंग गेहुआ, वदन हेल्दी कद ढिगना, लंबाई करीब 5 फिट 2 इंच बाल काले गर्दन तक। चेहरा गोल हरे–काले कलर की साड़ी, फूलदार लाल ब्लाउज पहने हैं। गले में काला धागा, काला चप्पल पहनी हुई है। दिमागी संतुलन ठीक नहीं है, जो दिनांक 22.05.2025 को शाम 4 बजे घर से लापता हैं। जिस किसी सज्जन को मिले या दिखे नीचे लिखे पते पर पहुंचाएं अथवा सूचित करें।

पता बताने वाले को 5000/- से पुरस्कृत किया जाएगा

पता- सुमेश्वर बंशल निवासीः कोष्टा पचपेढिया के पास, सुनील आटा चक्कीके पीछे, थाना रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म.प्र.)

RN-82269

मो.: 7773006266,8770559738,9893785841

दुकान एवं हाल किराये से देना है

हाल- 7500, 2000 एवं विभिन्न सइज के दुकान 12x25, 10x25 एवं विभिन्न साईज की।
पताः- समान तिराहा नया बस स्टैड रीवा
मो. 9424982753
9200290020

RN 82519/4/6

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

आस्ताना अस्तबल का 53वां उर्स मुबारक शुरू

रीवा। हजरत सूफी संत शहीद अब्दुल्लाह शाह रह.अ.आस्ताना अस्तबल वाले बाबा का 53 वां उर्स ए मुबारक धूमधाम के साथ सरपरस्त शहर काजी हाजी मुबारक अजहरी, मुस्लिम सोनू, एड.महमूद खांन लाला भाई, नजीर खांन, शहीद मिस्त्री के अगुवाई में मनाया जा रहा है। इंतजामिया कमेटी के आदिल भाई, डॉ.शानउल्ला बख्श, मो कामरान खांन, एड.अब्दुल सलाम, तस्निफुद्दीन मनिहार, हाजी हारून अंसारी, मो.रफीक अंसारी, मो.जमालुद्दीन मनिहार, मो.जावेद खांन, गोलू खान व शरीफ मंसूरी ने आम जनता से अपील की है कि उर्स ए मुबारक मौके पर तशरीफ लायें। कौमी एकता अस्तबल कमेटी के संयोजक गफूर ने बताया कि आज 2 जून बाद नमाज जौहर लंगर सायं 6 बजे जनानी मिलाद शरीफ का कार्यक्रम रखा गया। 3 जून को बाद नमाज जौहर लंगर का आयोजन होगा। रात्रि 9बजे से तकरीर नात व मिलाद शरीफका कार्यक्रम होगा। सायं 7 बजे मरहूम सफर मो.के बाड़े आस्ताना अस्तबल के लिए चल समारोह के साथ शाही चादर शरीफ गुड़हाई बाजार सिन्धी चौराहा, स्टेच्यू चौराहा, छोटी दरगाह होते हुए आस्ताना पहुंचेगी।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, तिलक नगर, वार्ड नं. 11, खुटेही
कार्यालय जनपद पंचायत के पीछे, सिरमौर रोड, रीवा (म.प्र.), फोन - 9425601523/9340714903

पत्र क्र. 457/तशा./परि.यं./म.प्र.पु.आ.अधो.वि.नि./2025 — रीवा, दिनांक : 02.06.2025

संक्षिप्त नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय परियोजना यंत्री, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा के अंतर्गत जीर्ण-शीर्ण शासकीय पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण की अनुमति प्राप्त कर इन भवनों का ध्वस्तीकरण निम्न शर्तों के अनुसार किया जाना है। 1. भवन जो जैसी हालत में है, ध्वस्तीकरण कर सामग्री कार्यस्थल से कार्यादेश दिनांक से 7 दिवस के अन्दर उठाना अनिवार्य होगा। 7 दिवस के अंदर सामग्री नहीं उठाई गई तो उच्चतम बोलीकर्ता से 10 प्रतिशत उच्चतम बोली का प्रत्येक दिन के हिसाब से राशि वसूली की जावेगी। 2. बोली की राशि लिफाफा पद्धति से पंजीकृत डाक/स्वयं उपस्थित होकर **दिनांक 10.06.2025 को सायं 2 बजे तक** कार्यालय परियोजना यंत्री, मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा में प्राप्त की जावेगी। जिसके अंदर 2 लिफाफे होंगे। पहले लिफाफा में धरोहर राशि तथा दूसरे लिफाफा में बोली की राशि शब्दों एवं अंकों में उल्लेखित करना होगा। 3. धरोहर राशि जिसका ड्राफ्ट (धरोहर राशि) Project Engineer, MP Police Housing & Infra. Dev. Corp. Ltd. Rewa के नाम राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी बोलीकर्ता को जमा करना होगा। ड्राफ्ट निर्धारित राशि का होने पर ही प्राप्त बोली का लिफाफा दिनांक 10.06.2025 को सायं 4 बजे तक खोला जावेगा। 4. उच्चतम बोली की राशि उच्चतम बोलीकर्ता द्वारा जारी एकजाई रूप से कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा के नाम से 07 दिवस में जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा बोली निरस्त मानी जावेगी और धरोहर राशि राजसात की जावेगी। नीलामी संबंधी समस्त जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय से कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	शासकीय भवन का विवरण	न्यूनतम बोली (अपसेट प्राइस) की राशि	कोटेशन लिफाफा	कोटेशन जमा करने का स्थान	धरोहर राशि	कोटेशन प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हनुमना जिला मऊगंज में पुराने भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य।	2,07,000/-	पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर	कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा तिलकनगर वार्ड नं. 11 (खुटेही), कार्यालय जनपद पंचायत के पीछे, सिरमौर रोड रीवा (म.प्र.)	10,000/- रुपये	दिनांक 10.06.2025 सायं 2 बजे तक
2.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगेव जिला रीवा में पुराने भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य।	1,89,000/-	पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर	कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा तिलकनगर वार्ड नं. 11 (खुटेही), कार्यालय जनपद पंचायत के पीछे, सिरमौर रोड रीवा (म.प्र.)	10,000/- रुपये	दिनांक 10.06.2025 सायं 2 बजे तक
3.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नईगढ़ी जिला मऊगंज में पुराने भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य।	2,16,000/-	पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर	कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा तिलकनगर वार्ड नं. 11 (खुटेही), कार्यालय जनपद पंचायत के पीछे, सिरमौर रोड रीवा (म.प्र.)	10,000/- रुपये	दिनांक 10.06.2025 सायं 2 बजे तक

म.प्र. माध्यम/120390/2025 — परियोजना यंत्री

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)

No./6944/22/D-12/MPRRDA/2025 — Bhopal, Dated : 02.06.2025

NOTICE INVITING TENDER No. 1230 (PM-JANMAN) (Batch-V, Year-2024-25)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:-

- **Name of Work : Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**
- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.**
- **PM-JANMAN-Batch-V, Year-2024-25**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1.	Anuppur	7	33	59.28	326294500.00
2.	Ashoknagar	8	19	36.895	240596615.00
3.	Balaghat	5	24	39.37	239160000.00
4.	Chhindwara	9	23	63.245	405977000.00
5.	Datia	1	5	10.65	65710000.00
6.	Dindori	5	22	54.27	319191404.00
7.	Guna	3	7	14.22	91166543.00
8.	Gwalior	5	16	18.586	111060032.00
9.	Jabalpur	1	3	6.78	36440713.00
10.	Mandla	4	35	62.98	342438799.00
11.	Seoni	1	2	2.68	15049582.00
12.	Shahdol	1	2	3.76	24905861.00
13.	Sheopur	7	21	41.86	250633016.00
14.	Shivpuri	16	62	119.27	730705000.00
15.	Sidhi	14	33	73	457117000.00
16.	Singrauli	9	25	45.37	284709325.00
17.	Umaria	4	15	33.415	185813000.00
18.	Vidisha	9	30	53.36	336414000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **09.06.2025 (17:30 hrs.)** and Last Date for online bid submission is **02.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/120406/2025

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

तबादले को लेकर शुरू हुई जोर आजमाइश और दौड़धूप

जागरण तबादला

मनपसंदीदा क्षेत्र में जाने के लिए सक्रियता तेज

शिक्षा विभाग में सबसे ज्यादा तबादले के आवेदन

जागरण, सीधी

सीधी जिले में ट्रांसफर को लेकर सबसे ज्यादा जोर-आजमाइश शुरू है। अपने पसंदीदा क्षेत्र में ट्रांसफर कराने के लिए अधिकारी और कर्मचारी सबसे ज्यादा सक्रियता प्रदर्शित कर रहे हैं। वर्तमान में सांसद एवं विधायकों के यहां ट्रांसफर के इच्छुक नौकरशाहों की भीड़ सबसे ज्यादा लग रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ट्रांसफर की तारीख बढ़ाने से एक बार फिर विधायक, सांसद से लेकर मंत्री तक दौड़-धूप शुरू हो गयी। ट्रांसफर की तारीख बढने से फिर जोर अजमाइश शुरु हो चुकी है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत देते हुये तारीख को आगे बढ़ा दिया है। जिसके

तहत अब आवेदक 31 मई की बजाय 10 जून तक ट्रांसफर के लिये अप्लाई कर सकते हैं। सरकार ने यह फैसला ज्यादा संख्या में आये आवेदन के चलते लिया है। दरअसल पिछले 3 वर्षों से प्रदेश में तबादलों पर प्रतिबंध लगा हुआ था, इस वर्ष नयी तबादला नीति लागू होने के बाद पहली बार सभी विभागों में स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हुई है। जानकारों का कहना है कि सबसे ज्यादा संख्या में शिक्षा विभाग से स्थानांतरण के आवेदन आये हैं। इनमें कई शिक्षक जिले के अंदर तो कुछ जिले से बाहर भी स्थानांतरण कराने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगाये हुये हैं। चर्चा के दौरान स्थानांतरण के लिये इच्छुक एक शिक्षक ने कहा कि पिछले वर्ष विभाग ने बड़ी संख्या में प्रमोशन के बाद स्थानांतरण किये गये थे। इसी वजह से सीधी जिले के समीपी जिलों के कई शिक्षकों का स्थानांतरण प्राचार्य पद पर होने के बाद सीधी जिले के लिये हो गया है। ऐसे में प्रमोशन पाने वाले शिक्षक अब इस बात के लिये प्रयास कर रहे हैं कि उनका स्थानांतरण फिर से उनके गृह जिले में हो जाय। इसके बाद अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी जोर लगा रहे हैं कि उनका स्थानांतरण सुविधानुसार स्थान में हो जाय। स्थानांतरण के लिये काफी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी विधायकों एवं सांसद के पास भी प्रयास कर रहे हैं। कुछ अधिकारी और कर्मचारी तो मंत्री स्तर पर भी यह जोर लगा रहे हैं कि उनका स्थानांतरण पसंदीदा जगह में हो जाय। मलाईदार विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी स्थानांतरण को लेकर भोपाल तक दौड़ लगा रहे हैं। कुछ अधिकारी और कर्मचारी को सत्ता पक्ष के नेताओं के माध्यम से भी स्थानांतरण कराने के लिये प्रयास में जुटे हैं। यह दीगर बात है कि ट्रांसफर उसी अधिकारी एवं कर्मचारी का होगा जिसका प्रयास हर स्तर से जमाने के अनुसार सार्थक रहेगा। इसी वजह से ट्रांसफर के इच्छुक नौकरशाह सभी तरीके आजमाने में पीछे नजर नहीं आ रहे हैं।

महज 50 हजार ही होंगे तबादले

मध्यप्रदेश में स्थानांतरण के लिये डेढ़ लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुये हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से केवल 50 हजार कर्मचारियों के ही स्थानांतरण होंगे। स्थानांतरण के लिये प्रदेश सरकार द्वारा लक्ष्य निर्धारित कर देने के बाद से स्थानांतरण के लिये इच्छुक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानांतरण के लिये आवेदन करने के बाद अब संबंधित कई अधिकारी एवं कर्मचारी जोर आजमाइस में जुटे हुये हैं। उनके द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि पिछले तीन वर्ष से तबादलों पर लगा प्रतिबंध हटने के बाद उनका तबादला इस बार हर हाल में हो जाय।

पारदर्शी तरीके से होंगे तबादले

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा नयी तबादला नीति बनाने की मुख्य मंशा यह थी कि पारदर्शी तरीके से स्थानांतरण किये जाएं। नयी प्रक्रिया में कर्मचारियों के ट्रांसफर पारदर्शी और समयबद्ध होंगे। इसको लेकर भी सामान्य प्रशासन विभाग जल्द ही आदेश जारी करेगा। ट्रांसफर की तारीख पूर्व में 1 मई से 31 मई तक थी। जिसको अब बढ़ाकर 10 जून कर दिया गया है। ऐसे में जो अधिकारी और कर्मचारी अभी तक ट्रांसफर के लिये आवेदन नहीं किये थे उनको फिर मौका मिल चुका है। बताया गया है कि ट्रांसफर के लिये इच्छुक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या अधिकांश विभाग में काफी ज्यादा है।

संयुक्त टीम की जांच में अवैध उत्खनन में लगी पीसी मशीन जब्त

गोपद नदी से 1000 घन मीटर रेत चोरी का खुलासा

जागरण, सीधी

जिले के कुसमी क्षेत्र में संयुक्त टीम की जांच में एक पीसी मशीन जप्त हुई जबकि दो पीसी मशीने भागने में सफल रहीं। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने रविवार गोपद नदी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक चली। कार्रवाही में एक पीसी पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया गया, जबकि दो अन्य मशीनों के चालक चाबियां लेकर मौके से फरार हो गए। छापेमारी के दौरान लगभग 1000 घन मीटर अवैध रूप से निकाली गई रेत का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार सिंगरौली जिले की रेत खदान के लिए ठेका प्राप्त सहकार ग्लोबल कंपनी द्वारा सीधी जिले की सीमा में घुसकर अवैध उत्खनन किया जा रहा था। जबकि सीधी जिले की रेत खदान का मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण वहां किसी भी प्रकार की खुदाई प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कंपनी ने सिंगरौली से पोकलेन मशीन मंगवाकर सोमवार सुबह तक अवैध रेत निकासी की तैयारी कर ली थी। प्रशासन को जब इस अवैध गतिविधि की सूचना मिली तो कुसमी एसडीएम आरपी त्रिपाठी, तहसीलदार एकता शुक्ला, थाना प्रभारी भूपेश वैस और खनिज निरीक्षक शिशिर यादव के नेतृत्व में छापामार कार्रवाई की गई। टीम को मौके पर भारी मात्रा में अवैध रेत का उत्खनन होना और पीसी मशीन मिली। हालांकि दो मशीनों के चालक चाबी लेकर मौके से फरार हो गए। खनिज निरीक्षक शिशिर यादव ने बताया कि ठेकेदार ने सिंगरौली जिले के नाम पर सीधी जिले की सीमा में घुसकर एक हजार घन मीटर से अधिक रेत का अवैध उत्खनन किया है। इस गंभीर मामले में आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

शिकायतों का करें संतुष्टिपूर्ण निराकरण: कलेक्टर

जागरण, सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि मई-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करें। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने सीमांकन एवं भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने आरबीसी 6(4) के तहत राहत प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पहुंच विहीन ग्रामों में अगले चार माह का खाद्यान्न भंडारण करने के निर्देश दिए हैं।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के संबंध में बैठक आयोजित

कलेक्टर ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जागरण, सीधी

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होने ऐसी परिस्थितियों में लोगों के जीवन की रक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिला स्तर एवं खंड स्तर में बाढ़ कंट्रोल रूम बनाने तथा जानकारियों के संकलन एवं आदान-प्रदान के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले के विगत 5 वर्षों के अनुभव के आधार पर अतिवृष्टि के कारण बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उक्त क्षेत्रों में बाढ़ आने की स्थिति से निपटने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि राहत एवं बचाव के लिए सुनियोजित कार्य योजना तैयार करें तथा उसके विषय में संबंधित क्षेत्र के निवासियों को भी अवगत करायें। ऐसे क्षेत्र के ग्रामीण जनों को संभावित खतरों के विषय में जागरूक करें तथा उन्हें ऐसी परिस्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में भी अवगत करायें। कलेक्टर ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए स्थानीय स्तर पर दलों को बनाने के निर्देश दिए हैं जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के कुशल तैराकों एवं इच्छुक वालेंटियर्स को सम्मिलित किया जाए। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के बांधों विशेषकर बाणसागर एवं गुलाब सागर की स्थितियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि बांधों के भरने की स्थिति में गेट खोलने की आवश्यकता होगी ऐसे में निचले स्तर के ग्रामों तथा बसाहटों में पानी भरने की संभावना होगी। ऐसी बसाहटों की पहचान कर वहां के लिए कार्य योजना बनाए। गेट खोलने के पूर्व ग्रामवासियों को सूचना देने का तंत्र विकसित करें तथा उनके लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान करें। इसके साथ ही उन्होने सभी नहरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अतिवृष्टि के कारण जलमग्न होने वाली पुल, पुलियों एवं रपटों की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेन्सियों को ऐसे स्थानों पर चेतावनी चिन्ह लगाने के निर्देश दिए हैं तथा जलमग्न होने की स्थिति में बेरीकेटिंग कर आवागमन अवरूद्ध करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी स्थानों में बारिश के पूर्व नाले एवं नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही निचले स्थानों की पहचान कर वहां से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने होमगार्ड की टीम को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक उपकरणों की जांच कर उनका उचित रखरखाव करायें। साथ ही दलों का गठन कर उन्हें जिले के बाढ़ संभावित क्षेत्रों में डिप्लाय करें। दलों का प्रशिक्षण करायें तथा ग्रामवासियों को भी बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में अवगत करायें। बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, संयुक्त कलेक्टर एस. पी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, कुसमी एवं मझौली आरपी त्रिपाठी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर परिषद चुरहट में चालू की गई पानी सप्लाई

जागरण, सीधी। नगर परिषद चुरहट के सभी वार्ड में पानी की सप्लाई कई दिनों से बाधित थी, जिससे लोगों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ था। कारण यह था कि वार्ड क्रमांक 1 का बोर जिससे पानी की सप्लाई की जाती थी वह बोर भट् गया था। जिस दिक्कत को देखते हुए नगर परिषद ने चुरहट में तीन बोर करवाएं। 1 जून को दोपहर तक बोर कंप्लीट किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सीएमओ पार्षद व कर्मचारी की मेहनत रंग लाई और पानी की सप्लाई चालू होने की स्थिति में पहुंच गई, ज्ञात रहे बोर करते समय जो बोर धस गया था बगल के बोर होने से वह भी बोर चालू हो गया, जिसमे 22 हॉर्स पावर का मोटर डाला गया है। वहीं अब इस कार्य से अब चुरहट क्षेत्र के सभी वार्डों में पानी समय पर पहुंचाएगा। नगर परिषद द्वारा पानी टैंकर के माध्यम से घरों तक पानी भेजने का काम किया जा रहा था, लेकिन लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था। अब शाम तक पानी की सप्लाई सामान्य होने की उम्मीद है। वरिष्ठ मैकेनिक शरीफ खान ने अम्बुज तिवारी एवं मानिक लाल गुप्ता को बताया कि बोरिंग मशीन के माध्यम से बोर को साफ कराया गया और नया मोटर डाला जा रहा है। इससे पानी की सप्लाई में सुधार होगा और लोगों को पर्याप्त पानी मिलेगा।

सरस्वती विद्यालय मड़रिया में सम्मान समारोह आयोजित

जागरण, सीधी। सरस्वती उच्च माध्य विद्यालय मड़रिया सीधी में 2 जून को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आज विद्यालय में अपनी 58 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर चुके आचार्य रामायण सिंह का विदाई समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि रामायण सिंह परिहार, विद्यालय के अध्यक्ष व जिला सचिव विजय सिंह परिहार, व्यवस्थापक द्वारिका प्रसाद गुप्त, प्राचार्य राजकुमार सिंह एवं प्रधानाचार्य रामशिरोमणि शर्मा मंचासीन रहे। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय के व्यवस्थापक, अध्यक्ष तथा प्राचार्य के द्वारा श्री परिहार को तिलक लगाकर एवं श्रीफल तथा अंग वस्त्र उपहारस्वरूप देकर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के आचार्य यथा राकेश प्रसाद मिश्रा, अमृत लाल सोनी आदि के द्वारा इनके महत्व के बारे में प्रकाश डाला गया। प्राचार्य ने कहा कि रामायण सिंह के पास ज्ञान का इतना भंडार है कि जब कभी मैं उनसे किसी विषय पर तर्क करता था, तब वे चारों धाम की यात्रा कराते हुए अपने विषय वस्तु में पहुंचते थे। उन्होंने उनके अगली पाली के जीवन को सुख के साथ व्यतीत होने की शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में अध्यक्ष ने कहा कि अपने स्वजन के बिछोह का दु:ख होता है। लेकिन नियम के अनुसार सबको एक दिन जाना है। आपने विद्यालय को जो अमूल्य समय दिया है, उसके लिए बहुत बधाई और उम्मीद करता हूं कि आप हमेशा निरोगी जीवन जिएं। कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य बृहस्पति प्रसाद मिश्रा और आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्रधानाचार्य राम शिरोमणि शर्मा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य छविराज सिंह, कप्तान सिंह, राजेश शुक्ला, पुष्पेंद्र मिश्रा, श्रीमती संगीता सिंह, नमिता मिश्रा एवं अन्य सभी आचार्य और दीदियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें त्यौहार: अंशुमान

जागरण, सीधी। अपर कलेक्टर अंशुमन राज तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में दिनांक 7 जून को ईदुज्जुहा एवं 6 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्यौहार के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीधी को ईदगाह के आस-पास रोड, नाली की सफाई तथा रोड के किनारे लगे ठेला हटाने संबंधी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही छाया, वाहन पार्किंग एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ईदुज्जुहा त्यौहार पर बलि का अवशेष नाली में नहीं फेंका जाए इसके लिए नगर पालिका की गाड़ी सभी वार्डों में घुमाने के निर्देश दिए गए है।

लोकायुक्त के आदेश पर नहीं हुई कार्यवाही

जागरण, सीधी। लोकायुक्त के आदेश पर सीधी जिले में महीने भर बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं व्हिसल ब्लोअर वीरेन्द्र सिंह परिहार ने कहा है कि उनकी शिकायत पर लोकायुक्त संगठन में दर्ज प्रकरण क्रमांक/0200/ई/2024-25 में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा दिनांक 23 अप्रैल 2025 को आदेश पारित करते हुये लेख किया गया है कि वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लगभग 2 वर्षों तक जल संसाधन विभाग द्वारा 112 कार्य कराये गये। कार्यों में व्यय राशि के सम्बंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत न कराना, मनरेगा मस्टर सर्कुलर 2023 के प्रावधानों का पालन न करते हुये रूपये 1431.91 लाख रूपये की राशि का भुगतान करना, जल संसाधन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी एवं जिला/जनपद पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता है, जो पदीय दायित्वों के निर्वहन में गम्भीर अनियमितता व निष्ठा के प्रतिकूल होने से दण्डनीय है और शासन की राशि रूपये 1431.91 लाख रूपये का अपव्यय हुआ है। उक्त व्यय में मनरेगा पोर्टल पर तकनीकी सहयोग यूजर आईडी/पासवर्ड प्रदान करना, डीपीआर फ्रीज करना, जियो टैग एप्रूव करना इत्यादि सतेन्द्र पटेल एपीओ प्रभारी अधिकारी मनरेगा कुंअर बहादुर सिंह बीसीएस बीम प्रभारी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी, जागेश्वर झारिया सहायक लेखाधिकारी जनपद पंचायत कुसमी को दोषी पाये जाने से सम्बन्धितों के विरूद्ध संविदा समाप्ति की कार्यवाही स्थापना शाखा जिला पंचायत सीधी से की जावे। ओंकार विक्रम सिंह वरिष्ठ डाटा मैनेजर जिला पंचायत सीधी को सहायक प्रबंधक ई-गर्वनेस सोसायटी सिहवल के विरूद्ध संविदा समाप्ति की कार्यवाही कलेक्टर एवं अध्यक्ष ई-गर्वनेस सोसायटी से की जावे। क्रियान्वयन एजेंसी जल संसाधन विभाग के संकट मोचन तिवारी कार्यक्रम अधिकारी रवीन्द्र नाथ मिश्र सहायक मान चित्रकार एवं प्रभारी लेखाधिकारी एवं मूल्यांकनकर्ता अरूण सिंह उपयंत्री एवं प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी के विरूद्ध वसूली योग्य राशि रूपये 1431.91 लाख रूपये बराकर-बराबर हिस्सों की राशि मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत निर्धारित की जाती है।

ग्राम रोजगार सहायक संघ ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

जागरण, सीधी। ग्राम रोजगार सहायक संघ-मनरेगा, ग्राम रोजगार सहायक महासंघ, पंचायत सहायक सचिव, कर्मचारी संघ-संयुक्त संगठन मप्र द्वारा आज अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम विभाग मंत्री मप्र शासन भोपाल के नाम से कलेक्टर सीधी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि मध्य प्रदेश में ग्राम रोजगार सहायकों के ऊपर अनैतिक रूप से हो रही कार्यवाहियों को तुरंत रोंका जाए एवं अन्य मांगों को पूर्ण किया जाए। चर्चा के दौरान जिला पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में ग्राम पंचायतों में वरिष्ठ कार्यालय व आला अधिकारियों द्वारा दबाव बनाकर केवल ग्राम रोजगार सहायकों को ही टारगेट किया जा रहा है। रोजगार सहायकों को पद से पृथक करना, मानदेय रोंकना व काटने जैसी कार्यवाहियां की जा रही हैं। जिसका त्वरित उदाहरण कटनी और रीवा जिले में ग्राम रोजगार सहायकों को पद से पृथक करने की हुई कार्यवाहियां हैं। जबकि पंचायत स्तरीय समस्त कार्यों एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के जनपद पंचायत तक तकनीकी अमला एवं ग्राम पंचायतों में नियुक्त सभी कर्मचारी, निर्वाचित प्रतिनिधियों की बराबर की जवाबदेही होती है।

सीधी पुलिस ने अवैध गांजा पर की ताबड़तोड़ कार्यवाही

गांजा विक्रय एवं गांजा की अवैध खेती पर मामला दर्ज

जागरण, सीधी

सीधी पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा विक्रय एवं अवैध खेती के विरुद्ध अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध कर 3.68 लाख रूपये कीमती 26.280 किलोग्राम गांजा जप्त किया।पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी एवं एसडीओपी कुसमी सुश्री रौशनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी एवं थाना प्रभारी कुसमी उनि भूपेश बैस के नेतृत्व में सीधी पुलिस ने अवैध गांजा विक्रय एवं गांजा की खेती के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 4 प्रकरणों में 11.580 किग्रा सूखा गांजा एवं 14.7 किग्रा गांजा के हरे पौधे कुल अनुमानित कीमत 3 लाख 68 हजार रुपए जप्त कर कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी कुसमी को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में गांजा विक्रय हेतु रखे हुए है। सूचना की

तस्दीक कर पुलिस टीम द्वारा ग्राम बजबई में दबिश दी गई। पुलिस को आता देख विधि विरुद्ध बालक मौके से फरार हो गया। घर की तलाशी के दौरान एक कमरे से 11.580 किग्रा अवैध गांजा अनुमानित कीमत 2 लाख 30 हजार रुपए बरामद किया गया। प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुसमी उनि भूपेश बैस, थाना प्रभारी मड़वास उनि केदार परौहा, सउनि राजकुमार सिंह, सउनि संतोष साकेत, सउनि नारायण सिंह, प्रआर लोकेन्द्र सिंह, आरक्षक राहुल गिरवाल का सराहनीय योगदान रहा।

जमोड़ी पुलिस ने की अवैध गांजा की खेती पर कार्यवाही

थाना जमोड़ी क्षेत्र अंतर्गत अवैध गांजा खेती पर पुलिस ने दबिश कार्रवाई की। आरोपी काशी साकेत उम्र 66 वर्ष, निवासी हड़बड़ो उरमनिया टोला थाना जमोड़ी द्वारा घर के सामने से 4 नग गांजा के हरे पौधे लगाए गए थे। पुलिस ने कार्यवाही के बाद जप्त गांजा के पौधों का वजन कराया तो 3.200 किग्रा, कीमत 32 हजार रुपए है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरे मामले में जमोड़ी पुलिस ने आरोपी बिंद्रा साकेत 66 वर्ष निवासी हड़बड़ो उरमनिया टोला थाना जमोड़ी के घर के सामने से 2 नग गांजा के हरे पौधे जप्त किए। जप्त गांजा के पौंधों का वजन 9.700 किग्रा कीमत 97 हजार रुपए है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं आरोपी प्रेमलाल सिंह निवासी सिरसी थाना जमोड़ी के यहां पुलिस दबिश के दौरान आरोपी फरार हो गया। घर के पीछे की बगिया से गांजा के उखड़े पेड़ एवं कपड़े पर सूखती हरी पत्तियां वजन 1.800 किग्रा कीमत 18 हजार रुपए जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(ए)के तहत मामला दर्ज किया गया।

RUKMINI RISING STAR HIGH SCHOOL SIDHI

Admission open for session 2025-26 NUR. TO 10TH

Sr.	Subject	No of vacancy
1.	Math	01
2.	Social science	01
3.	English	01
4.	Computer	01
5.	Sanskrit	01

Address:- Infront of Ramagovind palace Collage Stadium Road North Karaundiya sidhi

Mob. No.- 7024967935, 6264798158, 7898612068

RAISBEAN CITY HIGH SCHOOL PADRA

Medium:- Hindi/Englis

TEACH-ERS

ADMISSION OPEN 2025-26

Sr.	Subject	Qualification	vacant seat
1.	Mathematics	M.Sc., B.Ed.	2 POST
2.	English	M.A., B.Ed.	2 POST
3.	Social science	M.A., B.Ed.	1 POST
4.	Science	M.Sc., B.Ed.	2 POST
5.	Physical Education	BPED with sound English	1 POST
6.	Music and Dance teacher	___	1 POST
7.	Computer Teacher	CPCT & PGDCA	1 POST

Walk in interview - 15/06/2025, Time 11am to 1 pm

Our Special Features
* Trained and Qualified staff.
* Big play Ground.
* Computer Lab.
* Music art and yoga, Dance Class
* Big Library.
* Full Emphasis on Spoken Class
* Teaching through digital smart board Audio vedio and play way method of teaching.
* Well Maintained and safe

Fully secured and CCTV Sureillance campus

Add- Nh. 39 Rewa Singrauli By Pass Road padra Sidhi (M.P.)
E-mail:- rchspadra@gmail.com
Contact No.:- 9752847634, 6267295254, 6261514926

शिक्षा महाविद्यालय सीधी (म.प्र.)
सम्बद्ध-अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय रीवा (म.प्र.)
प्रवेश प्रारंभ
संचालित पाठ्यक्रम

B.A. (Computer)	B.Sc (Computer)	BA.Bed (All Sub. 4 Year)
12वीं पास (कला समूह)	12वीं पास (विज्ञान विषय)	12वीं पास (सभी समूह के विषय)
B.A. (Plain)	B.Sc (CBZ)	B.Ed (2 Year)
12वीं पास (कला समूह)	12वीं पास (विज्ञान विषय)	स्नातक पास (सभी समूह)
B.Com (Computer)	B.Sc (PCM)	DELED (2 Year)
12वीं पास (वाणिज्य विषय)	12वीं पास (विज्ञान विषय)	12वीं पास (सभी समूह के विषय)
B.Com (Plain)	B.Sc (Bio. Tech.)	L.L.B. (3 Year)
12वीं पास (वाणिज्य विषय)	12वीं पास (विज्ञान विषय)	स्नातक पास (सभी समूह)

शिक्षा महाविद्यालय, पनवार सेंगरान, सीधी म.प्र.
सम्पर्क सूत्र :- 6261003429, 9981861520

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

डिफेंस प्रॉडक्शन को फास्ट ट्रैक करने की जरूरत

एयरफोर्स चीफ की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है, जब भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को हवाई क्षमता का प्रदर्शन कर ध्वस्त किया था। इसी टकराव ने यह भी दिखाया कि जंग में लड़ाकू विमानों की भूमिका कितनी अहम हो चुकी है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा।

> रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की जरूरत है।

भारत के सामने दो फ्रंट खुले हुए हैं- पाकिस्तान और चीन और चिंता की बात यह है कि जो चीन के पास है, वह किसी न किसी तरह पाकिस्तान के पास पहुंच ही जाता है। हालिया टकराव में ही उसने तुर्किये के ड्रोन और चीन के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। भारत के लिए ताजा रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है कि चीन अपने जे -35 स्टेल्थ फाइटर जेट भी पाकिस्तान को देने जा रहा है। सरकार ने 5वीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के निर्माण को मंजूरी तो दी है, पर अगर उम्मीद पूरी हुई तो भी इनको बनने में 10 साल लग जाएंगे।

भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए, लेकिन हैं केवल 30। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अभी तक स्वदेशी तेजस मार्क-1 की डिलिवरी नहीं कर पाया है। इसकी वजह से वायु सेना की रक्षा तैयारियों पर असर पड़ रहा है। एयर चीफ पहले भी यह मुद्दा उठा चुके हैं।

यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। निश्चित रूप से जब तक इस वित्तीय संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। वायुसेना प्रमुख की चेतावनी को रक्षा खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन के लिये आग्रह के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत ने हाल में मेक इन इंडिया पर दम लगाया है। 2023-24 में 1.27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन इस प्रॉजेक्ट के तहत हुआ साथ ही देश ने 21 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का डिफेंस एक्सपोर्ट किया। 100 से अधिक मुल्कों ने भारत से रक्षा उपकरण और हथियार खरीदे हैं। भारत को आने वाले वक्त में अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। साथ ही, जिस तरह से चीन ने अपनी सेना का आधुनिकीकरण किया है, भारत को भी उस राह पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसके लिए डिफेंस प्रॉडक्शन को फास्ट ट्रैक करने की जरूरत है और इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

कमल का तमिल-समर्थक रुख अकारण नहीं

भाषा विवाद

महेंद्र बाबू कुरुवा

> कमल हासन फिर एक बार सुर्खियों में हैं। शुरुआती दौर में खुद को द्रविड़ राजनीति के खिलाफ बताने वाले इस अभिनेता कम राजनेता का तमिल-समर्थक रुख अकारण नहीं है। हिंदी विरोधी स्टालिन को खुश कर वह राज्यसभा सीट भले पा लें, लेकिन एक गैर-जरूरी विवाद को हवा देना देश भर में फैले उनके प्रशंसकों को शायद ही पसंद आए।

अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन एक बार फिर गलत वजहों से चर्चा में आ गए हैं। चेन्नई में अपनी नई फिल्म के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कन्नड़ लोगों में गुस्सा है। विवाद तब हुआ, जब उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही पैदा हुई है। इससे भी बदतर बात यह रही कि कमल हासन ने यह बयान मशहूर कन्नड़ अभिनेता शिवा राजकुमार की मौजूदगी में दिया। विडंबना यह है कि शिवा राजकुमार मशहूर कन्नड़ सुपरस्टार दिवंगत डॉ. राजकुमार के पुत्र हैं, जिन्होंने 1980 के दशक में गोकक आंदोलन का नेतृत्व किया था।

गोकक आंदोलन कर्नाटक के इतिहास के बेहद चर्चित भाषा अधिकार आंदोलनों में से एक है, जो कन्नड़ को पहली भाषा का दर्जा दिलाने के लिए लड़ा गया था। कमल हासन के बयान के बाद यह मुद्दा राजनीतिक रूप से गर्म हो गया है और कर्नाटक के विपक्षी व सत्तारूढ़ दोनों दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान से जोड़ते हुए इसकी निंदा की है। अच्छा होता कि कावेरी नदी जल बंटवारे और भाषा संबंधी विवादों को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर दिग्गज अभिनेता अपनी सार्वजनिक हैसियत को देखते हुए इस तरह के बयान को देने से पहले थोड़ी सावधानी बरतते। खासकर तब, जब दोनों ही राज्य भाषा के मामले में बेहद संवेदनशील हैं और एक छोटी-सी चिंगारी भी बड़ी आग लगा सकती है। बेलगावी, मैसूर, हुबली और बंगलूरू जैसी कई जगहों पर पहले ही विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। दूसरी तरफ, डीएमके, पीएमके, वीसीके, एनटीके जैसे तमिलनाडु के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने कमल हासन का यह कहते हुए खुलकर समर्थन किया कि अभिनेता ने केवल ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला दिया है और कुछ पार्टियों ने तो दो कदम और आगे बढ़ते हुए यह दावा भी कर दिया कि 'तमिल सभी द्रविड़ भाषाओं की जननी है।' इसने आग में और घी डालने का काम किया है।

इस संदर्भ में यह समझने के लिए कि क्या कमल हासन के बयान का कोई महत्व है या नहीं, इसे इतिहास की कसौटी पर परखना होगा। दशकों तक चले कठिन शोध के बाद भाषाविदों ने पांच द्रविड़ भाषाओं की पहचान की है, जिनमें तमिल, तेलुगू, तुलू, मलयालम और कन्नड़ शामिल हैं। इन्हें 'पंच द्रविड़' कहा जाता है। भाषाविदों के बीच एक बड़ी सहमति है कि लगभग चार हजार वर्ष पूर्व, ये पांच द्रविड़ भाषाएं एक ही भाषा थी, जिसे प्रोटो-द्रविड़ कहा जाता था। हालांकि, इस प्रोटो-द्रविड़ भाषा ने समय के साथ अपना महत्व खो दिया और विलुप्त हो गई। इसकी वजह यह थी कि इस भाषा के बोलने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में चले गए और वहां अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित की। इसी प्रक्रिया में कन्नड़ और तमिल जैसी भाषाएं, जो द्रविड़ परिवार की प्रमुख भाषाएं हैं, एक मूल पूर्वज, यानी प्रोटो-द्रविड़ से अलग शाखाओं के रूप में विकसित हुईं। उल्लेखनीय है कि कन्नड़ भाषा, जहां 2,500 वर्ष पुरानी, तो तमिल उससे भी पुरानी मानी जाती है। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि कन्नड़ की उत्पत्ति तमिल से हुई है। यह कोई पहली बार नहीं, जब कमल हासन ने इस तरह की टिप्पणी की हो। इससे पहले भी उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के हिंदी विरोधी रुख का समर्थन किया था और ऐसे बयान दिए थे, जिनसे हिंदी पट्टी के लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं। अब ऐसा लगता है कि उनकी मेहनत निष्फल नहीं गई है और स्टालिन के साथ इस जुड़ाव का पुरस्कार उनकी पार्टी को डीएमके द्वारा आवंटित राज्यसभा सीट के रूप में मिल चुका है। कन्नड़ पर हालिया विवाद और हिंदी पर पहले के विवाद, दोनों में कमल हासन का केंद्र में होना उनके खेल और मंशा दोनों को ही दर्शाता है। दरअसल, कमल हासन जो भी करते हैं, उसे लेकर वह पूरी तरह से स्पष्ट होते हैं। इसे समझने के लिए उनकी राजनीतिक यात्रा को समझने की जरूरत है। कमल हासन ने 2018 में अपनी पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) की शुरुआत की, दो चुनाव भी लड़े, लेकिन उन्हें ज्यादा राजनीतिक सफलता नहीं मिली। लेकिन 2021 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान एमएनएम प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में वोट काट सकती थी, और यहीं से डीएमके के कमल हासन के प्रति आकर्षित होने की शुरुआत हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों में गठबंधन भी हुआ। डीएमके गठबंधन का हिस्सा होने के नाते कमल हासन 2026 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन के लिए स्टार प्रचारक हो सकते हैं। कमल तमिल आबादी के अपनी भाषा के प्रति भावनात्मक झुकाव को जानते हैं और यही कारण है कि उन्होंने अपने फिल्म प्रचार कार्यक्रम की शुरुआत 'उइरे उरावे तमीज' (मेरा जीवन और मेरा परिवार तमिल है) से की। यहां तक कुछ गलत नहीं था, लेकिन इसके बाद भाषाई इतिहास और कन्नड़ लोगों की भावनाओं को अनदेखा करते हुए सिर्फ तमिल आबादी को खुश करने के लिए एक अनुभवी कन्नड़ अभिनेता के सामने उन्होंने तमिल भाषा की श्रेष्ठता दिखाने वाला जो बयान दिया, समस्या वहीं से शुरू हो गई। उनके जैसे एक अनुभवी अभिनेता और परिपक्व इन्सान से ऐसी उम्मीद बिल्कुल भी नहीं की जा सकती। तब तो और भी, जब वह वैकल्पिक राजनीति के वादे के साथ मैदान में उतरे थे। केवल कमल हासन ही बता सकते हैं कि इस तरह के गैर-जरूरी और अनुत्पादक विवादों को हवा देकर वह किस तरह का वैकल्पिक शासन प्रस्तुत करना चाहते हैं।

डीएमके के समर्थन से अपने लिए राज्य सभा सीट को कंफर्म करवा चुके कमल हासन ने हाल के दिनों में भाषा की सियासत को धार दी है। कमल हासन ने हाल ही में एक अन्य अवसर पर कहा था कि लोगों को पहले पड़ोसी राज्य की भाषा सीखनी चाहिए. हम हिंदी के बारे में बाद में चिंता कर सकते हैं। ठग लाइफ के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा था कि, हमारी पहली जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि हमारी भाषा विलुप्त न हो जाए। हालांकि इस मसले पर विवाद होने के बाद कमल हासन ने सफाई दी। हासन ने कहा, इतिहासकारों ने मुझे भाषा, इतिहास सिखाया और मेरा कोई मतलब नहीं था। आइए हम इन सभी गहन चर्चाओं को इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें। हम एक परिवार हैं और इसलिए भाषाएं भी एक परिवार हैं।

हैरत की बात यह भी है कि शुरुआती दौर में उन्होंने खुद को द्रविड़ राजनीति के खिलाफ बताया था, लेकिन विशुद्ध द्रविड़ पार्टी को ही गठबंधन के लिए चुना। राजनीति में अगर निष्ठा पर सवाल उठता है, तो इसे ठीक नहीं कहा जा सकता। कमल हासन का एक अभिनेता और विचारशील राजनेता से आम नागरिकों की भावनाएं भड़काने वाला एक आम राजनेता में बदल जाना, कुछ ऐसा है, जो शायद उनके धुर प्रशंसकों को भी पसंद नहीं आएगा।

बेहतर प्रदर्शन से मजबूत होगी ओलिंपिक की दावेदारी

राष्ट्रीय खेल

मनोज चतुर्वेदी

भारत 2036 के ओलिंपिक खेलों को कराने का दावेदार है। यह सही है कि दावेदारी पाने में अभी काफी समय है। पर भारत सरकार इस संबंध में तैयारियों को गति देकर अपनी दावेदारी को मजबूती देने का प्रयास कर रही है। पिछले दिनों खेल मंत्रालय ने इसी लिहाज से उच्च प्राथमिकता वाले खेलों को अपनी राष्ट्रीय चैंपियनशिपों को कराने के लिए अब तक मिलने वाले 51 लाख रुपये की राशि बढ़ाकर 80 लाख कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का कहना है कि यह बढ़ोतरी 2036 ओलिंपिक के लिए भारत की स्वयं को मजबूत दावेदार के रूप में पेश करने की आकांक्षा है। खेल मंत्रालय ने अन्य क्षेत्रों में भी मदद बढ़ायी है। वह चाहता है कि खेल फेडरेशनों में बीसीसीआइ की तरह ही सीइओ और मैनेजरों की नियुक्ति करके गतिविधियां संचालित करने का तरीका पेशेवर बनाया जाए। प्रयास अच्छा है पर परिणाम तब ही अच्छे निकलेंगे, जब खेल फेडरेशनों से ऐसे लोगों की छंटाई होगी, जिनका खेलों से कोई खास नाता नहीं रहा है। हमारे यहां तमाम ऐसे लोगों ने खेल फेडरेशनों पर कब्जा जमाया हुआ है, जिनका खेलों से खिलाड़ी के तौर पर कोई नाता नहीं रहा है। सही मायनों में देश में खेलों के प्रति सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। मौजूदा केंद्र सरकार ने इस दिशा में कुछ अच्छे कदम उठाये जरूर हैं, पर वह भी नाकाफी हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ ने पिछले वर्ष के आखिर में 2036 के ओलिंपिक आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति की मेजबानी समिति को लेटर ऑफ इंटेंट (मंशा पत्र) भेज दिया है। भारत के साथ इन खेलों को आयोजित करने के इच्छुक देशों में मैक्सिको, इंडोनेशिया, तुर्किये, पोलैंड, मिस्र और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। कहा जा रहा है कि जर्मनी भी इस दौड़ में शामिल हो सकता है, क्योंकि उसने 1936 में बर्लिन में ओलिंपिक का आयोजन किया था, जिसके सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत एक मजबूत आर्थिकी वाला देश बन रहा है और भारतीय प्रस्ताव को केंद्र सरकार का पूरा समर्थन हासिल है, इसलिए उसकी दावेदारी दमदार है। आइओए अध्यक्ष पीटी ऊषा की अगुवाई में आठ सदस्यीय दल लुसाने में 30 जून से दो जुलाई तक आइओसी भविष्य के मेजबानों के कमीशन के सामने अपना पक्ष रखने जाने वाला है। यह दल दावेदारी के पक्ष में हुई प्रगति, योजनाओं और खेल सुविधाओं के बारे में अपनी बात रखेगा। अहमदाबाद में ही सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की भी दावेदारी पेश कर रहा है। यह खेल मिलने से भारत के ओलिंपिक आयोजन के सपने को और मजबूती मिल सकती है। भारत की ओलिंपिक दावेदारी को मजबूती देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना होगा। अभी हम ओलिंपिक जैसे खेलों में एक स्वर्ण के साथ आधा दर्जन पदक जीतकर भी खुश हो जाते हैं। ओलिंपिक आयोजन करने वाला देश कम से कम आधा दर्जन गोल्ड के साथ दो दर्जन पदक जीतने लायक तो हो। ऐसा नहीं कर पाने की स्थिति में जगहंसाई ही होनी है। हमारे यहां तमाम फेडरेशनों के दो धड़े कोर्ट में पहुंचे हुए हैं। इसलिए सबसे जरूरी तो इन फेडरेशनों की सफाई है।

> भारत 2036 के ओलिंपिक खेलों को कराने का दावेदार है। यह सही है कि दावेदारी पाने में अभी काफी समय है। पर भारत सरकार इस संबंध में तैयारियों को गति देकर अपनी दावेदारी को मजबूती देने का प्रयास कर रही है

जिस तरह आइओए में पीटी ऊषा, हॉकी इंडिया में दिलीप तिर्की, फुटबॉल फेडरेशन में कल्याण चौबे को लाया गया, उसी तरह अन्य फेडरेशनों में भी खिलाड़ियों को लाया जाए, तो आगे बढ़ने की सही राह बन सकती है। यह सही है कि जब भी देश को कोई बड़ी प्रतियोगिता मिलती है तो उसकी तैयारियां बेहतर करके अच्छे परिणाम सामने आये हैं। आप 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स को ही लें, इसके लिए तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। सही मायनों में भारतीय खिलाड़ियों को सही ढंग से तैयार करने की शुरुआत यहीं से हुई। इसका परिणाम था कि भारत ने 38 गोल्ड सहित 101 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पहले भारत 40-50 पदक जीतकर खुश हो जाया करता था। ओलिंपिक में तो और भी दयनीय स्थिति रही है। लेकिन 2010 के बाद भारतीय प्रदर्शन में निरंतर प्रगति दिखी है। पर यह प्रगति ऐसी तो कतई नहीं रही है, जिस पर इतराया जा सके। भारत के पास 2036 के ओलिंपिक की तैयारी के लिए अभी पर्याप्त समय है। यदि यंग ब्रिगेड को अभी से अनुभवी अंतरराष्ट्रीय कोचों से प्रशिक्षण दिलाने का काम किया जाए और उन्हें भरपूर अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाया जाए, तो कोई सूरत नहीं है कि हम लक्ष्य को न पा सकें। हमारे यहां प्रतिभाओं की कमी कभी नहीं रही, जरूरत सिर्फ उन्हें अच्छे से तराशने की है। इसके लिए उचित ढांचा तैयार करने की जरूरत है। हमारे यहां जब नीरज चोपड़ा, मैरी कॉम, विजेंदर और सुशील पहलवान निकल सकते हैं, तो इसका मतलब है कि सही तैयारी की जाए, तो ऐसे खिलाड़ियों की भरमार हो सकती है। ऐसे हालात में ओलिंपिक कराने का मजा ही कुछ और होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

।।गीता।।

श्लोक : आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण, लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात।
दिनस्य पूर्वार्द्धपरार्द्धभिन्ना, छायेव मैत्री खलसज्जनानाम ॥

भावार्थ : दुर्जन की मित्रता शुरुआत में बड़ी अच्छी होती है और क्रमशः कम होने वाली होती है। सज्जन व्यक्ति की मित्रता पहले कम और बाद में बढ़ने वाली होती है। इस प्रकार से दिन के पूर्वार्ध और परार्ध में अलग-अलग दिखने वाली छाया के जैसी दुर्जन और सज्जनों व्यक्तियों की मित्रता होती है।

जीवन दर्शन

बुद्धि के घर से मन की दहलीज तक...

प्रोफेसर हैसोल्ड सच्चे शिक्षक की भांति छात्र को बुद्धि के घर में प्रवेश करने के लिए नहीं कहती थीं, बल्कि वह उन्हें मन की दहलीज तक ले जाती थीं। फ्लोरिडा के न्यू कॉलेज में प्रोफेसर क्रिस हैसोल्ड ने 50 से ज्यादा वर्षों तक पढ़ाया - कुछ साल पहले की बात है। न्यू जर्सी के मोंटक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर डॉ. निकोल आर्चर को अपने मेलबॉक्स में एक रहस्यमय पैकेट दिखाई दिया। उन्हें जानकारी थी कि उनके एक प्रिय कॉलेज प्रोफेसर ने अपनी वसीयत में उन्हें कुछ दिया है। वह किसी उपहार की उम्मीद कर रही थीं-शायद एक शानदार डिनर के लिए पर्याप्त पैसे, या प्रोफेसर द्वारा हाथ से बनाए मोतियों वाले कंगनों में से एक। लेकिन जब 49 वर्षीय डॉ. आर्चर ने वसीयत के अंतिम पृष्ठ पर संख्या देखी- 1,00,000 डॉलर-तो उन्हें लगा कि शायद दशमलव बिंदु गलत स्थान पर लगा होगा। लगभग उसी समय, देश भर में 30 अन्य लोगों को भी इसी तरह के पत्र मिले, जो एक प्रोफेसर के कहने पर भेजे गए थे, जिनकी कक्षा में वे वर्षों पहले गए थे। फ्लोरिडा के न्यू कॉलेज में प्रोफेसर क्रिस हैसोल्ड ने 50 से ज्यादा वर्षों तक पढ़ाया था। छात्र-छात्राओं के प्रति उनका स्नेह कुछ ऐसा था कि उनकी डांट खाकर भी बच्चे उनके घर आया करते थे और उनकी मदद भी करते थे। डॉ. आर्चर याद करती हैं कि 1995 में एक महत्वाकांक्षी, किंतु दिशाहीन छात्रा के रूप में वह कॉलेज पहुंची थीं, और तब उन्होंने प्रोफेसर हैसोल्ड को संतरे के एक ढेर के साथ देखा था। उनके पूछने पर प्रोफेसर हैसोल्ड ने बताया कि ये सभी संतरे उन्होंने अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए लाए हैं। खलील जिब्रान की आदर्श शिक्षक को लेकर कही गई बात-अगर शिक्षक वाकई बुद्धिमान है, तो वह छात्र को अपनी बुद्धि के घर में प्रवेश करने के लिए नहीं कहता, बल्कि वह उसे उसके ही मन की दहलीज तक ले जाता है-प्रोफेसर हैसोल्ड पर बिल्कुल सटीक बैठती थी। उनके छात्र और छात्राएं उनसे इस कदर जुड़ जाते थे कि कक्षा खत्म होने के बाद भी उनके शिक्षण सहायक के रूप में काम करना पसंद करते थे। डॉ. आर्चर कहती हैं, 'जैसे मेरे पास पुस्तकों का संग्रह है, ठीक उसी तरह से प्रोफेसर हैसोल्ड के पास छात्र-छात्राओं का संग्रह था और यही उनकी पूंजी थी।' 2016 में वह सेवानिवृत्त हो गईं, तब उनकी उम्र 85 साल थी। अपने अंतिम समय में वह अपने छात्रों से कहती थीं कि वह जब जाएंगी, तो सबके लिए कुछ न कुछ छोड़कर जाएंगी। वह कोई ऐसी महिला नहीं थीं, जो बड़ी आलीशान जिंदगी जीती हों। उनकी ऐसी बातें सुनकर छात्र भावुक हो उठते थे। उनके निधन के कुछ ही समय बाद उनके पूर्व छात्र-छात्राओं को उनकी तरफ से एक-एक पैकेट मिला, जिसमें उन्हें एक बड़ी राशि मिलने की सूचना थी, लेकिन इसके पीछे प्रोफेसर हैसोल्ड का संदेश यह था कि 'यहां कुछ ऐसा है, जो आपको आप बनने में मदद करेगा।'

हैंक सैंडर्स, द न्यूयॉर्क टाइम्स

प्रसंगवश

मातृ-पितृ भक्ति दिवस : सेवा, सम्मान और 'विश्वास का संकल्प'

विश्वास कैलाश सारंग

प्रातःकाल उठि कै रघुनाथा, मातु-पिता गुरु नावहिं माथा भावार्थ- प्रभु श्रीराम प्रातः काल उठकर माता-पिता और गुरु को मस्तक नवाते हैं। हमारी भारतीय सनातन संस्कृति की आत्मा यदि किसी मूल्य में समाहित है, तो वह माता-पिता के प्रति भक्ति और सेवा है। यह केवल एक पारिवारिक दायित्व नहीं, बल्कि जीवन का वह आदर्श है, जिसने हमारी सभ्यता और संस्कृति को हजारों वर्षों तक जीवित, जाग्रत और उज्ज्वल बनाए रखा है।

हमारे शास्त्रों में वर्णित 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- यह उपदेश केवल संस्कृत का एक श्लोक नहीं है, यह हमारे जीवन का दर्शन है। माता-पिता का स्थान संसार में सबसे श्रेष्ठ, सबसे पूज्य है। उन्हें देवताओं के समान स्थान प्राप्त है। जिस परिवार और समाज में माता-पिता की सेवा को प्राथमिकता दी जाती है, वहाँ धर्म, शांति और समृद्धि सदैव निवास करती है। उनकी उपस्थिति किसी जीवंत मंदिर की तरह होती है।

भारतीय सनातन संस्कृति का इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है, जहाँ पुत्रों ने अपने जीवन को माता-पिता की सेवा में समर्पित कर दिया। प्रभु श्रीराम का वनवास पिता के आज्ञा पालन और भक्ति का अनुपम उदाहरण है। तो वहीं श्रवण कुमार की कथा आज भी मातृ-पितृ सेवा का आदर्श बनी हुई है। जिन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को काँवर में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई। ये कथाएँ केवल आदर्श नहीं, वे संस्कारों की शिला हैं, जिन पर आज भी भारतीय समाज खड़ा है।

माता-पिता न केवल हमें जन्म देते हैं, बल्कि अपने त्याग, परिश्रम और प्रेम से हमें जीवन जीने की राह दिखाते हैं। वे हमारे पहले शिक्षक, पहले संरक्षक और पहले मार्गदर्शक होते हैं। उनकी शिक्षा व संस्कार से ही हमारी भावनात्मक, नैतिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है। उनका आशीर्वाद हमारे जीवन का वह अदृश्य कवच है, जो हर संघर्ष में हमें बल देता है। मेरे पूज्य पिताजी, मध्यप्रदेश भाजपा के संस्थापक सदस्य एवं राज्यसभा सांसद रहे स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग जी का जीवन सेवा, सिद्धांत और त्याग की प्रतिमूर्ति रहा है। उनका जीवन न केवल राजनीति का एक यशस्वी अध्याय था, बल्कि उन्होंने अपने जीवन मूल्यों के माध्यम से परिवार से लेकर समाज तक नैतिकता, मूल्यबोध और सामाजिक चेतना का संचार किया है।

पूज्य पिताजी का स्वप्न था कि हर माता-पिता व बुजुर्गों को वह सम्मान और सेवा मिले जिसके वे अधिकारी हैं। उनका मानना था कि माता-पिता का आशीर्वाद ही वह अमूल्य निधि है जो संतान को जीवन जीने में सही मार्ग प्रशस्त करती है। समाज की जड़ें तभी मजबूत होंगी जब उस समाज में माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान होगा।

पूज्य पिताजी का जीवन एक ऐसा दर्पण था जिसमें सेवा, नैतिकता और समाज के प्रति समर्पण झलकता था। उन्होंने सेवाभाव के जो आदर्श प्रस्तुत किए उसी का अनुसरण करते हुए हर वर्ष उनकी जयंती 02 जून और पुण्यतिथि 14 नवंबर को मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रुप में मनाने का संकल्प लिया है। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार, एक भावना और एक संकल्प है- जिससे समाज और भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ा जा सके। मेरी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती प्रसून सारंग जी ने समाज के प्रति सदैव समर्पण भावना के संस्कारों की सीख के साथ सारंग परिवार को संस्कारित बनाया। उन्होंने पूज्य पिताजी के सेवा कार्यों में उनकी शक्ति बनकर उनका सदैव साथ दिया। वे अपने अंतिम समय तक समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिये पूज्य पिताजी के प्रत्येक कार्य में उनके कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। समाज के लिये उनके द्वारा दिया गया योगदान अविस्मरणीय है।माता-पिता व बुजुर्गों का सम्मान करना केवल कर्तव्य नहीं, हमारा धर्म भी है। माता-पिता भले ही भौतिक रूप से हमारे साथ न हों, लेकिन उनका स्नेह, आशीर्वाद और प्रेरणा हमें हर पल मार्गदर्शन देती रहती है। जब वे हमारे बीच नहीं होते, तब हर वृद्ध, हर बुजुर्ग माता-पिता के प्रतीक बन जाते हैं। जिस समाज में माता-पिता व बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां धर्म, संस्कृति और मानवता पुष्पित-पल्लवित होती हैं। मेरे माता-पिता भौतिक रूप से भले ही मेरे साथ नहीं हैं लेकिन सूक्ष्म रूप से सदैव मेरे साथ रहकर सेवा कार्य की प्रेरणा देते हैं। आज उनके भौतिक रूप से साथ न होने के कारण मेरे लिए हर बुजुर्ग माता-पिता के समान हैं। युवा पीढ़ी अपने माता-पिता के साथ-साथ बुजुर्गों का सम्मान करना सीखे इसी उद्देश्य को लेकर आज पूज्य पिताजी की जयंती पर सभी बुजुर्गों का सम्मान किया जा रहा है। आज की पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपने जड़ों से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में आवश्यक है कि हम संस्कारों को चिरस्थाई रखें और अपने बच्चों को यह सिखाएं कि माता-पिता का सम्मान और सेवा ही उनकी सफलता की नींव है। हमें अपने परिवारों में ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा जहाँ बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि आशीर्वाद का स्रोत समझा जाए। मातृ-पितृ भक्ति दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, यह जीवन भर निभाया जाने वाला व्रत है। यह एक ऐसा महायज्ञ है, जिसमें हम सेवा, सम्मान और संवेदना की आहुति देते हैं और परिणामस्वरूप प्राप्त करते हैं- एक संस्कारित, संवेदनशील और सशक्त समाज। आइए, हम सब मिलकर इस पवित्र संकल्प को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। अपने माता-पिता के साथ-साथ समाज के प्रत्येक बुजुर्ग के लिए सेवा और सम्मान का दीप जलाएं। यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी हमारे पूर्वजों को और यही सबसे बड़ा दायित्व होगा हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए।

(लेखक कैबिनेट मंत्री, म.प्र. शासन हैं)

संक्षिप्त खबरें

किसानों के लिए बनाया एमपी फार्म गेट ऐप

जागरण संवाददाता, भोपाल। अब किसानों को अपनी उपज भेजने के लिए मंडी के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। शासन और मंडी बोर्ड द्वारा उपज बेचने की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए किसानों के लिए मोबाइल एमपी फार्म गेट एप बनाया गया है, जिसके द्वारा किसान घर बैठे ही अपनी उपज को बेच सकेंगे। इस एप की सहायता से किसान प्रदेश की मंडियों में बेची जाने वाली उपजों के रोजाना के भाव की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। एमपी फार्म गेट एप को गूगल प्ले स्टोर में जाकर मोबाल में इंस्टाल करना होगा। रजिस्ट्रेशन की जानकारी भरने के बाद फसल बेचने का काम एप के माध्यम से किया जा सकेगा। फसल बेचते समय किसान को अपनी फसल की जानकारियां एप में देनी होंगी। जिसमें फसल, उसकी ग्रेड-किस्म, फसल की मात्रा और चाहे गए भाव की जानकारी एप में दर्ज करना होगा। इसके बाद मंडी का चयन कर जानकारी को एप में सबमिट करना होगा। यह सभी जानकारियां चयनित मंडी के पंजीकृत व्यापारियों को मिल जाएंगी। जिसके बाद व्यापारी द्वारा फसल की जानकारी और बाजार भाव के अनुसार अपनी दरें ऑनलाइन दर्ज की जाएंगी, जो सीधे किसान को एप में मैसेज के माध्यम से प्राप्त होंगी। जिसके बाद आपसी सहमति से उपज का तौल कार्य और बिक्री की जा सकेगी। तौल कार्य के बाद ऑनलाईन सौदा और भुगतान पत्रक जारी होगा और नियमानुसार किसान के बैंक खाते में फसल का भुगतान किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दुबे को जबलपुर भेजा

जागरण संवाददाता, भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 9 कार्यालय उपसंचालकों का स्थानांतरण कर दिया है। स्थानांतरण आदेश जारी करते हुए भोपाल मुख्यालय में पदस्थ कार्यालय उपसंचालक देवेन्द्र कुमार दुबे को जबलपुर भेजा गया है। वे जबलपुर में बतौर कार्यालय उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन सेवाएं देंगे। वहीं दुबे की जगह भोपाल में पंकज श्रीवास्तव को कार्यालय उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन नियुक्त किया गया है। श्रीवास्तव अब तक जबलपुर में कार्यालय उपसंचालक के पद पर सेवाएं दे रहे थे। इसके अलावा महेन्द्र वर्मा को उज्जैन से शाजापुर, हिमाली सोनपाठकी को इंदौर से देवास, राजू सोलंकी को उज्जैन से नीमच, नीतू खरे को पन्ना से छतरपुर, ज्योति बंसल को हरदा से सीहोर, दीपा टटवाड़े को शाजापुर से उज्जैन और संध्या मार्को को डिंडौरी से छिंदवाड़ा स्थानांतरित किया गया है।

पीएम का माना आभार

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 मई को भोपाल प्रवास के दौरान विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की अनेक ऐतिहासिक सौगातें देकर प्रदेश के सपनों को नई उड़ान दी है, मध्यप्रदेश आनंदित है, उत्साहित है, कृतज्ञ है। यह सौगातें आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में सशक्त सिद्ध होंगी। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह स्नेह और विश्वास हमें निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अमूल्य सहयोग और अपार स्नेह के लिए उनका हृदय से आभार।

सीएम ने दी राज्यपाल को जन्मदिन की बधाई

विसं, भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्यपाल पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनेक सामाजिक प्रकल्प आपके मार्गदर्शन में संचालित हो रहे हैं। बाबा महाकाल आपके सभी संकल्पों को सिद्ध करें, ऐसी कामना है।

राहुल गांधी के 3 जून को भोपाल प्रवास की तैयारियों को लेकर पीसीसी में हुई बैठक

जातिगत जनगणना के लिए राहुल का धन्यवाद करेगी प्रदेश कांग्रेस

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी राजधानी के रविन्द्र भवन सभागार में 3 जून को जब डेढ़ हजार कांग्रेसियों को भाजपा से लड़ने का मंत्र देंगे, तो उसी समय प्रदेश कांग्रेस की ओर से उन्हें जातिजनगणना की सफल मुहिम को लेकर धन्यवाद दिया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहेंगे। इसे लेकर रविवार को पीसीसी में वरिष्ठ नेताओं ने बैठक कर व्यवस्थाओं पर मंथन किया। अगले विधानसभा चुनाव से लगभग 3 साल से कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में अपने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम करना शुरू किया है। इसके लिए कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की शुरुआत 3 जून से करेगी। देश में गुजरात के बाद मध्यप्रदेश दूसरा राज्य है, जहां संगठन को मजबूत बनाने के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस ने अपनी कमर कसनी शुरू कर दी है। इसके लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी स्वयं भोपाल आएंगे। उनके द्वारा अपने भोपाल प्रवास के दौरान संगठन की अलग-अलग बैठकों के जरिये पार्टी को मजबूत करने की कवायद की जाएगी। बताया गया है कि राहुल 6 घंटे मैराथन बैठकों के जरिये संगठन को सक्रिय करने की आधारशिला रखने का प्रयास करेंगे। जानकारी के अनुसार राहुल गांधी तीन जून सुबह 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे। राहुल पूर्वान्ह 10:30 बजे पीसीसी आएंगे, जहां पार्टी की बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। बताया गया है कि राहुल गांधी सबसे पहले सुबह 11 से 12 बजे तक राजनैतिक मामलों की समिति की बैठक में शामिल होंगे। बैठक में पॉलिटिकल अफेयर कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे। इसके बाद उनका राज्यसभा सांसदों और विधायकों के साथ सीधे संवाद होगा। पीसीसी दफ्तर में ही उनकी एआईसीसी के नव नियुक्त सभी 61 ऑब्जर्वर्स और जिला प्रभारियों के साथ बैठक होगी। इसी बैठक में राहुल गांधी बताएंगे कि किस तरह से जिलों में संगठन को मजबूत बनाना है और किसे जिलों की कमान सौंपनी है। इन बैठकों के उपरांत राहुल गांधी कुछ चुनिंदा नेताओं के साथ बैठकों के निचोड़ पर दोपहर बाद विशेष परामर्श और अनौपचारिक चर्चा करेंगे। इसके बाद एआईसीसी के प्रतिनिधियों, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों के साथ राहुल गांधी का संवाद होगा।

वरिष्ठों ने किया मंथन

रविवार को प्रदेश के प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की मौजूदगी में राहुल गांधी के प्रवास की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ नेताओं ने मंथन किया। इस दौरान नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव,पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा,पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल सहित दूसरे नेता व प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

राहुल को धन्यवाद, तो कांग्रेसियों को सम्मान पर होगी चर्चा

पार्टी से जुड़े जानकारों की माने तो कांग्रेस मान रही है कि केंद्र सरकार द्वारा देश में जातिगत जनगणना कराने का निर्णय राहुल गांधी द्वारा चलाए गए अभियान के कारण लेना पड़ा। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान राहुल गांधी को धन्यवाद देगी। इसी तरह राहुल की मौजूदगी में वरिष्ठ नेता संगठन को सक्रिय करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को सम्मान दिलाने की रणनीति पर भी मंथन करेंगे।

> संगठन के कायाकल्प की रूपरेखा पार्टी के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में होने जा रही है। उनके भोपाल प्रवास से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का उत्साह होगा। हम संगठन को एक बार फिर से निचले स्तर तक मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे है।
>
> ■ **जीतू पटवारी**, अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस

> मध्यप्रदेश में कांग्रेस का अस्तित्व बचा नहीं है। संगठन तो बहाना है, दरअसल ये राहुल गांधी का पॉलिटिकल टूरिज्म हैं। उनका भोपाल में स्वागत है। इससे कांग्रेस को कोई फायदा होने वाला नहीं है,क्योंकि कांग्रेस के पास ऐसा कोई न तो नेतृत्व है और न ही उनके नीयत की,संगठन को मजबूत बनाया जा सके।
>
> ■ **कैलाश विश्वास सारंग, खेल एवं सहकारिता मंत्री, म.प्र. शासन**

वकीलों के बीच फिर गहराया विवाद, 24 घंटे अंबेडकर प्रतिमा की सुरक्षा में तैनात पुलिस

जागरण, ग्वालियर। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में एक विवाद गहरा गया है। प्रतिमा के समर्थन और विरोध में वकीलों के दो गुट एकदूसरे को चुनौती देने लगे हैं। विवाद बढ़ता देख प्रतिमा पर पुलिस ने चौबीस घंटे की चौकसी तैनात कर दी है। प्रतिमा तक किसी का भी प्रवेश रोक दिया गया है। इसकी निगरानी के लिए 8-8 पुलिस कर्मी चौबीस घंटे माहौल पर नजर रखे हुए हैं। असल में प्रतिमा लगाने का समर्थन कर रहे वकीलों का दावा है कि उन्हें मुख्य न्यायाधीश से मंजूरी मिल चुकी है। इस मंजूरी के बाद लोक निर्माण विभाग ने प्रतिमा स्थापना की तैयारी तेज कर दी है। प्रतिमा के लिए प्लेटफार्म तैयार कर दिया गया है। इसे देखते ही कोर्ट परिसर में प्रतिमा लगाने का विरोध कर रहे वकीलों की नाराजगी तेज हो गई है। विरोध कर रहे बार एसोसिएशन के सदस्य मुख्य न्यायाधीश की सहमति को प्रक्रियात्मक गलती बता रहे हैं। इन वकीलों का कहना है कि कोर्ट परिसर में किसी भी व्यक्ति का महिमा मंडन करने के लिए मूर्ति नहीं लगाई जाए। वैसे भी न्यायालय परिसर में तिरंगा लग चुका है। इससे बड़ा देश में कोई नहीं है। दूसरी तरफ कोर्ट परिसर में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। डॉ. अंबेडकर की 10 फीट ऊंची प्रतिमा भी मूर्तिकार प्रभात राय के स्टूडियो में तैयार है। विरोध को देखते हुए प्रतिमा की सुरक्षा के लिए चारों तरफ एक दर्जन से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। एक सब इंस्पेक्टर सहित 8 पुलिसकर्मी 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। स्टूडियो के जिस एरिया में मूर्ति है वहां किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं है। अब दोनों पक्ष नए सिरे से रणनीति बनाने में जुटे हैं। भीम सेना ने ग्वालियर में 29 जून को 'भीमराव अग्निपथ महासभा' और आजाद समाज पार्टी ने 11 जुलाई को 'अंबेडकर महापंचायत' बुलाई है। साथ ही, प्रतिमा लगाने के पक्षधर वकीलों ने गतदिवस सांसद भारत सिंह कुशवाह को एक ज्ञापन दिया है, जिसमें उनसे मांग की है कि आप और केंद्रीय कानून मंत्री इस मामले में शामिल हो, जिससे कोर्ट परिसर में प्रतिमा स्थापित की जा सके। इससे यह विवाद अब और बढ़ता दिख रहा है। वैसे भी भीम सेना की एंट्री से विवाद गरमा चुका है। इसे लेकर दोनों पक्षों में टकराव होने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। इस विवाद की शुरूआत 19 फरवरी को हुई थी, जब मप्र हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ग्वालियर आए थे। यहां एक गुट के एडवोकेट विश्वजीत रतोनिया, धर्मेंद्र कुशवाह और राय सिंह ने ज्ञापन सौंपा था, जिसमें ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग की गई थी।

तांबे के घड़े में फंसा दो साल का बच्चा, काटकर निकाला

जागरण सागर। रविवार को चकराघाट वार्ड स्थित सागर में दो साल का बच्चा तांबे के घड़े में फंस गया। वह खेलते समय घड़े में जाकर बैठ गया। उसके पैर और कमर तक का हिस्सा घड़े अंदर चला गयाए जबकि सिर और हाथ बाहर रह गया। घड़े का मुंह संकरा होने से बच्चा बाहर नहीं निकल पा रहा था। घड़े में फंसा बच्चा रो रहा था। उसकी हालत देखकर परिजन घबरा गए। उन्होंने उसको बाहर निकालने की बहुत कोशिश की। बच्चे के शरीर पर तेल भी लगाया लेकिन फ्रि भी वह बाहर नहीं आ पाया। थक हारकर परिजन बच्चे को घड़े समेत उठाकर ताम्रकार की दुकान पर ले गए। जहां ताम्रकार ने छैनी.हथौड़े से घड़े को काटा और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला।

शस्त्र लाइसेंस पर प्रतिबंध हटाने सीएम को लिखा विधायक ने पत्र

महिलाओं को शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण दिलाया जाए

विशेष संवादाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के विधायक शस्त्र लाइसेंस पर लगा प्रतिबंध हटवाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने महिलाओं को शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण दिलाने की भी मांग की है। शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा से निर्वाचित भाजपा विधायक घनश्याम चंद्रवंशी एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार उनकी चर्चा शस्त्र लाइसेंस पर से प्रतिबंध हटाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखने को लेकर हो रही है। अपने पत्र में चंद्रबंशी ने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण वर्तमान में देश में सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक आपरेशन सिंदूर की सफलता से आमजन उत्साहित है और देशभक्ति की बयार पूरे देश में चल रही है। नागरिकों में स्व का जागरण, आत्म रक्षा के भाव और शास्त्र के साथ शस्त्र का भी ज्ञान हो। उन्होंने कहा कि शस्त्र भी आत्मरक्षा के लिए आवश्यक है। विधायक ने अपने पत्र में आगे लिखा कि हमारे समाज का हर नागरिक हमारी बहनें भी शस्त्र चलाने में दक्ष हो,इसके लिए सरकार की ओर से प्रशिक्षण उन्हें प्रशिक्षण दिलाना चाहिए। उनके लाइसेंस भी ज्यादा से ज्यादा कम रेडक्रास की राशि पर जारी किए जाए। विधायक ने पत्र में कहा कि वर्तमान में नवीन शस्त्र लाइसेंस जारी नहीं किए जा रहे है। आमजन की भावनाओं के अनुरुप और आत्मरक्षा प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने की दृष्टि से नवीन शस्त्र लाइसेंस जारी करने पर लगा प्रतिबंध हटाए जाने की आवश्यकता है।

स्कूलों में हर शनिवार लगेगी बालसभा

विसं, भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में गर्मियों के अवकाश के उपरांत हर शनिवार को बालसभा का आयोजन किया जाएगा। यह बालसभाएं पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। ऐसा सीसीएलई कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। जानकारी के अनुसार सीसीएलई यानि कि सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत होने वाली गतिविधियों पर फोकस किया जाएगा और प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल, प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद की जाएगी। प्रदेश में वर्तमान में 369 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में यह विद्यालय सीएम राइज स्कूल के नाम से जाने जाते थे। वर्ष 2025 में 150 नये सांदीपनि विद्यालय संचालित होंगे।

'भाजपा विधायक ने हड़पी आदिवासी की जमीन'

दिग्विजय सिंह ने विधायक संजय पाठक पर साजिश करने का लगाया आरोप

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भाजपा विधायक संजय पाठक पर साजिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले में आदिवासियों को हक दिलाने की लड़ाई लड़ेंगे। डिंडौरी प्रवास के दौरान दिग्विजय सिंह ने रविवार को पत्रकारों से संवाद करते हुए बताया कि विधायक संजय पाठक के पिताश्री उनके मुख्यमंत्री काल में मंत्री परिषद के सदस्य थे। उन्होंने अपने शासन काल में आदिवासियों की जमीन सुरक्षा के लिए नियम बनाए थे, जिसमें कलेक्टर की मंजूरी के बिना जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक थी। लेकिन भाजपा सरकार के शासन में आदिवासियों की जमीनें हड़पी जा रही है।

बैगा आदिवासियों से की मुलाकात

अपने डिण्डौरी प्रवास के दौरान पूर्व सीएम ने जिले की बजाग तहसील में प्रस्तावित बाक्साइट खदान परियोजना का विरोधकर रहे बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। उन्होंने स्थानीय लोगों की बात सुनने के बाद कहा कि यह पूरी परियोजना आदिवासियों के अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सैंकड़ों एकड़ आदिवासी जमीन की खरीद-फरोख्त बेहद संदिग्ध तरीके से की गई है और इससे आदिवासी समुदाय का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि पाठक की कंपनी को बाक्साइट खदान की अनुमति मिली है और इस प्रक्रिया में कटनी जिले के आदिवासियों के नाम पर औने-पौने दामों पर ज़मीन खरीदी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में धोखाधड़ी और दबाव के माध्यम से जमीन हड़पी गई है। पूर्व सीएम ने कहा कि जमीन के खरीददारों में कटनी के रघुराज सिंह,राकेश,नत्थू और प्रहलाद शामिल है। इनमें से कुछ लोग गरीबी रेखा के नीचे है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सिंह ने आरोप लगाया कि ये सभी खरीददार संजय पाठक के नियंत्रण में है और उनसे किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा है। डिण्डौरी प्रशासन ने इस बारे में कटनी प्रशासन से जानकारी मांगी है।

ट्रंप को टांग अड़ाने की जरूरत क्यों?

पत्रकारों के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार भारत-पाक के बीच सीजफायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जो देश के आंतरिक मामलों में 'पंच' बनने जैसा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर अमेरिका को भारत-पाक के रिश्तों में टांग अड़ाने की जरूरत क्यों पड़ रही है? सिंह ने भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान द्वारा दिए गए बयान पर बोलने से इंकार कर दिया। उन्होंने पत्रकारों द्वारा इस संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि वो इस पर कुछ नहीं कहना चाहते।

खाने की कतार में लगे लोगों पर इजरायली हमला, 31 की मौत

तेल अवीव, जेएनएन। इजराइली सेना ने गाजा के राफा और नेटजारिम कॉरिडोर में अमेरिकी समर्थन से बने राहत वितरण केंद्रों के पास सहायता के इंतजार में खड़े भूखे फिलिस्तीनियों पर हमला किया। इन हमलों में कम से कम 31 लोग मारे गए और 120 से अधिक घायल हुए। गाजा मीडिया कार्यालय (जीएमओ) ने इन राहत बिंदुओं को 'मृत्यु जाल' बताया, जिन्हें जानबूझकर आम नागरिकों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। यूएन ने गाजा को 'दुनिया की सबसे भूखी जगह' बताया और कहा कि यहां राहत पहुंचाना अब तक का सबसे अधिक बाधित मानवीय मिशन बन गया है। गाजा में अब तक 54,381 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।

जीएमओ के अनुसार, केवल एक सप्ताह में ऐसे राहत बिंदुओं पर इजराइली हमलों में 39 से अधिक लोगों की जान गई है। शनिवार को और 18 मौतें होने की पुष्टि बाद में हुई। बयान में कहा गया कि इन राहत केंद्रों को अमेरिकी और इजराइली प्रशासन की राजनीतिक और सैन्य निगरानी में इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे भूखे लोगों को एकत्र कर मौत के मुंह में धकेलते हैं। इस पूरे तंत्र को अंतरराष्ट्रीय अपराध बताया गया है।

फिलिस्तीनी मोर्चा ने इस 'नरसंहार' की निंदा करते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय सहमति और अमेरिकी साझेदारी के साथ किया गया नरसंहार' कहा है। उन्होंने तत्काल अंतरराष्ट्रीय और अरब हस्तक्षेप की मांग की और घेराबंदी तोड़ने का आह्वान किया। फिलिस्तीनी सेंटर फॉर मिसिंग एंड फोर्सिबली डिसएपीयर्ड पर्सन्स ने कहा है कि इजराइल के राहत केंद्रों से लोग लापता हो रहे हैं और यह जोन वास्तव में सैन्य घेरे में स्थित 'मृत्यु क्षेत्र' हैं।

राशि कब तक मिलेगी इसकी अब तक नहीं हुई घोषणा, सवा दो सौ करोड़ होंगे खर्च

91 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी लैपटॉप के लिए राशि

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के 91 हजार मेधावी विद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इस हिसाब से सवा दो सौ करोड़ से ज्यादा राशि खर्च की जाएगी। सीबीएसई के मेधावी विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। इसे लेकर उच्च स्तर पर संशय बना हुआ है। सूबे में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल से बारहवीं में 75 या उससे ऊपर अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि दी जाती है। पिछले साल एमपी बोर्ड के बारहवीं में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 89 हजार 710 विद्यार्थियों को तीन माह पहले प्रशासन अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में लैपटॉप खरीदने के लिए उक्त राशि दी गई थी। दो साल पहले 78 हजार 641 विद्यार्थियों को उक्त राशि दी गई थी। वर्तमान में माशिमं की बारहवीं परीक्षा में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब 91 हजार है। जबकि गत की अपेक्षा वर्तमान में करीब दो हजार विद्यार्थी ज्यादा अंक लेकर पास हुए हैं। राज्य शासन विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि देने में सवा दो सौ करोड़ से ज्यादा खर्च किया जाएगा।

राशि मिलने को लेकर संशय में सीबीएसई के विद्यार्थी

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा माशिमं के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि देने दो साल पहले 20 जुलाई को लाल परेड ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एमपी बोर्ड के बारहवीं में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 78 हजार 641 विद्यार्थियों के खाते में लैपटाप खरीदने 196 करोड़ की राशि ट्रांसफर की थी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि माशिमं की बारहवीं के विद्यार्थियों के साथ सीबीएसई के मेधावी विद्यार्थियों को अगले साल से 25-25 हजार की राशि लैपटॉप के लिए मिलेगी। अब पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल होगा या नहीं, इस पर संशय है।

2009-10 से चली आ रही योजना

माशिमं बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए राशि देने की योजना मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2009-10 में शुरु की गई थी। योजना के प्रारंभ में मेधावी विद्यार्थियों का क्राइटेरिया 85 फीसदी अंकों तक रखा गया था। इस दौरान विद्यार्थियों की संख्या भी 20 से 25 हजार के आसपास होती थी। धीरे-धीरे विद्यार्थियों के उत्तीर्णांक भी कम किए गए। एक बार 70 फीसदी तक अंक किए गए थे। वर्तमान में बारहवीं में 75 फीसदी का क्राइटेयिा है। इसके साथ ही शासकीय स्कूलों के बारहवीं में एक टॉपर को स्कूटी भी देने की योजना है। वह सिर्फ स्कूल में टॉपर होना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पढ़ता कि विद्यार्थी ने बारहवी में द्वितीय श्रेणी में पास किया हो।

महाकाल मंदिर में शीघ्र दर्शन के नाम पर फर्जीवाड़ा, युवक गिरफ्तार

जागरण उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के नाम पर फर्जीवाड़ा करने की घटनाएं नहीं थम रही हैं। शुक्रवार को महाकाल मंदिर के सुरक्षा व्यवस्था प्रभारी जयंत राठौर ने जांच के दौरान एक युवक को शीघ्र दर्शन कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते हुए पकड़ा है। आपोरित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, आरोपित युवक का नाम अजय है, जो कि गोलामंडी निवासी अनिल बैरागी का पुत्र है। युवक दिल्ली से आए 7 श्रद्धालुओं को शीघ्र दर्शन की टिकट पर दर्शन करने ले जाते हुए पकड़ा। आरोपित ने इसके लिए दूसरे की टिकट का उपयोग किया था। वहीं, दर्शन करवाने के बदले श्रद्धालुओं से 1100-1100 रुपये की मांग की थी। लेकिन सुरक्षा प्रभारी ने युवक को पकड़ लिया। महाकाल थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि शुक्रवार को अभिषेक साहू, आदित्य कुशवाह, तनिष्क गुप्ता, पीयूष गुप्ता, निवासी बांधवगढ़, उमरिया व रवि शंकर कुमार, प्रीति निवासी शाहदरा दिल्ली और एक अन्य श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर के दर्शन करने के लिए उज्जैन आए थे। यहां सभी दोपहर में बड़ा गणेश मंदिर के बाहर खड़े थे। उसी दौरान फूल-प्रसाद बेचने वाले राजकुमार नामक युवक से उन्होंने दर्शन के बारे में पूछताछ की थी। इस पर राजकुमार ने अजय को बुलाया था। फूल-प्रसाद बेचने वालों की मिलीभगत थाना प्रभारी ने बताया कि अजय ने उन्हें झांसे में लेकर दर्शन और अभिषेक के नाम पर 1100-1100 रुपये की मांग की थी।

यूजी-पीजी में प्रवेश लेने तीस फीसदी आवेदन ही पहुंचे बीयू

उच्च शिक्षा विभाग छह तक कराएगा पंजीयन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। रविवार पंजीयन कराने का अंतिम दिन था। अंतिम तिथि तक करीब 400 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। जबकि बीयू की 1200 सीटें हैं। इस हिसाब से बीयू को तीस फीसदी ही आवेदन मिल सके हैं। बीयू के करीब दो दर्जन विभागों में करीब एक हजार 200 सीटों पर प्रवेश होना है। इसमें बीएएलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर और एमए क्लीनिकल सायकलाजी में प्रवेश सिर्फ सीयूईटी से ही दिए जाएंगे। जबकि अन्य कोर्स की 75 फीसदी सीट पर नान सीयूईटी और 25 फीसदी सीयूईटी से प्रवेश दिए जाएंगे। रविवार को पंजीयन करने का अंतिम दिन था। यूजी और पीजी में करीब 400 पंजीयन हुए हैं। इसमें यूजी में 150 और पीजी में करीब 265 ने पंजीयन कराया है। बीयू सोमवार को मेरिट के साथ सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी तीन से पांच जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। इसके बाद रिक्त सीटों पर प्रवेश देने के लिए दूसरे राउंड की काउंसलिंग में चार से 12 जून तक पंजीयन और सत्यापन होंगे। 13 जून को मेरिट जारी कर सीटें आवंटित होंगी। विद्यार्थी 14 से 16 तक फीस जमा कर प्रवेश पुख्ता करेंगे।

ढाई लाख पहुंचा यूजी-पीजी का पंजीयन

प्रदेश के 562 सरकारी और 364 निजी कालेज काउंसलिंग के पोर्टल से जोड दिए गए हैं। उक्त कालेजों के यूजी पीजी में प्रवेश लेने के लिए ढाई लाख हजार पंजीयन हो चुके हैं। जबकि दो लाख ने अपना सत्यापन करा लिया है। एक लाख 90 विद्यार्थियों ने च्वाइस लॉक हो चुकी हैं। जहां नये विद्यार्थी छह तक पंजीयन करा सकेंगे। वहीं वंचित विद्यार्थी सात जून तक सत्यापन करा सकेंगे। विभाग 12 जून को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी 13 से 18 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थी उक्त तिथि में फीस जमा नहीं करते हैं, तो उनके प्रवेश मान्य नहीं होंगे। भुगतान के अभाव में उनके प्रवेश नहीं माने जाएंगे।

एनसीटीई कोर्स में 78 हजार पंजीयन

विभाग ने एनसीटीई के कोर्स जैसे बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड, अंशकालीन बीएड और राच्य शिक्षा केंद्र का बीएड में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में अब छह जून तक पंजीयन और सत्यापन सात जून तक कर सकेंगे। अभी तक एनसीटीई कोर्स में 78 हजार विद्यार्थियों का पंजीयन कर चुके हैं। इसमें 55 हजार का सत्यापन हो सका है। विभाग नौ जून को मेरिट जारी करेगा। विभाग 12 जून को प्रवेश आवंटित करेगा। 13 से 18 जून तक मूल दस्तावेज, टीसी माईग्रेशन का भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंग इनिशिएट कराएंगे। विद्यार्थी 14 से 19 जून तक प्रवेश ले पाएंगे।

बसों की चेकिंग अभियान चलाकर कमी मिलने पर कार्यवाही करें : कलेक्टर

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए
खाद्य सुरक्षा अधिकारी को कोलड्रिंग्स एवं पेय पदार्थों के नमूने लेने के निर्देश
कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक संपन्न

जागरण, छतरपुर । कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल प्रकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एसडीएम सहित निकायों के सीएमओ एवं जनपदों के सीईओ एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री जैसवाल ने कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया की पंचायतों में बैठक कर विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को आधुनिक उन्नत कृषि के बारे में जारकारी दें और किसान ऐप के माध्यम से योजनाओं से होने वाले लाभ के बारे में बताएं।

कलेक्टर ने आरटीओ को निर्देश दिए कि सवारी बसों एवं स्कूल बसों की चेकिंग करने के लिए अभियान चलाएं और फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा, एवं परमिट एक्सपायर होने पर निरस्तीकरण की कार्यावाही करें। साथ ही ब्लैक स्पॉट्स एवं हिट एंड रन की जानकारी प्रस्तुत करें। इसके अलावा गुड्स सेमेरिटन के तहत राहगीर योजना के पास्टर्स एवं बैनर लगाकर प्रचार प्रसार करें। इसके अलावा एसडीएम को वर्षाकाल के पूर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक करने के निर्देश दिए।

ईकेवाईसी में कम प्रगति पर जेएसओ की वृद्धि रोकने के निर्देश : कलेक्टर ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के तहत पात्र हितग्राहियों की ईकेवाईसी की समीक्षा करते हुए कहा कि निकायों एवं जनपदों में बॉटम में 10 रहने वाले दुकानदारों पर निलंबन की कार्रवाई करें। उन्होंने एसडीएम बक्सवाहा बिजावर एवं राजनगर को ईकेवाईसी में गति बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही बिजावर की प्रगति अत्यंत खराब होने पर जेएसओ की दो वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कोऑपरेटिव से उपस्थित मैनेजर अकाउंट को टीएल की जानकारी न दे पाने पर शोकोज जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हाउस एवं सीएम मॉनिट की शिकायतों की समीक्षा करते हुए बची हुई शिकायतों का निराकरण करते हुए शीघ्र बंद कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की मई माह की ग्रेडिंग में 50 दिवस से अधिक को लंबित शिकायतों में खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि अगली टी.एल. तक ग्रेडिंग में सुधार न होने पर 2 वेतन वृद्धि रोकी जाएगी। कलेक्टर ने आधार से समग्र ई केवाईसी एवं डुप्लीकेट समग्र की समीक्षा करते हुए जनपद सीईओ नौगांव, बिजावर एवं नपा सीएमओ छतरपुर एवं हरपालपुर को सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही सुधार ना लाने पर महाराजपुर सीएमओ की 1 वेतन वृद्धि रोकने एवं बिजावर सीएमओ को शोकॉज जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों और निकायों में 30 जून तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना है, इसके लिए आधार से समग्र ई केवाईसी का अभियान निरंतर चलता रहे। कलेक्ट ने ई ऑफिस प्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को फाइल ई ऑफिस के माध्यम से बढ़ाने के निर्देश दिए और शून्य फाइल मूवमेंट वाले विभागों को अगले हफ्ते तक इलेक्ट्रॉनिक फाइल मूवमेंट कराने के लिए कहा। साथ ही कलेक्टर ने पीआईयू विभाग के अधिकारी को बिजावर में 30 विस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगले हफ्ते तक हर हाल में कार्य प्रारंभ करने के लिए कहा, प्रारंभ न होने पर कार्यवाही के लिए कहा। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए जल निगम महाप्रबंधक को बिजावर, लवकुशनगर, तरपेड़, कुटने राजनगर एवं गर्रोली में पाइप लाइन बिछाने के कार्य में गति लाने और उच्च स्तरीय टंकी कुटने राजनगर में एक भी टंकी का कार्य पूर्ण ना होने पर नाराजगी जाहिर की और प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही घरेलू नल कनेक्शन में बक्सवाहा में गति बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही बारिश से पहले पाइप लाइन एवं रोड रेस्टोरेशन के कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आशाओं को आयुष्मान बनाने के संबंध में लोगों को प्रेरित करने के निर्देश : कलेक्टर ने जनपदों में कैंप लगाकर समग्र के साथ आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग को कोल्ड ड्रिंक्स, बारिश के कारण पेय पदार्थों की सैंपलिंग की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शहर के अलावा विकासखंडों में भी सैंपलिंग की कार्यवाही करें। साथ ही सीएमएचओ को 70 प्लस आयुष्मान कार्ड में सभी आशाओं के साथ बैठक करके जनपदों में विजिट करने और एवं प्रेरित करने के निर्देश दिए और झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही ना करने पर सीएमएचओ को शोकॉज जारी करने के भी निर्देश दिए।

साधु संतों का कमंडल और सुंदरकांड मंडल बनाएगा भारत को हिंदू राष्ट्र

बागेश्वर महाराज ने देश भर के सुंदरकांड मंडल प्रतिनिधियों से किया संवाद

जागरण, छतरपुर । इस समय हर गांव, मोहल्ले और शहर में बागेश्वर धाम सुंदरकांड मंडल गठित करने का अभियान चल रहा है। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मार्गदर्शन में चल रहे इस कार्य के तहत विगत रोज छतरपुर में देश भर के गठित किए गए सुंदरकांड मंडलों के प्रतिनिधियों का एकदिवसीय महा सम्मेलन आयोजित हुआ। बागेश्वर महाराज ने मंडलों के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि साधु संतों के कमंडल और बागेश्वर धाम सुंदरकांड मंडलों के सहयोग से भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महान संतों और महापुरुषों ने जो परंपराएं चलाईं वे आज भी चल रही हैं भले ही वे महापुरुष अब इस दुनिया में नहीं है। शहर के सागर रोड में स्थित सिद्धि मैरिज गार्डन में बागेश्वर धाम शिष्य मंडल एवं वर्तमान में देशभर में गठित किए गए बागेश्वर धाम सुंदरकांड मंडलों के प्रतिनिधियों का एकदिवसीय महासम्मेलन आयोजित हुआ। परंपरागत रूप से शुरू हुये इस महासम्मेलन में महाराज श्री ने हनुमान चालीसा का पाठ कराकर सबकी वाणी पवित्र कराई। उन्होंने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा कि सुंदरकांड मंडलों के गठन से न केवल एकता का भाव पैदा होगा बल्कि भेदभाव मिटेगा। एक जुट होने से विधर्मियों को चोट पहुंचेगी। बालाजी की कृपा से सुंदरकांड मंडल से जुड़े लोगों के परिवार व्यसन मुक्त होंगे, जीवन सार्थक होगा। उन्होंने सप्ताह में एक बार सुंदरकांड पाठ करने का आह्वान किया। महाराज जी ने कहा कि जब कोई संकल्प घर से शुरू होता है तो वह दुनिया में फैलता है, हिंदू राष्ट्र बनाने का संकल्प भी ऐसा ही है।

सौतेले बेटों ने किया महिला पर जानलेवा हमला

महिला की हालत गंभीर, जांच में जुटी पुलिस

जागरण, छतरपुर । शहर के पठापुर रोड पर रविवार सुबह एक सनसनीखेज घटना में एक महिला के ऊपर उसके सौतेले बेटों ने चाकू और तलवार से हमला कर दिया। हमले में महिला को सिर, हाथ और पैरों पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद पड़ोसियों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देरी गांव के पूर्व सरपंच कौशलेंद्र सिंह ने दो विवाह किए हैं। वर्तमान में वे अपनी दूसरी पत्नी के साथ पठापुर रोड पर रहते हैं। कौशेन्द्र सिंह किसी काम से प्रयागराज गए हुए थे। रविवार की सुबह उनकी दूसरी पत्नी ममता सिंह घर के बाहर झाडू लगा रही थी, तभी कौशलेन्द्र की पहली पत्नी के पुत्र दीपराज और मानवेंद्र ने तलवार और चाकू से ममता सिंह पर हमला कर दिया। इस हमले में ममता को सिर, हाथ और पैरों पर गंभीर चोटें आईं। पड़ोसी कुलदीप ताम्रकार ने घायल ममता को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने उनका प्राथमिक उपचार किया गया। घायल ममता सिंह ने बताया कि उनके पति ने शादी के समय खुद को अविवाहित बताया था। शादी के बाद उन्हें पति की पहली पत्नी कमल और दो बेटों, दीपराज और मानवेंद्र, के बारे में पता चला। कमल और उनके बेटे पहले भी ममता के मकान पर कब्जा करने की कोशिश कर चुके हैं। ममता ने इस संबंध में पहले भी सिटी कोतवाली में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं सिटी कोतवाली टीआई अरविंद दांगी ने बताया कि ममता की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आगामी ईदुज्जुहा पर्व के मद्देनजर जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न

छतरपुर । आगामी 7 जून 2025 को ईदुज्जुहा पर्व के मद्देनजर कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एएसपी विदिता डागर, संयुक्त कलेक्टर बलवीर रमन, एसडीएम अखिल राठौर, सीएसपी अमन मिश्रा, सीएमओ माधुरी शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक में शांति पूर्ण ढंग से त्योहार को मनाने के संबंध में एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सदस्यों द्वारा चर्चा कर सर्व सम्मति से निर्णय लिए गए। जिला प्रशासन द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी छतरपुर को नगर में ईदगाह,कोठी पहाड़ मस्जिद, पुरानी ईदगाह, पुरानी जामा मस्जिद, नई जामा मस्जिद पुलिस लाईन की साफ-सफाई व्यवस्था के आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यपालन यंत्री, विद्युत विभाग को त्यौहार के दिन बिजली कटौती न होने के संबंध में निर्देशित किया गया। साथ ही पीएचई विभाग को पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएसपी छतरपुर द्वारा बताया गया कि किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दे अगर कोई भी घटना होती है तो तत्काल पुलिस को सूचना दे।साथ ही ट्रैफिक प्रभारी को ईदुज्जुहा नमाज के समय यातायात व्यवस्था सुगम बनाये रखने के संबंध में निर्देशित किया गया।

धोखाधड़ी कर खरीदी जा रही आदिवासियों की जमीन, दिग्विजय सिंह ने घर-घर सिंदूर पर मांगा जवाब

जागरण, मंडला । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का सोमवार को मंडला आगमन हुआ. वे यहां खंडेलवाल परिवार में शोक संवेदना व्यक्त करने नैनपुर पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, 卐अभी मैं सिवनी जिले में पारासपानी ग्राम में 2 लोगों की हत्या हुई, उनके परिजन से मिलने जा रहा हूं. कल डिंडोरी जिले में था, वहां गरीब आदिवासी की जमीन धोखाधड़ी कर खरीदी जा रही है, जिसकी जांच होनी चाहिए ।

फर्जी तरीके से आदिवासियों की जमीन खरीदने का आरोप : दिग्विजय सिंह ने कहा, 卐फर्जी तरीके से आदिवासियों की जमीन ऐसे लोग खरीद रहे हैं, जिनके पास पैसा नहीं हैं. वे लोग करोड़ों की जमीन कैसे खरीद रहे हैं. खनन कारोबारी की कंपनी द्वारा गरीब बैगा आदिवासियों की लगभग 1000 एकड़ भूमि कटनी जिले के रहने वाले 4 आदिवासियों के द्वारा खरीदी गई. करोड़ों की जमीन खरीदने वाले चारों लोग खुद को गरीबी रेखा से नीचे बताकर सरकार से मुफ्त अनाज ले रहे हैं ।

घर घर सिंदूर पर मांगा जवाब : राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा, 卐घर घर सिंदूर भाजपा की योजना का क्या हुआ, हम जानना चाहते हैं? इसके बाद उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि राहुल गांधीजी ने कुछ प्रश्न उठाए, जो बुनियादी प्रश्न है. उनका उत्तर प्रधानमंत्री को देना चाहिए. क्योंकि ये हक विपक्ष के नेता का है ।

उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू का जिक्र करते हुए कहा, विपक्ष के नेता का सम्मान पंडित जवाहर लाल नेहरू करते थे. चीन की लड़ाई के बाद जब 5 संसद सदस्य, पंडित जवाहर लाल नेहरू से सदन में मिलने गए और कहा कि आप सदन की बैठक बुलाइए. जिसमें एक अटल विहारी बाजपेयी जी भी थे, जो पहली बार सांसद चुन कर सदन में आए थे. इसके बाद सदन की बैठक बुलाई गई और चर्चा भी हुई. लेकिन मौजूदा प्रधानमंत्री बैठक तो बुलाते हैं लेकिन उसमें खुद मौजूद नहीं होते हैं. आखिर क्यों वे अपनी जिम्मेदारी से दूर रहते हैं. युद्ध होता है तो नुकसान दोनों पक्ष को होता है. अगर राहुल गांधी ने पूछ लिया कि हमको कितना नुकसान हुआ है तो इसमें क्या आपत्ति है ।

आतंकी केंद्र तबाह करने पर सेना को दी बधाई : दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं हमारी सेना को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने आतंकी केंद्र पर सही निशाना लगाकर नष्ट किया. हमें गर्व है हमारी भारत की तीनों सेनाओं के ऊपर इसके साथ ही उन्होंने कहा, बॉर्डर इलाके के पुंछ में काफी घरों में नुकसान हुआ है कुछ लोग शहीद भी हुए हैं. उन लोगों से राहुल गांधी मिलने गए लेकिन प्रधानमंत्री एक बार भी नहीं गए ।

पिस्टल के साथ पकड़ा गया युवक

छतरपुर । सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सटई रोड, श्री राम कॉलोनी निवासी एक युवक को सागर रोड की गणेश कॉलोनी में हाट बाजार के चबूतरे पर अवैध पिस्टल के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि सागर रोड की गणेश कॉलोनी में हाट बाजार के चबूतरे पर सुशील मिश्रा नाम का युवक पिस्टल के साथ बैठा है। सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान सुशील मिश्रा ने अतरंगी बयान दिया और खुद को अभिनेता संजय दत्त का प्रशंसक बताते हुए पिस्टल रखने को अपना शौक बताया। थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि सुशील के पास से एक अवैध पिस्टल बरामद की गई है, और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जनपद पंचायत बजाग व करंजिया में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित

जागरण, डिंडोरी । जनपद पंचायत बजाग एवं करंजिया में गत दिवस जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान करना रहा। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु आहार अनुदान, जनधन खाता, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, केवाईसी, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड सहित बैगा जनजाति की विशेष समस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया एवं संबंधित विभागों द्वारा मौके पर निराकरण किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, सहायक आयुक्त श्री संतोष शुक्ला, जनपद पंचायत बजाग एवं करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनप्रतिनिधि, तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता की गई। बैगा जनजाति के लोगों को विशेष रूप से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने पर बल दिया गया। जन समस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर लोगों को राहत प्रदान की गई, जिससे ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और जागरूकता का वातावरण निर्मित हुआ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

टिकरवारा में पीएचई मंत्री सम्पतिया उईके हुईं शामिल

जागरण, मंडला । मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमति सम्पतिया उइके आज ग्राम टीकरवारा में आयोजित ष्विकसित कृषि संकल्प अभियानष् में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि एवं एलाइड विभागों की योजनाओं का कृषक बंधु लाभ उठायें। इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा किसान जुड़े और उन्नत तकनीक को अपनाकर कृषि को लाभ का धंधा बनाएं। उन्होंने कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों को अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, सिंचाई के आधुनिक तरीकों, फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जागरूक किया जाएगा। मंत्री श्रीमति ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता और कृषि ऋण जैसी सुविधाएं किसानों को उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने किसानों से जैविक खेती को अपनाने और जल संरक्षण को महत्व देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि और कृषि यंत्रीकरण योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में सरपंच श्रद्धा कुर्वेति, उपसंचालक कृषि मधु अली, के वीके प्रमुख श्री के वी सहारे, वैज्ञानिक श्री आर पी अहिरवार, सहायक संचालक माया रामटेके एवं अन्य सभी एलाइड विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मानवता हुई शर्मशार मां के अंदर खून की कमी पर बच्चा होते ही जिला अस्पताल से छुट्टी

जागरण, डिंडोरी । मध्य प्रदेश के डिंडोरी में जिला अस्पताल की खराब हालत बैगा जनजाति की महिलाओं पर भारी पड़ रही है। यहां अस्पताल में पर्याप्त बेड की कमी है या कर्मचारी ज्यादा दिन किसी मरीज को अस्पताल में रखना नहीं चाहते हैं। इसी वजह से इलाज पूरा होने से पहले ही उनकी छुट्टी कर दी जाती है। बीमार मरीज अपने परिजनों के साथ फर्श पर ही पड़े रहते हैं। वहीं, जब इन हालातों की शिकायत जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की जाती है तो वह झल्ला कर फोन काट देते हैं। रविवार को भी ऐसा ही मामला सामने आया है। जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा धुर्वे सिकल सेल से पीड़ित बैगा जनजाति की महिला को खून देने के लिए अस्पताल पहुंची थीं। यहां उन्होंने देखा कि जिस मरीज को वह खून देने पहुंची हैं। वह फर्श पर एक कोने में लेटी हुई है। ऐसे में उन्होंने मरीज को बेड दिलाने के लिए फोन लगाया तो जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रमेश मरावी झल्ला गए। उन्होंने कहा कि सभी मुझे ही समस्याएं बताते हैं। इसके साथ ही उन्होंने फोन काट दिया।

पीड़िता की सास ने क्या कहा : पीड़िता की सास ने बताया कि बहू को सिकल सेल है (एक तरह की बीमारी, जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं सही आकार की नहीं होती हैं)। कुछ दिन पहले ही वह मां बनी है, लेकिन अब उसकी छुट्टी कर दी गई है। कुशियां बाई बैगा ने बताया 卐हम दस किलोमीटर दूर दुलोपुर गांव के रहने वाले हैं। बहू चमनिया बाई सीवियर सिकल सेल से पीड़ित है। डिलेवरी के दौरान उसे पांच बॉटल खून भी चढ़वाया गया था। उसे अभी भी खून की जरूरत है।

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने महिलाओं के साथ तैयार किए सीड बॉल

जागरण मंडला । मंडला विकासखंड अंतर्गत ग्राम मानादेई में जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'बीजांकुर (बीज से वृक्ष तक)' के तहत ग्राम की महिलाओं द्वारा बड़ी संख्या में 'सीड बॉल' (बीज बॉल) तैयार की जा रही हैं। इन सीड बॉल्स को आगामी वर्षा ऋतु में रोपित किया जाएगा, यह जिले में हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सोमवार को कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट ने स्वयं ग्राम पंचायत मानादेई पहुंचकर महिलाओं के साथ सीड बॉल निर्माण कार्य में सहभागिता की। अधिकारियों ने महिलाओं के इस प्रयास की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसडीएम सोनल सिडाम, एसी ट्रायबल श्रीमति वंदना गुप्ता, उप संचालक कृषि मधु अली, एलडीएम सुजय कुमार, जिला प्रबंधक नाबार्ड देवब्रत पाल सहित समस्त जिला अधिकारी ने भी सीड बॉल बनाएं। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि ग्राम की महिलाओं को स्वरोजगार और सामुदायिक भागीदारी के अवसर भी प्रदान कर रही है। 'बीजांकुर' कार्यक्रम जिला प्रशासन की दूरदर्शिता और जनभागीदारी के माध्यम से विकास को गति देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस प्रकार के प्रयासों से निश्चित रूप से जिले में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

MP BIRLA GROUP

विंध्या टेलीलिंक्स लिमिटेड
सीआईएनः L31300MP1983PLC002134
पंजीकृत कार्यालयः उद्योग विहार, पो.ओ. चोरहटा, रीवा – 486 006 (म.प्र.)
टेलीफोन नंबरः +91–7662–400400; फैक्स नंबरः +91–7662–400591
ई–मेलः headoffice@vtlrewa.com; वेबसाइटः https://www.vtlrewa.com

इक्विटी शेयरधारकों हेतु सूचना

कम्पनी के अदत्त/अदावित लाभांश और इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) को अंतरण

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 के साथ पठित निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखांकन, लेखापरीक्षा, अंतरण और वापसी) नियमावली, 2016, समय समय पर संशोधित, ("आईईपीएफ नियमावली") के अनुसरण में ऐसे सभी शेयर, जिनके संबंध में सात (7) लगातार वर्षों अथवा अधिक से लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है अथवा मांग नहीं की गई है, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ) में अंतरित किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु उन सभी अदत्त अथवा अदावित लाभांश और संगत इक्विटी शेयर्स का विवरण यहां नीचे दिया गया है, जिनके संबंध में सात (7) लगातार वर्षों अथवा अधिक से लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है/मांग नहीं की गई है तथा आईईपीएफ को अंतरित किए जाने हैं:

लाभांश वर्ष	लाभांश की घोषणा की तिथि	आईईपीएफ को अंतरण हेतु नियत तिथि
2017–18	31/07/2018	05/09/2025

जिन संबंधित शेयरधारकों का लाभांश सात (7) लगातार वर्षों से अदत्त अथवा अदावित रहा है, कम्पनी उनको व्यक्तिगत सूचना(एं), डिपॉजिटरीज/रजिस्ट्रार ऐंड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट्स के पास उनके अंतिम उपलब्ध पते पर प्रेषित कर चुकी है, जिसमें आईईपीएफ को अंतरित किए जाने के भागी अदत्त/अदावित लाभांश और शेयरों का पूरा विवरण दिया गया है। कम्पनी इन शेयरधारकों तथा आईईपीएफ खाते में अंतरित किए जाने योग्य लाभांश/शेयरों का विस्तृत विवरण अपनी वेबसाइट https://www.vtlrewa.com पर अपलोड कर चुकी है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि आईईपीएफ खाते में अंतरित किए जाने के भागी शेयरों तथा अदत्त/अदावित लाभांश के विवरण का सत्यापन करने के लिए उपरोक्त वेबसाइट पर "Investor Relation" शीर्षक देखें।

इस संबंध में, कृपया निम्नलिखित नोट करें:

(क) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यः इनको आईईपीएफ को अंतरित करने के उद्देश्य हेतु सदस्यों द्वारा धारित मूल शेयर सर्टिफिकेट(स) के स्थान पर एक पुष्टि पत्र जारी किया जाएगा तथा उक्त मूल शेयर सर्टिफिकेट(स) स्वतः निरस्त और अपरक्राम्य हो जाएंगे। पुष्टि पत्र जारी करने के बाद, कम्पनी इन भौतिक शेयर्स को अभौतिक (डिमैटीरियलाइज्ड) रूप में परिवर्तित करने और आईईपीएफ अथॉरिटी को अंतरित करने के लिए कार्पोरेट कार्यवाही द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी।

(ख) डीमैट रूप में शेयर रखने वाले सदस्यः कम्पनी इन शेयर्स को आईईपीएफ अथॉरिटी के डीमैट खाते में अंतरित करने के लिए कार्पोरेट कार्यवाही द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी।

शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि अपने अदत्त/अदावित लाभांश की मांग करने हेतु अपना अनुरोध प्रपत्र आईएसआर–1 में उसमें विनिर्दिष्ट समर्थन दस्तावेजों के साथ तत्काल कम्पनी के रजिस्ट्रार ऐंड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट्स (आरटीए), एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्रा. लि. (पूर्वतः लिंकइनटाइम इंडिया प्रा. लि. के नाम से ज्ञात), सी–101, एम्बेसी 247 पार्क, एलबीएस मार्ग, विखरोली (वेस्ट) मुंबई–400083, फोन +91–22–49186000, ई–मेल आईडीः rnt.heldesk@in.mpms.mufg.com को भेज दें। निवेशक सेवा अनुरोध प्रपत्र आरटीए की वेबसाइट https://in.mpms.mufg.com →Resources→ Downloads→KYC →Formats for KYC पर उपलब्ध हैं।

यदि अंतरण की नियत तिथि तक कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो कम्पनी आईईपीएफ नियमावली की अपेक्षाओं के अनुपालन की दृष्टि से, निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए, आगे और कोई सूचना दिए बिना, सात (7) लगातार वर्षों से अदत्त/अदावित लाभांश और संगत शेयर आईईपीएफ खाते में अंतरित कर देगी। ऐसे शेयरों पर आगे उद्भूत होने वाला कोई भी लाभांश आईपीएफ खाते में क्रेडिट किया जाएगा। उक्त आईईपीएफ नियमावली के अनुसरण में आईईपीएफ खाते में अंतरित की गई अदत्त/अदावित लाभांश राशि तथा शेयरों के संबंध में कम्पनी के विरूद्ध कोई दावा मान्य नहीं होगा।

तथापि, शेयरधारक लाभांश तथा संगत शेयर दोनों, ऐसे शेयरों पर उद्भूत होने वाले सभी लाभों सहित, यदि कोई, आईईपीएफ प्राधिकरण से, आईईपीएफ नियमावली के अनुसार तथा उसमें निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करके, वापस मांग सकते हैं। शेयरधारक इस संबंध में www.iepf.gov.in पर उपलब्ध विस्तृत विवरण भी देख सकते हैं।

वास्ते विंध्या टेलीलिंक्स लिमिटेड

हस्ता./–
(दिनेश कपूर)
कम्पनी सचिव

स्थान : रीवा (म.प्र.)
तिथि : 02/06/2025

यादव महासभा ने किया विशाल विरोध प्रदर्शन, कई संगठनों का मिला साथ

मनोज यादव के साथ मारपीट के आरोपियों पर कठोर कार्यवाही की मांग

7 दिवस का दिया अल्टीमेटम

जागरण, टीकमगढ़

बीते रोज 23 मई 2025 की रात्रि लगभग 11 बजे मनोज यादव पिता भागबल यादव निवासी बम्होरी मड़िया के साथ जिला जेल के पास रहने बाले संजय सिंह उर्फ गुड्डू गौर ओर उनके पुत्रो सहित अन्य व्यक्तियों के द्वारा जमकर मारपीट की गई थी। यह विवाद पैसों के लेनदेन को लेकर बताया गया था, जिसमे पीड़ित मनोज यादव का एक मारपीट का वीडियो भी शोसल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमे मनोज यादव के साथ गंभीर मारपीट की जा रहीं थी, जिसमे पीड़ित के मुंह और नाक-कानों से खून वह रहा था, साथ ही मारपीट करने बालो के द्वारा गोली मारने की धमकी भी दी जा रहीं थी। जिसके बाद भी उल्टा कोतवाली पुलिस ने पीड़ित मनोज यादव पर ही उल्टा मारपीट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर दिया था। जैसे ही रात्रि में मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था, तब यादव महासभा के द्वारा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौपकर मारपीट करने बाले आरोपी संजय सिंह गौर उर्फ गुड्डू, युवराज सिंह गौर, आदित्यराज सिंह, जितेंद्र ठाकुर एवम गगन सोनी पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज करने और कोतवाली पुलिस द्वारा मारपीट करने बालो से सांठगांठ कर मनोज यादव पर फर्जी मामला दर्ज करने के मामले में जो भी पुलिस कर्मी की साठगांठ हो उन पुलिस कर्मी को बर्खास्त करने की मांग की थी, साथ ही मारपीट करने बाले व्यक्तियों द्वारा शासकीय जमीन पर बनाये गए मकान को तोड़ने, उकने शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने एवम पीड़ित मनोज यादव पर दर्ज किए गए फर्जी मामले को खारिज करने की मांग की थी, जिस पर पुलिस के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नही करने के मामले में आज यादव महासभा ने विशाल विरोध प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा है, जिसमे यादव महासभा के साथ ओबीसी महासभा, भीम आर्मी, मांझी समाज, बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ, यादव संगठन, आजाद समाज पार्टी, ओबीसी जनकल्याण संघ सहित अन्य संगठनों ने मनोज यादव को न्याय दिलाने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए एकजुट होकर एक विशाल प्रदर्शन किया है। जिसमे आज चकरा स्थित एक निजी गार्डन में सभी लोग एकजुट हुए जंहा पर एक सभा का आयोजन किया गया, जिसके बाद कलेक्टर कार्यालय तक सभी के द्वारा पैदल मार्च किया गया औऱ कलेक्टर को ज्ञापन सौपा गया। जिसमे यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर पुष्पेंद्र यादव, यादव महासभा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र यादव वीरपुरा, ओबीसी जनकल्याण के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार यादव सेसई, यादव समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेश सिंह यादव, पूर्व विधायक अजय यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अभय यादव, जतारा जप. अध्यक्ष महेश यादव, प्रमोद यादव नदिया, मुन्नीलाल यादव, ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष दीनदयाल कुशवाहा, बीड़ी यादव एडवोकेट, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष संजू चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने हजारों लोगों के साथ कलेक्टर विवेक श्रोतिय को एक ज्ञापन सौपा है। जिसमे मारपीट के सभी आरोपियों पर धारा 307 के तहत मामला दर्ज करने, एवम दोषी कोतवाली प्रभारी पंकज शर्मा, आरक्षक मनीष भदौरिया को बर्खास्त करने की मांग उठाई, साथ ही शासकीय जमीन पर बनाये गए मकान तोड़ने और शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की मांग उठाई है, इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि अगर प्रशासन और पुलिस उक्त कार्यवाही 7 दिवस के भीतर कार्यवाही नही करता है तो प्रदेश स्तर पर एक विशाल आंदोलन कर सीएम हाउस का घेराव किया जाएगा । इस दौरान यादव महासभा के प्रदेश सचिव, कमलेश यादव कारी, युवा जिलाध्यक्ष सचिन यादव, राहुल यादव घाट खिरिया, जैकी यादव, चीकू यादव, राजू यादव नीमखेरा, रामेश्वर यादव सरपंच, घनेन्द्र यादव सरपंच, सरदार यादव सरपंच, मुखिया यादव शिवराजपुर, सहित हजारो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

इनका कहना है

इस सम्बंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम ससत्या ने बताया कि जो भी उचित मांगे उनकी होंगी जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

समर कैंप के नाम पर रीवा के रहने वाले 6 अतिथि विद्वानों को कर दिया कार्यमुक्त

सीएम हेल्प लाइन में पहुंची शिकायत

जागरण, रीवा। कुछ अतिथि विद्वानों की समर कैंप में संलग्नता पर एडी रीवा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। शिकायत सीएम हेल्पलाइन में करने के साथ कार्यवाही की मांग की गई है। शिकायत में बताया गया कि रीवा के रहने वाले 6 अतिथि विद्वानों को समर कैंप के नाम पर डेढ़ माह तक के लिए कार्यमुक्त करा दिया गया और वह समर कैंप में भी नहीं पहुंच नहीं रहे। इससे अन्य अतिथि विद्वानों में आक्रोश पनप रहा है। हालांकि एडी ने कहा कि विवि की मांग पर उन्हें संलग्न किया गया था, यदि वह समर कैंप में नहीं जा रहे तो जांच के बाद उन्हें वापस कर दिया जायेगा। बताया गया है कि रीवा रहने वाले अतिथि विद्वान डॉ.विजय प्रताप सिंह जो कि शासकीय महाविद्यालय नौरोजाबाद, डॉ.विजय सिंह शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां, डॉ.अजय सिंह शासकीय महाविद्यालय बदेरा, डॉ.अर्चना गौतम शासकीय महाविद्यालय ब्योहारी, डॉ.पूजा गर्ग शासकीय महाविद्यालय मड़वास, डॉ.ऋतु मिश्रा शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में कार्यरत हैं, इनको कार्यमुक्त किया गया है।

विवि के पत्र के आधार पर समर कैंप के लिए अतिथि विद्वानों को कार्यमुक्त किया गया है। समर कैंप नहीं चल रहा है तो इसकी जांच की जाएगी और कार्यमुक्त अतिथि विद्वानों को वापस भेजा जाएगा।

डॉ.आरपी सिंह
एडी रीवा

प्राध्यापकों की ड्यूटी खेल में लगाई

बता दें कि एडी रीवा की कार्यप्रणाली पर सवाल इसलिए भी खड़ा किया जा रहा है क्योंकि उनके द्वारा विवि द्वारा स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे समर कैंप के नाम पर प्राध्यापकों की ड्यूटी लगा दी गई। जबकि उनका खेल गतिविधियों से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। ऐसे में वह क्या प्रशिक्षण देंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि प्राध्यापक अतिथि विद्वान लेने ही थे तो वह भी रीवा शहरी क्षेत्र व आस-पास के कई कॉलेज के अतिथि विद्वान जहां परीक्षाएं नहीं हो रही हैं, वहां से लिए जा सकते थे लेकिन उनके द्वारा चिन्हित महाविद्यालयों से अपने चहेते अतिथि विद्वानों की ड्यूटी लगा दी गई।

घर से लगा रहे हाजरी

शिकायत कर्ता ने बताया है कि विवि द्वारा समर कैंप के नाम पर केवल अतिथि विद्वानों को लाभांवित करने का काम किया गया है, ताकि वह गर्मी में अपने घर में रह सकें। समर कैंप के नाम पर 5 मई से 25 जून तक की ड्यूटी लगाई गई है , जबकि 5 मई को कोई समर कैंप विवि में शुरू ही नहीं हुआ था और अब भी प्रशिक्षण नहीं चल रहा है। अतिथि विद्वान घर से हाजरी लगा रहें हैं, उनके लोकेशन की जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा। डेढ़ माह के समर कैंप पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया गया कि इन अतिथि विद्वानों को लगातार एडी रीवा द्वारा किसी न किसी कार्य का बहाना लगाकर कार्यमुक्त कर दिया जाता है। जबकि रीवा एडी क्षेत्र में अन्य सैकड़ों की संख्या में अतिथि विद्वान कार्यरत हैं।

डॉ.अमित भारत श्री 2025 से किए गए सम्मानित

रीवा। अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन एवं भव्या फाउंडेशन की ओर से 1 जून को सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय जयपुर मे आयोजित देश, विदेश व प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल करने वाले लगभग 200 लोगों को भारत श्री सम्मान 2025 अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन मे रीवा से चयनित किए गए पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय बैकुंठपुर एवं वर्तमान में कार्यरत प्राध्यापक शासकीय टीआरएस कॉलेज डॉ.अमित शुक्ला को भारत श्री अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड साहित्य, अनुसंधान, समीक्षा तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदत्त किया गया है। इसके पूर्व भी इन्हें अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अलंकृत व सम्मानित किया जा चुका है। इनकी इस उपलब्धि पर अनेक शुभ चिंतकों ने बधाई व शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

लक्ष्य दीपांकर का सैनिक स्कूल में चयन

जागरण, रीवा। दीप ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरा के होनहार छात्र लक्ष्य दीपांकर पिता अमित दीपांकर का चयन कक्षा 6 के लिए सैनिक स्कूल में हुआ है। लक्ष्य ने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इसके पूर्व लक्ष्य का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर के लिए हुआ था। लक्ष्य ने अपने लक्ष्य को हासिल करने हेतु कठिन परिश्रम करते हुए सफलता हासिल की है। छात्र की सफलता पर विद्यालय के संचालक प्रदीप तिवारी, सह-संचालक सौरभ तिवारी, प्राचार्य राजेंद्र सिंह, बृजेंद्र मिश्रा व शिक्षक गण मुनेश तिवारी, रजनी मिश्रा, सुधा तिवारी, अरुणा द्विवेदी ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

बगैर ई-केवायसी के नहीं मिलेगा खाद्यान्न

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने विभागीय अधिकारियों को विभिन्न स्तर पर विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए निर्देशित करते हुए कहा है कि प्राथमिकता के साथ सही व सटीक प्रतिवेदन दर्ज कर शिकायतों का निराकरण कराएं। आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दृष्टिगत समाधान के विषयों सहित 100 दिवस से अधिक समय की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण तथा समय सीमा में लोक सेवा गारंटी एवं वर्तमान माह में प्राप्त शिकायतें भी निराकृत की जाएं। राजस्व विभाग द्वारा आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज प्रकरणों विशेषकर सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की भी प्रभावी कार्यवाही की जाए। साथ ही स्वामित्व योजना में वांछित प्रगति लाना सुनिश्चित करें। टीएल और जनसुनवाई पत्रों का भी शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

कलेक्टर श्री कुमार ने समस्त राजस्व अधिकारियों को अधीनस्थ पटवारियों की नियमित रूप से कर्त्तव्य पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए भी कहा अन्यथा ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले पटवारियों के साथ राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही होगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि डैशबोर्ड पर 16 विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर प्रदर्शित होने वाली जिले की रैंक में सुधार के लिए प्रमुख रूप से राजस्व एवं नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा अभियान मोड में कार्यवाही कर अपेक्षित प्रगति लाई जाए। वर्तमान में राजस्व विभाग अंतर्गत बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों में जिले की प्रगति कम है। इसी तरह स्वरोजगारमूलक विभागों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को माहवार लक्ष्य निर्धारित कर स्वीकृत प्रकरणों के वितरण के निर्देश भी दिए। इस संबंध में जिला अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को लक्ष्य वितरण के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके अलावा लीड बैंक प्रबंधक को भी आगामी 19 जून के पूर्व समस्त बैंकर्स को हितग्राहीमूलक योजनाओं में ऋण प्रकरणों का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एमपी टॉस पोर्टल अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रकरणों की स्वीकृति व वितरण तथा स्थानीय निकायवार समग्र ई-केवायसी प्रगति की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा बैंकर्स को वसूली कैंप शिविर के कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। साथ ही एमएलसी एवं पोस्टमॉर्टम की थानावार ऑनलाइन रिपोर्ट की नवीन प्रक्रिया, एसडीएम तहसीलदार द्वारा प्रतिबंधात्मक एवं बाउण्ड ओवर कार्यवाही में तत्परता, आगामी 12 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में सागर में प्रस्तावित समीक्षा बैठक के लिए समय पूर्व जरूरी तैयारी, आगामी तीन माह मे सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण, बरसात पूर्व नालों की सफाई, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतीकस्वरूप पौधरोपण की तैयारी, श्री जुगल किशोर लोक का कार्य प्रारंभ करने के पूर्व शेष अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई इत्यादि के संबंध में भी चर्चा की गई।

जिले को कुपोषणमुक्त बनाने की दिशा में करें सार्थक प्रयास : कलेक्टर ने कहा कि जिले को कुपोषणमुक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जाए। इसके लिए सभी पोषण पुनर्वास केन्द्रों को प्रभावी बनाने की कार्ययोजना पर कार्य करें। अधिकारी अपने निरीक्षण के दौरान एनआरसी की व्यवस्था व सुविधाओं का अवलोकन करें। एसडीएम निरीक्षण के दौरान केन्द्रों में उपचाररत कुपोषित बच्चों के डिस्चार्ज के तत्काल बाद भर्ती होने वाले कुपोषित बच्चों के संबंध में वांछित जानकारी रखें। किसी भी स्थिति में यह प्रयास हो कि गर्भावस्था के प्रारंभ से ही महिलाओं को समुचित जांच व उपचार की सुविधा मिले।

जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई में रहें उपस्थित : जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में सभी जिलाधिकारी अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर संवेदनशीलता के साथ आम जनता की शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। इस दौरान समयबद्ध रूप से आवेदक की समस्या का निराकरण किया जाए और विधिवत पंजी संधारित कर आवेदनों का इन्द्राज भी किया जाए। लोगों से सुगमतापूर्वक भेंट एवं संवाद कर आवेदक को आवेदन की प्राप्ति भी दें। टीएल बैठक में जिले के भीतर लोकसेवकों के स्थानांतरण के संबंध में अनिवार्य।

ई-ऑफिस पर करें नवीन फाइल का जनरेशन

कलेक्टर ने कहा कि जिले में अब तक 26 विभाग एवं शाखाएं ई-ऑफिस पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। अब इन विभाग अथवा शाखाओं द्वारा नवीन फाइल का क्रिएशन अथवा जनरेशन एवं मूवमेंट ई-ऑफिस पर सुनिश्चित कराया जाए। अवकाश संबंधी अथवा अन्य फाइलों का मूवमेंट भी ई-ऑफिस पर प्रारंभ किया जाए। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग सहित शेष 19 विभागों के अधिकारियों को ई-ऑफिस पर तत्काल ऑनबोर्ड होने के संबंध में वांछित कार्यवाही पूर्ण करने के लिए कहा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की कठिनाई के निराकरण के लिए विभागीय अधिकारी-कर्मचारी कलेक्टेªट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में संपर्क कर सकते हैं। आगामी दिवसों में विकासखण्ड और तहसील मुख्यालयों पर भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन प्रारंभ किया जाना है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल संस्थान में हुई वित्तीय समीक्षा बैठक

रीवा। सरदार वल्लभ भाई पटेल संस्थान निराला नगर में वित्तीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें 31 मार्च तक की आय एवं 31 मार्च के बाद से आज तक का मदवार विवरण एवं संस्थान में आज दिनांक तक प्राप्त सहयोग राशि के साथ आर्थिक स्वरूप की समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गयी कि 15 जून को सरदार पटेल संस्थान में नए बच्चों को प्रवेश दिए जाने हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 12:00 बजे दिन से किया गया है। सरदार पटेल संस्थान में संचालित लाइब्रेरी में सभी प्रतिभावान छात्रों को प्रवेश दिए जाने हेतु प्रचार प्रसार किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सरदार पटेल संस्थान के अध्यक्ष इंजीनियर पुष्पेंद्र सिंह डॉक्टर राजमणि पटेल डॉक्टर आरके पटेल समाज के अध्यक्ष वीरभद्र सिंह उपाध्यक्ष हीरालाल पटेल प्रवक्ता एडवोकेट राजेंद्र पटेल इंजीनियर रामजीत सिंह युवा अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह फूल सिंह डॉक्टर गोमती प्रसाद लक्ष्मण सिंह राम विशाल सिंह पुष्पेंद्र पटेल प्रदीप कुमार पटेल अभिषेक सिंह सहित ट्रस्टी व छात्र उपस्थित रहे।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने ली समय-सीमा बैठक

विभागीय कार्यों की हुई गहन समीक्षा

जागरण, डिंडोरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक का आयोजन कर जिले के विभिन्न विभागों की गतिविधियों की गहन समीक्षा की। बैठक में डीएफओ श्री पुनीत सोनकर, अपर कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। समय सीमा की बैठक में राजस्व, खनिज, कृषि, खाद्य, पर्यटन, पंचायत, वन, विद्युत सहित अन्य प्रमुख विभागों के लंबित प्रकरणों, योजनाओं की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने बैठक में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ह॥ निर्माण में उपयोग हो रहे गौण खनिजों की मात्रा, स्रोत और निकासी तिथि की स्पष्ट जानकारी प्रस्तुत करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु जिले में स्थापित चेक पोस्टों की सतत निगरानी के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और तहसीलदारों को नियमित भ्रमण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, धारणाधिकार के मामलों, तथा बसनिया बांध सर्वे की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने क्करू छ्वड्ढठ्ठद्दड्ढठ्ठ एवं क्करू छ्वत्र्ठ्ठ जैसी जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बल दिया। बैठक में कृषि विभाग के बीज की उपलब्धता एवं वितरण प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए किसानों को समय पर बीज और खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही मिलिंग प्रक्रिया, फूड क्वालिटी चेकिंग, तथा खाद्य विभाग के ई-केवाईसी और समग्र ई-केवाईसी (डुप्लीकेट सहित) की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सीएम हाउस से प्राप्त शिकायतों, तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने क्क्ल्लस्ङ्क सड़कों के किनारे वृक्षारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई, सिटी फॉरेस्ट डेवलपमेंट, तथा जिला पंचायत की स्थापना शाखा में लंबित फाइलों, जांचों और नोटिसों की समीक्षा की। विद्युत विभाग को आगामी वर्षा ऋतु की पूर्व तैयारियों विशेषकर झूलते तारों की मरम्मत एवं स्थायी समाधान के निर्देश दिए गए। नगर परिषद से संबंधित विषयों पर उन्होंने नियमित साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने नर्मदा नदी क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, जिले के पर्यटन स्थलों के विकास, तथा वनाधिकार पट्टों के वितरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रगतिरत निर्माण कार्यों को 15 जून 2025 तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने जिले में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए संबंधित विभागों को कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

MP BIRLA GROUP

बिरला केबल लिमिटेड

सीआईएन: L31300MP1992PLC007190
पंजीकृत कार्यालय: उद्योग विहार, पो.ओ. चोरहटा, रीवा-486 006 (म.प्र.)
टेलीफोन नंबर: +91-7662-400580; फैक्स नंबर: +91-7662-400680
ई-मेल: headoffice@birlacable.com; वेबसाइट: https://www.birlacable.com

इक्विटी शेयरधारकों हेतु सूचना

कम्पनी के अदत्त/अदावित लाभांश और इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) को अंतरण

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 के साथ पठित निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखांकन, लेखापरीक्षा, अंतरण और वापसी) नियमावली, 2016, समय समय पर संशोधित, ("आईईपीएफ नियमावली") के अनुसरण में ऐसे सभी शेयर, जिनके संबंध में सात (7) लगातार वर्षों अथवा अधिक से लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है अथवा मांग नहीं की गई है, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ) में अंतरित किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु उन सभी अदत्त अथवा अदावित लाभांश और संगत इक्विटी शेयर्स का विवरण यहां नीचे दिया गया है, जिनके संबंध में सात (7) लगातार वर्षों अथवा अधिक से लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है/मांग नहीं की गई है तथा आईईपीएफ को अंतरित किए जाने हैं:

लाभांश वर्ष	लाभांश की घोषणा की तिथि	आईईपीएफ को अंतरण हेतु नियत तिथि
2017-18	31/07/2018	05/09/2025

जिन संबंधित शेयरधारकों का लाभांश सात (7) लगातार वर्षों से अदत्त अथवा अदावित रहा है, कम्पनी उनको व्यक्तिगत सूचना(एं), डिपॉजिटरीज/रजिस्ट्रार ऐंड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट्स के पास उनके अंतिम उपलब्ध पते पर प्रेषित कर चुकी है, जिसमें आईईपीएफ को अंतरित किए जाने के भागी अदत्त/अदावित लाभांश और शेयरों का पूरा विवरण दिया गया है। कम्पनी इन शेयरधारकों तथा आईईपीएफ खाते में अंतरित किए जाने योग्य लाभांश/शेयरों का विस्तृत विवरण अपनी वेबसाइट https://www.birlacable.com पर अपलोड कर चुकी है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि आईईपीएफ खाते में अंतरित किए जाने के भागी शेयरों तथा अदत्त/अदावित लाभांश के विवरण का सत्यापन करने के लिए उपरोक्त वेबसाइट पर "Investor Relation" शीर्षक देखें।

इस संबंध में, कृपया निम्नलिखित नोट करें:

(क) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य: इनको आईईपीएफ को अंतरित करने के उद्देश्य हेतु सदस्यों द्वारा धारित मूल शेयर सर्टिफिकेट(स) के स्थान पर एक पुष्टि पत्र जारी किया जाएगा तथा उक्त मूल शेयर सर्टिफिकेट(स) स्वतः निरस्त और अपरक्राम्य हो जाएंगे। पुष्टि पत्र जारी करने के बाद, कम्पनी इन भौतिक शेयर्स को अभौतिक (डिमैटीरियलाइज्ड) रूप में परिवर्तित करने और आईईपीएफ अथॉरिटी को अंतरित करने के लिए कार्पोरेट कार्यवाही द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी।

(ख) डीमैट रूप में शेयर रखने वाले सदस्य: कम्पनी इन शेयर्स को आईईपीएफ अथॉरिटी के डीमैट खाते में अंतरित करने के लिए कार्पोरेट कार्यवाही द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी।

शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि अपने अदत्त/अदावित लाभांश की मांग करने हेतु अपना अनुरोध प्रपत्र आईएसआर-1 में उसमें विनिर्दिष्ट समर्थन दस्तावेजों के साथ तत्काल कम्पनी के रजिस्ट्रार ऐंड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट्स (आरटीए), एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्रा. लि. (पूर्वतः लिंकइनटाइम इंडिया प्रा. लि. के नाम से ज्ञात), सी-101, एम्बेसी 247 पार्क, एलबीएस मार्ग, विखरोली (वेस्ट) मुंबई-400083, फोन +91-22-49186000, ई-मेल आईडी: rnt.heldesk@in.mpms.mufg.com को भेज दें। निवेशक सेवा अनुरोध प्रपत्र आरटीए की वेबसाइट https://in.mpms.mufg.com→Resources→ Downloads→KYC →Formats for KYC पर उपलब्ध हैं।

यदि अंतरण की नियत तिथि तक कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो कम्पनी आईईपीएफ नियमावली की अपेक्षाओं के अनुपालन की दृष्टि से, निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए, आगे और कोई सूचना दिए बिना, सात (7) लगातार वर्षों से अदत्त/अदावित लाभांश और संगत शेयर आईईपीएफ खाते में अंतरित कर देगी। ऐसे शेयरों पर आगे उद्भूत होने वाला कोई भी लाभांश आईपीएफ खाते में क्रेडिट किया जाएगा। उक्त आईईपीएफ नियमावली के अनुसरण में आईईपीएफ खाते में अंतरित की गई अदत्त/अदावित लाभांश राशि तथा शेयरों के संबंध में कम्पनी के विरूद्ध कोई दावा मान्य नहीं होगा।

तथापि, शेयरधारक लाभांश तथा संगत शेयर दोनों, ऐसे शेयरों पर उद्भूत होने वाले सभी लाभों सहित, यदि कोई, आईईपीएफ प्राधिकरण से, आईईपीएफ नियमावली के अनुसार तथा उसमें निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करके, वापस मांग सकते हैं। शेयरधारक इस संबंध में www.iepf.gov.in पर उपलब्ध विस्तृत विवरण भी देख सकते हैं।

वास्ते बिरला केबल लिमिटेड

हस्ता./-
(सुमन)
कम्पनी सचिव

स्थान : रीवा (म.प्र.)
तिथि : 02/06/2025

एनटीपीसी विंध्याचल में सीएसपी एवं जिला खेल अधिकारी द्वारा जेम की

बालिकाओं को आत्म-निर्भरता और सुरक्षा की दिशा में किया गया प्रोत्साहित

जागरण, विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान 25 के अंतर्गत एक प्रेरणादायक और जागरूकता पर आधारित संवाद सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान अंबेडकर हॉल में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पी.एस. परस्ते सीएसपी एवं जिला खेल अधिकारी सिंगरौली ने भाग लिया। सत्र का उद्देश्य ग्रामीण बालिकाओं में आत्मविश्वास अनुशासन और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ाना था। श्री परस्ते ने छात्राओं को अपने जीवन के लक्ष्यों को दृढ़ निश्चय के साथ प्राप्त करने आत्म.विश्वास बनाए रखने और जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा दी। उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा और सतर्कता से जुड़े उपयोगी टिप्स भी साझा किए जिससे बालिकाएं अपने दैनिक जीवन में अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकें। इस सत्र ने बालिकाओं को खुलकर संवाद करने और अपने विचार साझा करने का अवसर दिया जिससे उनका मनोबल और आत्मबल दोनों मजबूत हुआ। इस कार्यक्रम में प्रणव वर्मा अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन माहताब आलम उप महाप्रबन्धक सीएसआर एवं आरएंडआर एवं निखिल जायसवाल कार्यपालक सीएसआर ने भी सहभागिता की और बालिका सशक्तिकरण अभियान 25 की सराहना करते हुए इन्हें ग्रामीण बालिकाओं के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत पहल बताया। एनटीपीसी विंध्याचल अपने सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण अभियान 25 के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षित सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लंबित प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सीएम हेल्प लाइन में दर्ज शिकायतों का विभागीय अधिकारी संतष्टि पूर्व करायें निराकरण

जागरण, बैढ़न। राजस्व के लंबित प्रकरणो का निराकरण सभी राजस्व अधिकारी अपने अपने अनुभागों का तत्परता के साथ पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करे। तथा सीएम हेल्प लाईन में दर्ज शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक समय सीमा के अंदर किया जाना सुनिश्चित करे। उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक के द्वारा कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा विभागीय अधिकारियों को दिया गया। कलेक्टर श्री शुक्ला ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुयें कहा कि सीमांकन वटनवारा सहित अन्य जो प्रकरण लंबित है उनका निराकरण राजस्व अधिकारी अपने अनुभागो का किया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही अभी भी वनाधिकार के तहत दिए जाने वाले पट्टो से संबंधित आवेदन लंबित है पात्र हितग्राहियों के आवेदनों का जॉच कर वन मित्र पोर्टल पर दर्ज किया जाना सुनिश्चित करे उक्त कार्य को प्राथमिकता के साथ राजस्व अधिकारी किया जाना सुनिश्चित करे। वही समग्र ई केवायसी के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अभी भी लक्ष्य के अनुसार प्रगति नही है अभियान चलाकर शत प्रतिशत ई केवायसी किया जाना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही प्रति दिवस की प्रगति प्रतिवेदन से भी अवगत कराए। कलेक्टर ने जिले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण को मद्दे नजर रखते हुयें जिलाधिकारियों को इस आशय के निर्देश दिए कि जनूएवं जुलाई में मुख्यमंत्री का भ्रमण जिले में हो सकता है ऐसे स्थिति में जो भी विकास के कार्य चल रहे है उन्हे गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये ताकि निर्माण कार्यो का लोकापर्ण मुख्यमंत्री के द्वारा कराया जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियो को इस आशय के भी निर्देश दिए कि बिना स्वीकृती के कोई भी अधिकारी अवकाश में मुख्यालय के बाहर नही जायेगें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्प लाईन एवं समाधान विंदु में दर्ज शिकायतों के निराकरण की जानकारी विभागवार लेने के पश्चात निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक किया जाये। साथ ही प्रति दिन शांय 5 बजे बैठक के दौरान निराकरण के प्रगति के संबंध में अवगत कराया जाये। वही वर्षात ऋतु को मद्दे नजर रखते हुयें ऐसे क्षेत्र जहा पर खाद्यान के वाहन के आवागमन में कठिनाई हो सकती है ऐसे स्थलो का चयन कर हितग्राहियां को तीन माह का राशन दिया जाना संबंधित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश अपर कलेक्टर पी.के सेन गुप्ता एसडीएम सृजन बर्मा राजेश शुक्ला नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की तहसीलदार सविता यादव सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

आनंद सभा के 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का समापन आज

जागरण, रीवा। स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से आनंद विभाग के सहयोग से आनंद विभाग मप्र द्वारा आयोजित सार्वभौमिक मानवीय मूल्य पर आधारित आनंद सभा का 6 दिवसीय आवासीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड क्रमांक-1 में 10 मई से लगातार प्रारंभ है। इसके चौथे चरण का समापन सोमवार को किया जाएगा। अंतिम चरण का प्रशिक्षण 3 जून से 8 जून तक चलेगा। प्रशिक्षण स्थल पर संभाग स्तर से आए प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा बताया गया कि यह प्रशिक्षण न ही छात्र-छात्राओं के सामाजिक जीवन में मानवीय मूल्यों को बढ़ाने एवं समझने में मदद करेगा वरन् इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में भी एक आनंद की अनुभूति और जीवन में सामंजस्य स्थापित करने बहुत ही आवश्यक एवं महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रशिक्षण देने के लिए आनंद विभाग द्वारा विभिन्न प्रांतों से आए प्रशिक्षित प्रोफेसरों द्वारा दिया जा रहा है। वर्तमान सत्र में रायबरेली कॉलेज में पदस्थ मोहित श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण समापन पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षा केपी तिवारी, नोडल आनंद विभाग मप्र जेपी जायसवाल, प्राचार्य उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड क्रमांक-1, देवराज सिंह प्राचार्य हरदी शंकर, वरुणेन्द्र सिंह प्राचार्य पीके स्कूल, शिवेश श्रीवास्तव व अन्य स्टाफ उपस्थित रहेगा। आनंद विभाग द्वारा रीवा के 3000 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना है, जिसमें से लगभग 500 शिक्षकों को चिन्हित किया गया है।

बाढ़ से प्रभावित होने वाले पुल-पुलियों को चिन्हित कर बोर्ड एवं बैरिकेट लगायें : शुक्ला

कलेक्टर की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

जागरण, बैढ़न। वर्षात के पूर्व ऐसे नाले नालिया एवं तालाब जहा पर जल भराव होने की संभावना बनी रहती है उन्हे चिन्हित कर अभियान चलाकर उनकी साफ सफाई कराये ताकि जल भराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाये। साथ ही अधिक वर्षा के कारण बाढ़ से प्रभावित होने वाली पुल पुलिया को चिन्हित कर बोर्ड एवं बैरिकेंट करने की व्यवस्था करे ताकि बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित आपदा प्रबंधन समिति के बैठक के दौरान कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिया गया। विदित हो कि कलेक्टर श्री शुक्ला के अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खंत्री के उपस्थिति में आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर द्वारा होमगार्ड कमान्डेंट से आपदा प्रबंधन से संबंधित सामंग्रियो के उपलंब्धता की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी समग्रिया स्टोर में उपलंब्ध रहे। जो भी कमिया हो उनसे अवगत कराये ताकि समय पर कमियों को दूर किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि प्रायः 15 जून से मानसून आने की संभावना बनती है इसके पूर्व ऐसे क्षेत्र जो बड़ी नादियो को बाढ़ से प्रभावित हो सकते है उन्हे चिन्हित कर उनकी सूची तैयार करे तथा बाढ़ के दौरान उन्हे जिन स्थलो ठहराया जायेगा ऐसे स्थलो भवनो को भी चिन्हित कर लिया जाये। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि चितरंगी क्षेत्र के ऐसे गाव जो सोन नदी के बाढ़ से प्रभावित होते है उनकी सूची तैयार कर ले। साथ ही उक्त ग्रामो के सरपंच सचिव रोजगार सहायक के साथ साथ संबंधित क्षेत्र के पटवारी को मोबाईल नम्बर भी अपने पास रखे। कलेक्टर इस आशय के भी निर्देश दिए कि ऐसे गावो के पंचायतो में अनिवार्य रूप से सूचना प्रदान करने हेतु लाउडस्पीकर अनिवार्य रूप से उपलंब्ध रहे ताकि आपातकालीन स्थिति में लाउडस्पीकर के माध्यम से आम जनता को सूचना प्रदान की जा सके। वही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि वर्षात के मौसम में होने वाले बिमारियो के रोकथाम के लिए सभी उप स्वास्थ्यों केन्द्रो में आवश्यक दवाओ का स्टाक उपलंब्ध रहे। साथ यह सुनिश्चित करे कि सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रो में सर्प दंश की दवा अनिवार्य रूप से उपलंब्ध रहे। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि बाढ़ के कारण शुद्ध पेयजल उपलंब्ध कराने के लिए सभी व्यवस्था पूर्ण करे जिसमें क्लोरीन की गोलियाए ब्लिचिंग पाउडर का भण्डारण पर्याप्त रहे तथा जल स्त्रोतो में छिड़काव भी कराये। वही अधीक्षण यंत्री विद्युत को निर्देश दिए कि वर्षात के पूर्व विद्युत लाईनों का मेटिनेश कराले ताकि वर्षात के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न होने पाये। साथ ही बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रो में कर्मचारियो की तैनाती बनाये रखे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने इस आशय के निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस की टीम संयुक्त रूप से प्रभावित होने वाले क्षेत्रो का भ्रमण करे। वही औद्योगिक कम्पनियो के द्वारा निर्मित ऐसे डैम का तकनीकी अधिकारियो के साथ परीक्षण कराये कि डैम क्षतिग्रस्त तो नही है या वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित नही होगी इसकी एनओसी संबंधित कम्पनियो से प्राप्त करे।यदि कही कोई कमी दिख रही है तो तत्काल उसकी मरम्मत कराये। उन्होने इस आशय के भी निर्देश दिए कि तैराको की सूची के साथ साथ संबंधित क्षेत्र के निवासरत आपदा मित्रो की सूची मोबाइल नम्बर के साथ तैयार कर के रखे ताकि आपाकालीन स्थिति में इनका सहयोग लिया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देश दिए कि संयुक्त भ्रमण के दौरान यह भी जानकारी ले कि कोई भी शासकीय विद्यालय या भवन जर्जर हालत में तो नही है यदि ऐसे भवन मिलते है तो उनका मरम्मत कराने की कार्यवाही कराये। साथ ही बाढ़ के दौरान पानी निकासी के लिए पर्याप्त जेसीबी मशीनो के साथ साथ मोटर पम्प की व्यवस्था बनाये रखे। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश अपर कलेक्टर पी.के सेन गुप्ता एसडीएम सृजन बर्मा राजेश शुक्ला नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा तहसीलदार सविता यादव सहित आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ साथ अन्य संबंधित अधिकारी व्हीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

फिक्स्ड दांत लगाने की आधुनिक पद्धति के बारे में दी जानकारी

रीवा। भारतीय दंत चिकित्सक संघ विंध्य शाखा की होटल विजय विलास में तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में वक्ता के रूप में इंदौर से आईं डॉक्टर प्रज्ञा पांडे ने फिक्स्ड दांत लगाने के आधुनिक पद्धति के बारे में जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में डॉ प्रज्ञा द्वारा यह भी बताया गया कि कितने और भी आधुनिक प्रकार के दांत अब लगाए जा सकते हैं, जिसे मरीजों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही तंबाकू के दुष्परिणाम एवं उसके रोकथाम पर भी चर्चा की गई। स्वागत भाषण संघ के सचिव डॉ अमित त्रिपाठी के द्वारा किया गया, वहीं आभार प्रगट संघ के अध्यक्ष डॉ मुकेश यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ नवीन मिश्रा, डॉ गीता त्रिपाठी, डॉ रंजना शुक्ला, डॉ सौरभ सिंह, डॉ रुनझुन धीरेंद्र तिवारी, डॉ रावेंद्र सिंह, डॉ नीरज गुप्ता, डॉ एसएन तिवारी, डॉ सचिन राय, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ पल्लवी श्रीवास्तव, डॉ सोनल निगम, डॉ जयपाल सिंह, डॉ रोहित सिंह, डॉ रुनझुन अग्रवाल, डॉ मोइन ओवैसी, डॉ धनेश वर्मा, डॉ करुणेश तिवारी, डॉ विवेक सिंह, डॉ रवि मिश्रा, डॉ शिव प्रताप सिंह, डॉ भूपेंद्र सिंह, डॉ पंकज अग्रवानी, डॉ बिन्नी सराफा, डॉ आकांक्षा धामीचा, डॉ राजेश सिंह, डॉ अलंकृता तिवारी, डॉ मनीष देव वर्मा, डॉ परीक्षित द्विवेदी एवं अन्य दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

ईको पार्क में हुआ 'ए डे विथ जेके' कार्यक्रम

जागरण, रीवा। जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा रीवा और सीधी क्षेत्र के ठेकेदारों के लिए 'ए डे विथ जेके' कार्यक्रम का आयोजन ईको पार्क में किया गया। यह आयोजन ठेकेदारों को जेके सीमेंट के विविध उत्पादों और सेवाओं की गहराई से जानकारी देने हेतु किया गया। यह कार्यक्रम खुली बातचीत और आपसी मेलजोल का उत्कृष्ट मंच साबित हुआ। उपस्थित ठेकेदारों की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इस पहल की सफलता को और भी प्रकट किया। आयोजन में एरिया सेल्स मैनेजर राकेश तिवारी, रिलेशनशिप मैनेजर अनुराग देव गुप्ता, टीम रीवा एवं सीधी की उपस्थिति रही। जिले के सेल्स प्रमोटर राम नाथ सिंह परिहार रामू ने सभी का अभिवादन किया। डीलर्स अतुल ट्रेडर्स एवं शुभम ट्रेडर्स सीधी की सक्रिय भूमिका भी सराहनीय रही। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से यह आयोजन सफल रहा। टीम रीवा और सीधी की ओर से सभी उपस्थित ठेकेदारों को आभार व्यक्त किया गया।

शिलांग में सम्मानित हुए डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर

रीवा। जिले के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् व साहित्यकार डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर इन दिनों अपनी साहित्यिक यात्रा पर शिलांग में हैं हिंदी और बघेली बोली के साथ विंध्य क्षेत्र व रीवा शहर का नेतृत्व कर रहे हैं। शिलांग में आयोजित 19 वें लेखक मिलन शिविर में देश विदेश में हिंदी के प्रचार-प्रसार में जुटे साहित्यकारों का समागम कार्यक्रम रखा गया जिसमें रीवा शहर के कवि डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर को पूर्वोत्तर हिंदी शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर की इस उपलब्धि पर विंध्य क्षेत्र के रचनाकारों ने शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की है।

तंबाकू के कुप्रभावों के बारे में दी जानकारी

नेशनल हॉस्पिटल में हुआ सेमिनार का आयोजन

रीवा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर नेशनल हॉस्पिटल में एक विशेष जन जागरुकता कार्यक्रम एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा तंबाकू से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर हॉस्पिटल के प्रमुख चिकित्सकों डॉ. अखिलेश पटेल, डॉ. उमेश प्रताप सिंह, डॉ. पूजा गंगवार, डॉ. रेणु सिंह, और डॉ. रवि प्रताप सिंह ने सहभागिता करते हुए उपस्थित लोगों को तंबाकू के कुप्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में अस्पताल के अन्य चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, प्रशासनिक कर्मचारी, मरीजों के परिजन एवं आमजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत तंबाकू के दुष्प्रभावों पर आधारित एक सेमिनार से हुई, जिसमें विशेषज्ञों ने तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के बारे में बताया। सेमिनार के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने एक सामूहिक संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी भी तंबाकू या उससे जुड़े किसी भी उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे, और समाज में इसके विरुद्ध जागरुकता फैलाएँगे। इस संकल्प के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ ने हाथ उठाकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। डॉ. पूजा गंगवार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह न केवल मरीजों का इलाज करे, बल्कि समाज में व्याप्त बुरी आदतों के खिलाफ आवाज भी उठाए। डॉ. उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि तंबाकू का सेवन आत्महत्या के समान है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति के शरीर को अंदर से खत्म करता है। डॉ. रवि प्रताप सिंह ने लोगों से आग्रह किया कि तंबाकू छोड़ने का संकल्प केवल एक दिन के लिए नहीं, बल्कि जीवन भर के लिए होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में अस्पताल के कर्मचारियों ने तंबाकू विरोधी स्लोगन वाले पोस्टर प्रदर्शित किए और उपस्थित जनों को तंबाकू से मुक्ति हेतु प्रेरित किया। अस्पताल प्रबंधन ने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

दो प्रतिशत महंगाई भत्ता घोषित न होने से पेंशनरों में नाराजगी

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

रीवा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन जिला रीवा के प्रवक्ता आबाद खान ने बताया कि संगठन की मासिक बैठक डाइट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष श्याम नारायण शर्मा ने की। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें प्रमुख रूप से सदस्यता अभियान जून माह में सभी सदस्यों को 5 सदस्य बनाए जाने पर सहमत व्यक्ति की। पेंशनरों के लिए दो प्रतिशत महंगाई भत्ता की सरकार के द्वारा घोषणा न करने पर पेंशनरों ने नाराजगी व्यक्त की। संगठन के जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रांतीय इकाई के आव्हान पर संयुक्त मोर्चे का गठन किया जाएगा। जो कर्मचारी सेवा निवृत्त हो रहे हैं या हो गए हैं, अगर उनके क्लेम का या अन्य किसी भी प्रकार की समस्या अगर है तो वह संगठन के पदाधिकारी को बताएं उनका निदान किया जाएगा। स्थानीय समस्याओं को लेकर कमिश्नर एवं कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा। इस महीने में जिन-जिन पदाधिकारी ने ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाएं हैं उनको सम्मानित किया गया। बैठक में नए सदस्यों का सम्मान किया गया। सेवानिवृत्त वीआर वर्मा संपरिक्षक को जिला की कार्यकारिणी में वित्तीय सलाहकार मनोनीत किया गया। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य रोहिणी प्रसाद त्रिपाठी ओ. पी सिंह परिहार डॉ नरेंद्र सिंह गहरवार आबाद खान एवं अन्य सदस्यों एवं पदाधिकारी ने अपनी बात रखी। बैठक में श्याम नारायण शर्मा रोहिणी प्रसाद त्रिपाठी ओपी सिंह परिहार प्रदीप अवस्थी डॉक्टर नरेंद्र सिंह अहिरवार आईपी तिवारी आबाद खान संतोष पांडे रामसुंदर द्विवेदी पृथ्वीराज सिंह धर्मराज सिंह डॉक्टर एसएन गौतम सुरेश चंद्र मिश्रा संतोष कुमार मिश्रा मुनीम प्रसाद शुक्ला डॉक्टर बीबी सिंह चौहान रामायण प्रसाद त्रिपाठी आरपी शुक्ला ललन देव द्विवेदी रविशंकर तिवारी एस सिंह रंगनाथ शर्मा जीपी त्रिपाठी व्हीआर वर्मा डॉक्टर एसबी सिंह डॉक्टर सुभाष पांडे डॉ संत कुमार द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आरसीबी और पंजाब की निगाहें आईपीएल ट्रॉफी का 18 साल का इंतजार खत्म करने पर

अहमदाबाद में फाइनल आज, मैच शाम 7:30 बजे से, मैच के लिए रिजर्व डे भी

जेएनएन, अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को जब आईपीएल-2025 के फाइनल में आमने-सामने होंगी, तो उनका लक्ष्य यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने का 18 साल का इंतजार खत्म करना होगा। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा और इस बार दर्शकों को नया चैंपियन देखने को मिल जाएगा। इन दोनों टीमों ने आईपीएल की शुरुआत से कभी खिताब का स्वाद नहीं चखा है। आरसीबी और विराट कोहली का यह चौथा आईपीएल फाइनल है, तो वहीं पंजाब 2014 में ही फाइनल में जगह बना पाई थी। आरसीबी को इससे पहले 2009 में डेक्कन चार्जर्स, 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद से हार मिली थी। वहीं पंजाब को 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने हराया था। पहले क्वालिफायर में आरसीबी ने बड़ी आसानी से पंजाब को हरा दिया था। वहीं श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब ने मुंबई इंडियंस को दूसरे क्वालिफायर में हराकर 11 वर्षों के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया। पंजाब और मुंबई के बीच दूसरा क्वालीफायर बारिश से प्रभावित रहा था, लेकिन फाइनल के दिन बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं है। हालांकि खेल समय में एक अतिरिक्त घंटा जोड़कर अवधि को 120 मिनट तक बढ़ाया गया है तथा फाइनल में एक रिजर्व दिन रखा गया है।

हालिया फार्म

■ आरसीबी और पंजाब दोनों टीमें प्लेऑफ में नौ जीत हासिल कर पहुंची थीं।

■ इस सीजन में आरसीबी ने पंजाब के खिलाफ तीन मुकाबले खेले, जिनमें दो में आरसीबी को जीत मिली, जिसमें प्लेऑफ में जीत भी शामिल है।

■ आईपीएल 2022 से दोनों टीमों के बीच खेले गए कुल आठ मुकाबलों में आरसीबी को पांच मैच में जीत मिली है।

अहमदाबाद में प्रदर्शन

■ पंजाब ने अहमदाबाद में खेले सात मुकाबलों में पांच मैच में जीत हासिल की है, वहीं इस सीजन अहमदाबाद में खेले दोनों मुकाबलों में जीत मिली।

■ आरसीबी को अहमदाबाद में छह में से तीन मुकाबले में जीत मिली है।

हेड टू हेड आईपीएल मैच : 36 आरसीबी जीती : 18 पंजाब जीता : 18

आरसीबी और प्लेऑफ

■ आरसीबी का प्लेऑफ में रिकॉर्ड निराशाजनक रहा है। टीम ने आईपीएल प्लेऑफ में अब तक कुल 16 मैच खेले हैं, जिनमें से सिर्फ छह में जीत हासिल की है, जबकि 10 में हार का सामना करना पड़ा है। उनका जीत प्रतिशत सिर्फ 37.5 प्रतिशत है, जो यह दर्शाता है कि आरसीबी अक्सर नॉकआउट स्टेज में लड़खड़ाती रही है।

■ कोहली ने प्लेऑफ में 16 पारियां खेली हैं, जिनमें उन्होंने 353 रन बनाए हैं। उनका औसत 25.2 और स्ट्राइक रेट 121 रहा है, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं गेंदबाजी में जोश हेजलवुड का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने सिर्फ पांच प्लेऑफ मुकाबलों में 12 विकेट झटके हैं।

■ क्रुणाल पंड्या का प्लेऑफ में बल्लेबाजी रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने नौ पारियों में 136 रन 19.4 की औसत और 124 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 47 रन है। गेंदबाजी में उन्होंने 10 पारियों में सिर्फ चार विकेट लिए हैं। 51 का उनका स्ट्राइक रेट सबसे बड़ी चिंता का कारण है।

श्रेयस बनाम हेजलवुड

श्रेयस ने इस सीजन 16 पारियों में 54.8 की औसत और 176 के स्ट्राइक रेट के साथ 603 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकले हैं। यह आईपीएल में किसी एक सीजन में श्रेयस का सर्वाधिक रन हो चुका है। 2020 में उन्होंने 519 और 2019 में 463 रन बनाए थे। हालांकि आरसीबी के खिलाफ इस सीजन में उनका प्रदर्शन साधारण रहा, जहां उन्होंने क्रमशः 2 (3), 6 (10) और 7 (10) रन बनाए हैं। आईपीएल में हेजलवुड के खिलाफ श्रेयस ने छह पारियों में 22 गेंदों का सामना करते हुए महज 11 रन बनाए हैं और चार बार आउट हुए हैं। इस दौरान उनकी औसत 2.8 और स्ट्राइक रेट 50 का रहा है।

सॉल्ट बनाम अर्शदीप

अर्शदीप ने इस सीजन में कुल 15 पारियों में 18 विकेट लिए। उनका इकॉनमी रेट 8.8 रहा और स्ट्राइक रेट 18.1 रहा, जो इस बात का संकेत है कि उन्होंने हर 18वें गेंद पर विकेट लिया। पहली पारी में गेंदबाजी करते हुए अर्शदीप ने 10 विकेट चटकाए, जहां उनका इकॉनमी रेट 8.9 और स्ट्राइक रेट 13.4 रहा। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने आठ विकेट लिए, इकॉनमी रेट 8.8 पर कायम रहा लेकिन स्ट्राइक रेट बढ़कर 24.0 हो गया। आरसीबी के सॉल्ट के खिलाफ अर्शदीप का रिकॉर्ड टी-20 में प्रभावशाली रहा है। नौ पारियों में उन्होंने सॉल्ट को चार बार आउट किया है। इस दौरान सॉल्ट ने सिर्फ 38 रन बनाए हैं, औसत 9.5 और स्ट्राइक रेट 100 का रहा है।

बराड़ बनाम आरसीबी

हरप्रीत बरार ने इस सीजन में सात पारियों में 10 विकेट 8.6 की इकॉनमी और 13.2 के स्ट्राइक रेट के साथ लिए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उन्होंने छह विकेट नौ की इकॉनमी और 15.8 के स्ट्राइक रेट से चटकाए हैं। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन और भी बेहतर रहा, जिसमें उन्होंने चार विकेट 7.8 की इकॉनमी और सिर्फ 9.3 के स्ट्राइक रेट से लिए हैं। आरसीबी के खिलाफ बरार का रिकॉर्ड भी काफी असरदार रहा है। उन्होंने नौ पारियों में आरसीबी के खिलाफ 11 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 7.7 और स्ट्राइक रेट 16.4 रहा है।

संभावित प्लेइंग इलेवन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टोन, कुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, यश दयाल।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टायनिस, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह ओमरजाई, प्रियांश आर्य, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विजयकुमार वैशक, यश ठाकुर, काइल जैमीसन।

छह महीने में दूसरी बार श्रेयस पाटीदार के बीच खिताबी भिड़ंत

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर छह महीने के भीतर दूसरी बार खिताबी भिड़ंत के लिए एक दूसरे के आमने-सामने होंगे। दरअसल पिछले साल दिसंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पाटीदार मध्यप्रदेश की अगुआई कर रहे थे, वहीं मुंबई का नेतृत्व श्रेयस कर रहे थे। इस मैच में श्रेयस की टीम को जीत मिली थी।

आरसीबी : आरसीबी ने अपनी पिछली समस्याओं को पीछे छोड़कर इस बार शुरू से लेकर अंत तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालिफायर में पंजाब को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और उनकी टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इस मैच में निगाहें विराट कोहली पर रहेंगी। कोहली (614 रन) ने हर साल की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इस साल भी आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा सहयोग मिला, जिसने मुख्य अंतर पैदा किया। फिल साल्ट ने भारतीय सुपरस्टार का अच्छा साथ देकर आरसीबी को अच्छी शुरुआत दिलाई, जबकि मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा बल्लेबाजी क्रम के भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। टिम डेविड चोटिल होने के कारण आरसीबी के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए इसलिए यह देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं।

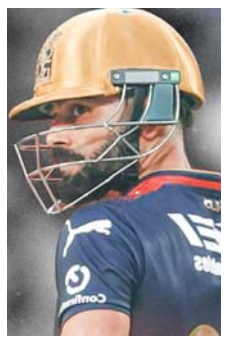

मैदान से हटकर

नेगेटिव बातों पर ध्यान नहीं देती हूं : धनश्री

भारतीय क्रिकेटर और आईपीएल में पंजाब किंग्स का हिस्सा युजवेंद्र चहल व धनश्री वर्मा दोनों एक दूसरे से अलग हो गए हैं। लेकिन अभी भी कई बार धनश्री को चहल के दोस्त काफी ट्रोल करते हैं। इस बारे में धनश्री ने कहा कि वह नेगेटिव बातों पर ध्यान नहीं देती न ही किसी को नीचा दिखाने में यकीन रखती हैं। चहल का नाम किसी और से जोड़ा जा रहा है फिर भी लोग धनश्री को ट्रोल करते रहते हैं। धनश्री ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह इन सब चीजों पर ध्यान नहीं देतीं। न ही किसी को नीचा दिखाने में यकीन रखती हैं। उनका फोकस अभी सिर्फ उनका करियर है। धनश्री ने कहा कि मेरे बारे में जो नैरेटिव फैल रहे हैं वो सच से कहीं दूर हैं। इनमें से किसी पर भी मैं फिट नहीं बैठती। मैं इन सबमें नहीं उलझती, क्योंकि मुझे पता है कि मेरी वैल्यू, परवरिश क्या है और मैं कैसी इंसान हूं? मैं हमेशा सम्मान बनाए रखने में यकीन रखा है। दूसरों को नीचा दिखाना मेरा काम नहीं है, ऐसा करके जीवन में कोई ऊंचा नहीं उठ पाता। प्यार के मामले में धनश्री का मामना है कि इसे कोई प्लान नहीं कर सकता। वह बोलीं, मैं अपने गोल के लिए हमेशा फोकस्ड रही हूं, चाहे वो मेरे डेंटिस्ट होने के दौरान रहा हो या एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में। प्यार की बात करें तो आप इन चीजों को तय नहीं कर सकते कि मैं आज या एक साल बाद प्यार में पड़ूंगी। (जेएनएन)

फ्रांस की गैर वरीय बोइसन ने पेगुला को हराकर किया उलटफेर, गॉफ के साथ क्वार्टर फाइनल में

जेएनएन, पेरिस

फ्रांस की गैर वरीय 21 साल की लुईस बोइसन ने सोमवार को फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम में अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर उलटफेर करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। बोइसन कभी भी फ्रेंच ओपन में नहीं खेली हैं और वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 361वीं रैंकिंग की इस खिलाड़ी ने पेगुला को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया। पेगुला पिछले साल अमेरिकी ओपन की उप विजेता थीं। स्थानीय खिलाड़ी बोइसन बुधवार को क्वार्टरफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा से खेलेंगी। उन्होंने मैच के बाद कहा, नहीं जानती क्या कहूं, लेकिन आप सभी का शुक्रिया। इस कोर्ट पर खेलना और ऐसा माहौल, सचमुच शानदार अहसास है। इस तरह बोइसन दूसरी वरीय कोको गॉफ के साथ चौथे दौर में पहुंच गई हैं। 2023 अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ ने 20वीं रैंकिंग की इकेटरीना एलेक्सांद्रोवा को 6-0, 7-5 से पराजित किया। अमेरिका की मैडिसन कीज ने हमवतन हेली बापटिस्टे को 6-3, 7-5 से और आंद्रीवा ने दारिया कसातकिना को 7-5, 6-3 से हराया।

कार्लोस अल्काराज अगले दौर में : गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने पुरुष एकल के तीसरे दौर में बेन शेल्टन को शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, जबकि महिला वर्ग में एलिना स्वितोलिना ने पिछले साल की उपविजेता जैस्मिन पाओलिनी को पराजित किया। दूसरे वरीय और चार बार ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्काराज ने शेल्टन पर तीन घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (8), 6-3, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से होगा।

भारत के चार शहर और कोलंबो में खेला जाएगा महिला वनडे वर्ल्ड कप

दुबई, जेएनएन। आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के मुकाबले भारत के चार शहरों बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे, जबकि पाकिस्तान के सभी मैचों की मेजबानी कोलंबो करेगा।

30 सितंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, आठ टीमें लेगी हिस्सा

यह व्यवस्था बीसीसीआई और पीसीबी के बीच हाइब्रिड मॉडल को लेकर हुए समझौते के अनुरूप की गई है, जिसके तहत चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने भी अपने सभी मैच दुबई में खेले थे। 30 सितंबर को टूर्नामेंट का पहला मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा, जिसका हिस्सा भारत होगा। 30 अक्टूबर को दूसरा सेमीफाइनल भी बेंगलुरु में ही खेला जाएगा। जबकि पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा यह पाकिस्तान के क्वालिफिकेशन पर निर्भर करेगा। 2 नवंबर को फाइनल के लिए बेंगलुरु और कोलंबो में से कोई एक वेन्यू भी इसी स्थिति से तय किया जाएगा। न्यू चंडीगढ़ पहले फाइनल सहित अन्य मुकाबलों की मेजबानी करने की दौड़ में था, लेकिन वहां अब टूर्नामेंट का एक भी मैच नहीं खेला जाएगा। भारत 2013 के बाद पहली बार वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है, तब भारत ग्रुप स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

महिला एमर्जिंग एशिया कप स्थगित पुरुष टी-20 टूर्नामेंट पर भी संकट

लाहौर, जेएनएन। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मेजबान देश श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं के कारण छह जून से शुरू होने वाले महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट को सोमवार को स्थगित करने की घोषणा की। टूर्नामेंट को स्थगित करने का फैसला श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से प्राप्त पत्र पर विचार-विमर्श के बाद लिया गया, जिन्होंने एसीसी प्रमुख मोहसिन रजा नकवी को इस टूर्नामेंट को स्थगित करने की मांग करते हुए पत्र लिखा था। एसीसी ने कहा कि सिल्वा ने श्रीलंका में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और इस क्षेत्र में चिकनगुनिया फैलने के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला दिया।

श्रीलंका की मेजबानी में 6 जून से होना था विमेंस टूर्नामेंट

सिटी स्पोर्ट्स

पिकलबॉल चैंपियनशिप में भोपाल की अदिति मट्टा ने जीते डबल खिताब

भोपाल, खेप्र। शहर की अदिति मट्टा ने पहली राज्यस्तरीय रैंकिंग ऐस कप पिकलबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो खिताब जीते, जबकि एक में उपविजेता रहीं। ऐस क्लब खेली गई प्रतियोगिता में इंदौर के उत्कर्ष दुबे ने तीन खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। आयोजन सचिव आदित्य सूर ने बताया कि चैंपियनशिप में प्रदेश के 100 अधिक खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया। डबल्स में अदिति ने शुभि के साथ इंदौर की दिव्या व अभिरुचि की जोड़ी को हराया। उन्होंने मिक्सड डबल्स में उत्कर्ष के साथ मिलकर वैभव-अभिरुचि की जोड़ी को पराजित किया। महिला सिंगल्स में अदिति को शुभि व्यास से हार मिली। पुरुष सिंगल्स उत्कर्ष ने भोपाल के भावेश गौर को 15-8 से पराजित किया। पुरुष डबल्स ओपन के फाइनल में उन्होंने अनुज उप्रेति के साथ मिलकर जय और पार्थ की जोड़ी को 15-8 से हराकर तीसरा खिताब जीता। बिगिनर्स पुरुष सिंगल्स के फाइनल में इंदौर के रिजवान खान ने उप्रेति को 15-8 से शिकस्त देकर खिताब की हैट्रिक पूरी की।

कोहली को हराकर रोहित शर्मा हाउस बना चैंपियन

भोपाल, खेप्र। रोहित शर्मा हाउस ने अरेरा प्रीमियर लीग अंडर-16 इंटर हाउस प्रतियोगिता में विराट कोहली हाउस को एक विकेट से हराकर खिताब जीता। ओल्ड कैंपियन मैदान पर कोहली हाउस 49.3 ओवर में 183 रन सिमट गई। वैभव मारण ने 60 और कुलदीप मालवीया ने 31 रन बनाए। रोहित हाउस के होमी सोलंकी ने 4 विकेट झटके। जवाब में रोहित हाउस ने 48.3 ओवर में 9 विकेट खोकर मैच जीत लिया। वैष्णवी गुप्ता ने 24, शौर्य पटेल ने 23, होमी सोलंकी ने 22 रन बनाए।

अभिराज के शतक से जीता रेलवे

भोपाल, खेप्र। रेलवे गर्वित क्रिकेट अकादमी ने पहली जीएस पठानिया मेमोरियल अंडर-15 बॉयज क्रिकेट लीग में सिली पॉइंट को 10 विकेट से हराया। जवाहर लाल नेहरू स्कूल में सिली पॉइंट ने युग (55) और अनिकेत (24) की पारियों की बदौलत 40 ओवर में 152 रन बनाए। रेलवे गर्वित के अर्नव ने 3 और अभिराज ने 2 विकेट लिए। जवाब में रेलवे गर्वित ने 12.5 ओवर में 10 विकेट से मैच जीत लिया। अभिराज ने नाबाद 102 और शिवम ने नाबाद ने 26 रन बनाए।

हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब वह अपने टी-20 लीग करियर को प्राथमिकता देना चाहते हैं। यह फैसला काफी समय से संभावित माना जा रहा था, खासकर तब से जब उन्हें अप्रैल में क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया था। क्लासेन पहले सिर्फ सीमित ओवरों के अनुबंध पर थे और उन्होंने जनवरी 2024 में टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था। क्लासेन ने कहा कि मेरे लिए यह एक दुःखद दिन है, क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर जाने का फैसला कर रहा हूं। मुझे यह तय करने में लंबा समय लगा कि मेरे और मेरे परिवार के भविष्य के लिए क्या सबसे अच्छा है। यह निर्णय वाकई बहुत कठिन था, लेकिन अब मेरे मन में पूर्ण शांति है। क्लासेन टी-20 फ्रेंचाइजी लीग सर्किट के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं।

वर्ल्ड कप में अफगान के खिलाफ 200 रन की ऐतिहासिक पारी खेलने वाले मैक्सवेल ने लिया वनडे क्रिकेट से संन्यास

जेएनएन, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोमवार को वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इस 36 साल के विस्फोटक बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले। मैक्सवेल ने वनडे में कुछ यादगार पारियां खेली, जिसमें वनडे विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ 128 गेंद पर खेली गई 201 रन की पारी भी शामिल है। मैक्सवेल का वनडे रिकॉर्ड बेमिसाल है, भले ही उनके आंकड़े 3990 रन, 33.81 की औसत से और 149 मैचों में 77 विकेट उनकी प्रतिभा का पूरा प्रतिबिंब नहीं हैं। उन्होंने 2011 में केवल 19 गेंदों में ऑस्ट्रेलियाई घरेलू वनडे क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था, जो 2023 तक रिकॉर्ड बना रहा। उन्होंने वनडे में वही आक्रामक शैली अपनाई। ऑल-टाइम वनडे स्ट्राइक रेट में केवल आंद्रे रसेल उनसे ऊपर हैं। 2000+ रन बनाने वाले खिलाड़ियों में कोई भी उनसे बेहतर स्ट्राइक रेट (117.05) नहीं रखता। उनकी सबसे ऐतिहासिक पारी 2023 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रन थी, जो चेज में पहली डबल सेंचुरी और किसी भी नॉन-ओपनर द्वारा पहली डबल सेंचुरी थी।

> - मुझे लगा कि मेरा शरीर जिस तरह से परिस्थितियों के अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं कर रहा था, उससे मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा था। मैंने (चयनसमिति के अध्यक्ष) जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उनसे पूछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं। हमने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप पर चर्चा की। मैंने उनसे कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें सफल हो पाऊंगा। अब समय आ गया है कि आप अन्य खिलाड़ियों के लिए योजना बनानी शुरू करें। मैं शुरू से कहता रहा हूं कि अगर मुझे लगता है कि मैं अब भी खेलने लायक हूं, तो मैं टीम में बना रहूंगा। मैं अपने स्वार्थ के लिए नहीं खेलना चाहता हूं।
>
> **- ग्लेन मैक्सवेल**

तैराकी : आर्यन एस गणेश को दो स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। शहर के खिलाड़ियों ने 53वीं राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता-2025 में दूसरे दिन चार स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य पदक जीते। खंडवा में खेली जा रही प्रतियोगिता में दूसरे दिन 31 इवेंट्स हुए। पांच रिले इवेंट में भोपाल को 4 रजत पदक प्राप्त हुए। अब तक भोपाल के 8 स्वर्ण, 11 रजत और 6 कांस्य पदक हो गए। भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने बताया कि सोमवार को अंवेश सिंह ने 1500 मी. फ्रीस्टाइल में, अनन्या एस गणेश ने 200 मी. फ्री स्टाइल, अर्थ जैन 50 मी. ब्रेस्ट स्ट्रोक और आर्यन एस गणेश ने सीनियर 50 मी. ब्रेस्ट स्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। अंवेष ने 200 फ्री स्टाइल, दुर्विषा पवार ने 1500 मी. फ्री स्टाइल, में रजत जीता। व्यक्तिगत स्पर्धा में इशान सिंह, यशविका मरोठा, मौली आहूजा व अर्थ जैन ने अपने अपने ग्रुप में 1-1 कांस्य पदक प्राप्त किए।

बास्केटबॉल: भोपाल डिस्ट्रिक्ट, सेंट थॉमस की टीम जीती

भोपाल, खेप्र। पुरुष वर्ग में भोपाल डिस्ट्रिक्ट, सेंट थॉमस, विदिशा एवबी तथा महिला वर्ग में आरसीसी व सेंट थॉमस ने 4थी सुपर 12 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अपने-अपने पहले लीग मुकाबले जीते। आगा क्लब हीरोज द्वारा आयोजित प्रतियोगिता स्थानीय आगा क्लब, बास्केटबॉल कोर्ट, पिपलानी, भेल भोपाल में प्रारम्भ हुई।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आज मैहर में व 5 जून को सतना में

सतना। अग्रणी बैंक जिला प्रबंधक गौतम शर्मा ने बताया कि मैहर जिले में कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में बैंकों की जिला स्तरीय परामर्श दात्री एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की त्रैमासिक बैठक 3 जून को सायं 4 बजे मैहर के कलेक्ट्रेट सभागार में और 5 जून को 4.30 बजे सतना के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। जिले के सभी बैंक समन्वयक एवं संबंधित विभागों से बैठक में उपस्थित रहने को कहा गया है।

स्थानांतरण पर प्रतिबंध से छूट की अवधि को 10 तक बढ़ाया

सतना। राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों/कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति द्वारा 1 मई से 30 मई 2025 तक की अवधि के लिये स्थानांतरण पर प्रतिबंध शिथिल किया गया था। राज्य शासन ने स्थानांतरण पर प्रतिबंध से शिथिलता अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। स्थानांतरण पर प्रतिबंध से शिथिलता अवधि को बढ़ाकर 10 जून 2025 किया गया है।

कलेक्टर ने कई तहसीलदारों का वेतन काटने दिए निर्देश

कहा 6 महीने से अधिक समय का लंबित मिला प्रकरण तो खैर नहीं

जागरण, सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने राजस्व अधिकारियों को 6 महीने से अधिक समय का नामांतरण, सीमांकन सहित कोई भी राजस्व प्रकरण लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये हैं। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में भू-अर्जन के अंतरविभागीय मामलों और राजस्व कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने अनेक राजस्व अधिकारियों की वेतन काटने और अगले शुक्रवार तक राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति नहीं लाने पर संबंधित एसडीएम के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, अधीक्षण यंत्री विद्युत पीके मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ, नगर पंचायतों के सीएमओ उपस्थित थे। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में राजस्व की समीक्षा के दौरान 6 महीने से ऊपर के लंबित सीमांकन प्रकरणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने रामपुर बघेलान और सज्जनपुर सर्किल की नायब तहसीलदार ममता पटेल के 6 प्रकरण 6 महीने से ऊपर लंबित रहने पर एक हफ्ते का वेतन, तहसीलदार कोटर सुजीत नागेश के 13 प्रकरण 6 माह से ऊपर लंबित रहने पर 7 दिन का वेतन, नायब तहसीलदार चित्रकूट हिमांशु शुक्ला के 5 प्रकरण पर 5 दिन का वेतन, उचेहरा नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी के 6 प्रकरण होने पर एक सप्ताह का वेतन, बरौंधा नायब तहसीलदार सुदामा कोरी, जसो के यादवेन्द्रमणि त्रिपाठी, हाटी के नायब तहसीलदार राजेश सिंह, नागौद तहसीलदार सौरभ मिश्रा के 6 से अधिक प्रकरण 6 माह से अधिक समय के लंबित रहने पर एक-एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने नागौद तहसील में राजस्व कार्यों का परफारमेंस 0.78 प्रतिशत पाये जाने पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसडीएम नागौद को ध्यान देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि अगले शुक्रवार तक सभी राजस्व अधिकारी राजस्व कार्यों में प्रगति लाये। कम से कम 50 प्रतिशत की उपलब्धि नहीं आने पर शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में पुनः समीक्षा कर संबंधित एसडीएम के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। राजस्व कार्यों में प्रगति लाने सभी एसडीएम अपने अधीनस्थ तहसीलदार, आर.आई. पटवारियों को सचेत करेंगे।

कलेक्टर ने कहा जिला पर्यटन संवर्धन समिति का गठन और उसकी एक भी बैठक नहीं हुई है। जिला पंचायत इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। इसी तरह कलेक्टर ने विभिन्न विभागों और संस्थानों की कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न बैठकों के पश्चात बैठक की कार्यवाही विवरण (मिनिटस) जारी नहीं किये जाने पर संबंधित अधिकारियों से गहरी अप्रसन्नता प्रकट की। उन्होंने जिला जल स्वच्छता और पेयजल संबंधी बैठक नहीं बुलाने और मिनिटस अब तक जारी नहीं करने पर कार्यपालन यंत्री पीएचई डीएन कनेल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नान पंकज बोरसे को गेहूं खरीदी के लंबित भुगतान और किसानों की संख्या की जानकारी नहीं बता पाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। आरटीओ संजय श्रीवास्तव को सडक सुरक्षा समिति की बैठकों के मिनिटस जारी करने के निर्देश भी दिये गये। वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि नगर निगम सतना और 8 नगर पंचायतें एक-एक प्रोजेक्ट के रूप में लगभग 5 हजार पौधों का रोपण वृहद स्वरूप से करने की प्लानिंग करें। इस प्रकार जिले में 20 प्रोजेक्ट में एक लाख पौधे लग सकेंगे। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत चित्रकूट में लगभग 11 हजार पौधे लगाये जाने है। इसी प्रकार 5 लाख पौधे मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया की ग्राम पंचायत क्षेत्र में लगवााये। वन विभाग ने चित्रकूट क्षेत्र में 2.5 लाख पौधे लगाने की प्लानिंग की है। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में 60 माइंस संचालित हो रही है। कलेक्टर ने कहा कि माइंस क्षेत्र में कम से कम 80 हजार पौधे लगवाये और जिन माइंस में जगह नहीं है। उनसे आसपास के किसानों को 5 हजार पौधे दिलवायें। सीमेंट फैक्ट्री एवं अन्य वृहद प्रतिष्ठानों से लगभग 2 लाख पौधो के रोपण का लक्ष्य रखे। इसके अलावा सीएसआर मद से किसानों को पौधे वितरण एवं सुरक्षा जाली इत्यादि की व्यवस्था कराये। कलेक्टर ने खनि अधिकारी एचपी सिंह और सहायक प्रबंधक उद्योग केन्द्र एमएल पाण्डेय को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने नगर निगम, जल निगम, नर्मदा घाटी विकास, सडक, रेल, लोक निर्माण विकास परियोजनाओं के संविदाकार के माध्यम से वृक्षारोपण कार्य कराने विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य दिये है। कलेक्टर ने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस की तैयारियां और सभी नगरीय निकाय पंचायतें तथा विभाग वर्षा काल के पूर्व की जाने वाली सभी व्यवस्थायें और तैयारियां पूरी कर लें। कलेक्टर ने कहा कि सभी तहसीलदार और एसडीएम अज्ञात वाहनों से होने वाली मौते और हिट एण्ड रन की घटना सेयोजना के तहत पीडितों को लाभ दिलायें। हिट एण्ड रन केस में मृत्यु पर 2 लाख और घायल होने पर 50 हजार रूपये की सहायता दी जाती है। इसके अलावा घायलों को समय पर अस्पताल पर पहुंचाने में मदद करने वालों को राहवीर योजना का लाभ दें। जिला कोषालय अधिकारी सुशील कुमार मिश्रा द्वारा लोक निर्माण सहित अन्य निर्माण विभागों को एजेंसियों को भुगतान की राशि ट्रांसफर करने में हीला-हवाली पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। टीएल बैठक में बिना सूचना जिला मार्कफेड अधिकारी नेहा तिवारी की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

रामपुर बाघेलान क्षेत्र में अवैध शराब पैकारी में लगे लगाम : रावेन्द्र सिंह छोटू

जागरण, सतना। ग्रामीण क्षेत्रो में हो रही शराब की अवैध पैकारी को तत्काल रोके जाने जनपद पंचायत अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखा कर पत बताया है कि रामपुर बाघेलान जनपद क्षेत्र अंतर्गत शराब दुकान रामपुर बस स्टैंड नेमुआ ,मोड़, सज्जपुर,प्रिज्म मोड़,छिवौरा बेला में ठेकेदारों द्वारा व्यापक स्तर पर अवैध रुप से शराब की पैकारी की जा रही है जिससे आज की युवा पीढी शराब के आगोश में समाती जा रही है और गाँव की गलियों में बहन बेटियों का निकलना दुर्भर है साथ ही ग्राम पंचायतों द्वारा मेरे पास लगातार शिकायत आ रही है और आम जन मानस में आक्रोश व्याप्त है क्योंकि देश का भविष्य कहे जाने वाला युवा आज नशे की लत से विकलांग होता जा रहा है जिसे संज्ञान में लेते हुए सतना कलेक्टर और सतना पुलिश अधीक्षक से शराब पैकारी में तत्काल रोक लगाई की माँग की है ।

जल गंगा संवर्धन अभियान ग्राम पंचायत भरहटा में बावड़ी की सफाई की गई

सतना। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उचेहरा विकासखंड के कबीर आश्रम ग्राम पंचायत भरहटा में बावड़ी स्वच्छता कार्यक्रम के तहत जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था कल्पवृक्ष सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं के साथ परामर्शदाता और छात्रों द्वारा बावड़ी सफाई का कार्य किया गया। स्थानीय पुजारी के अनुसार सम्राट अशोक के समय इस बावड़ी का निर्माण कराया गया था। बताया गया कि प्राचीन समय में राहगीर और स्थानीय गांव के लोग इसी से पानी पीते थे। आयोजित श्रमदान में परामर्शदाता सतवंत सिंह, हनुमान सिसोदिया, लक्ष्मी प्रजापति, पुष्पांजलि सिंह, अनिलेश सतनामी, सुमित प्रजापति, सुषमा वर्मा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अमन कुमार, ओमकार कोरी, शिव कोमल कुशवाह सहित नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक ओमप्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बालक-बालिका खिलाड़ियों की चयन स्पर्धा का आयोजन 4 जून को

सतना। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की रोइंग विधा में प्रवेश के लिए बालक-बालिका खिलाडियों की चयनस्पर्धा का आयोजन 4 जून को ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के खेल मैदान (बास्केट बाल मैदान) में किया जाना है। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोच दिलावर सिंह द्वारा चयन किया जायेगा। खिलाडियों को चयन स्थल पर आधारकार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवासी, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की मूल कॉपी एवं 2 छायाप्रति सहित उपस्थित होना अनिवार्य है।

दर्शनार्थियों से भरा पिकअप पलटा, 11 लोग घायल

जागरण, सतना। सतना में सोमवार सुबह करीब 10 बजे राम वन गमन पथ पर बांधी मौहार गांव के पास एक पिकअप एमपी 17 जेड सी 0697 अनियंत्रित होकर पलट गई। गाड़ी में 20 लोग सवार थे जिनमें से 6 नीचे दब गए और गर्म सब्जी गिरने से झुलस गए। मौके से गुजर रहे लोगों ने रुककर उन्हें निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के देवरी चकदही गांव के लोग पिकअप में सवार होकर मैहर दर्शन के लिए जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने खाना बनाया और टंकियों में भरकर गाड़ी में रखा। जब गाड़ी पलटी तो कई लोग उसके नीचे दब गए। इसी दौरान उनके ऊपर टंकियों में रखा खाना गिर गया जिससे वो झुलस गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया। परिवार मैहर में दर्शन के बाद कथा का आयोजन भी करने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये हुए घायल : चुनवादी रावत बूटा रावत अमन रावत अभियन्स रावत नीलम रावत के अलावा उमेश रावत डब्बू रावत शिवम रावत संगीता रावत राजा रावत मोहित रावत को चोट आई है ।

वंदेमातरम के साथ हुई कार्यालयीन कामकाज की शुरूआत

जागरण, सतना। म0प्र0 शासन के निर्देशानुसार जून माह के प्रथम कार्य दिवस सोमवार को कलेक्ट्रेट में कार्यालयीन कार्यों की शुरुआत राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान के गायन से हुई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रुप से राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का गायन किया। इसके उपरांत शासकीय कार्यालयों में काम-काज की शुरूआत हुई। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम राहुल सिलाडिया, सुधीर बेक, जितेन्द्र वर्मा सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में 1 से 15 जून तक रहेगा ग्रीष्मकालीन अवकाश

अवकाश के दौरान कार्यकर्ता-सहायिका रहेंगी सक्रिय

जागरण, सतना। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केन्द्रों में नियमित रूप से आने वाले 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की उपस्थिति इस अवधि में अनिवार्य रहेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मैहर राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि जारी निर्देशों के अनुसार यह अवधि आंगनबाड़ी केन्द्रों के रख-रखाव, दस्तावेज संधारण, वार्षिक सर्वेक्षण तथा पोषण संबंधित गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है। इस दौरान केन्द्रों में बच्चों के लिए नाश्ता एवं गर्म पका भोजन के स्थान पर रेडी टू ईट (त्ज्म्) भोज्य पदार्थ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा वितरित किया जाएगा। अवकाश अवधि में आंगनवाड़ी की व्यवस्थित भवन की सफाई, खेल सामग्री की व्यवस्था, रसोई व शौचालय की मरम्मत तथा पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त रिकॉर्ड संधारण का कार्य किया जाएगा। सम्पूर्ण उपकरणों एवं फर्नीचर का स्टॉक पंजीकरण, टेक होम राशन वितरण का विवरण, संपर्क एप्लिकेशन में डाटा अपलोडिंग की जायेगी। इस अवधि में वार्षिक सर्वेक्षण भी किया जाएगा। एक से 10 जून तक परिवार सर्वेक्षण एवं हितग्राही पहचान की जाएगी ।

सीएसपी ने किया शहर में पैदल मार्च

सतना । सतना के नवागत सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने शहर की शांति व ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर मुख्य बाजार में पैदल मार्च किया। उनके साथ कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी और पुलिस बल भी मौजूद रहा।

पीडीएस के हितग्राहियों को 3 माह के खाद्यान्न का वितरण एक साथ

सतना। प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार आगामी तीन माह (जून, जुलाई एवं अगस्त 2025) के लिए सभी पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जाना है। जिला आपूर्ति अधिकारी मैहर ने बताया कि मौसम में परिवर्तन होने की संभावना को देखते हुए जून माह में ही पीडीएस के हितग्राहियों को तीन माह का खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा।

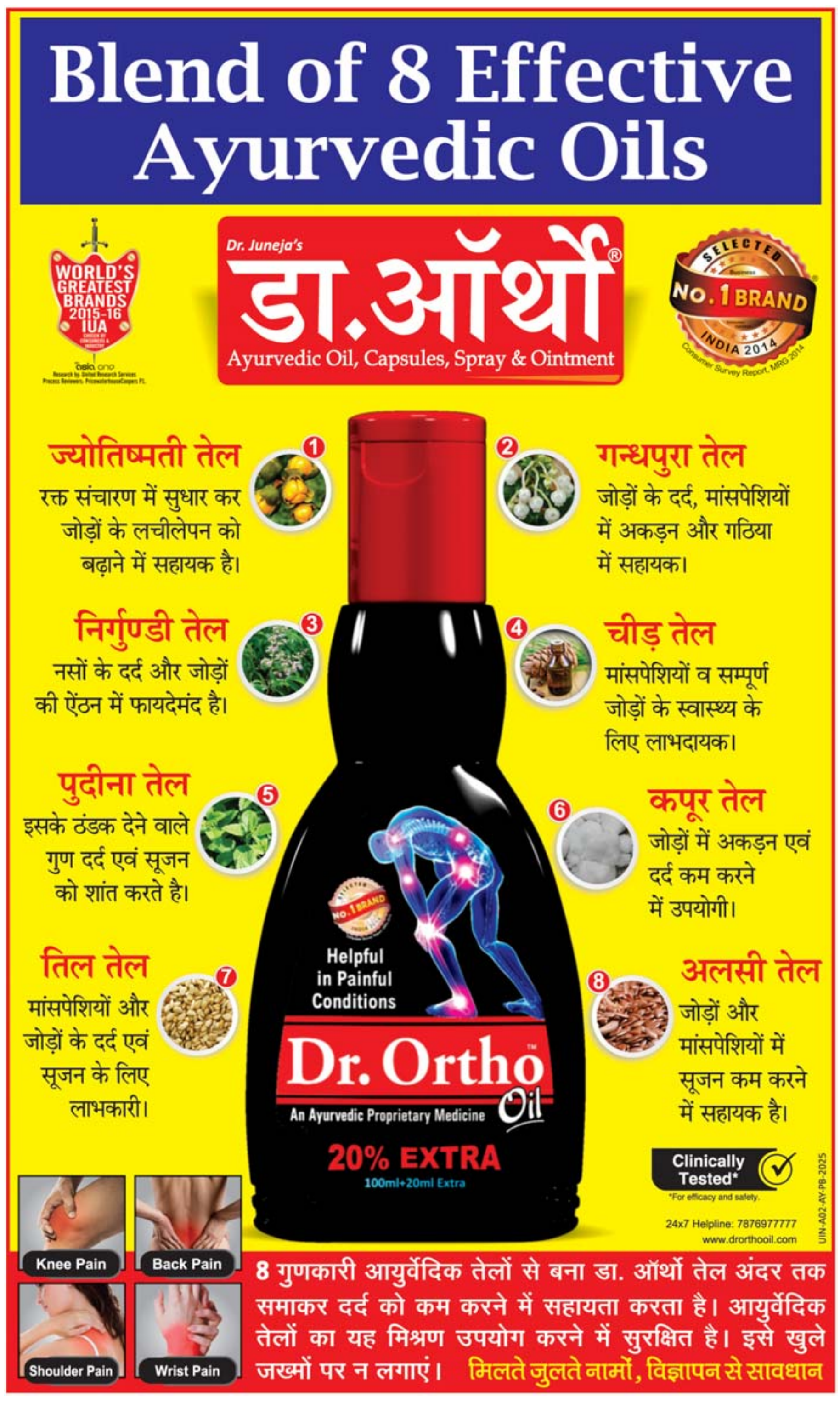

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com